E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 197 | गुवाहाटी | गुरुवार, 9 फरवरी, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कुछ आरटीआई कार्यकर्ता अपने अधिकारों का कर रहे दुरुपयोग पेज 3
एफबीयू की स्थापना के मामले पर भाजपा ने मुख्यमंत्री पर हमला बोला पेज 4
कई सालों से आपस में लड़ाने का काम कर रहे हैं भागवत : राकेश टिकैत पेज 5
कांग्रेस में जिलाध्यक्ष पद के लिए अहम होगा जातिगत फैक्टर और कांग्रेस का... पेज 8

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

पूर्वांचल केशरी (असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
प्रत्यक्ष और परोक्ष साधनों के अनुमान से कार्य की परीक्षा करें।
- आचार्य चाणक्य

ईडी की वजह से एक मंच पर आ गईं विपक्षी पार्टियां : मोदी

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब दिया। मोदी ने कहा कि मैं राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद करता हूं। मेरा सौभाग्य रहा कि मुझे पहले भी कई बार राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद करने का अवसर मिला है, लेकिन इस बार मैं धन्यवाद के साथ-साथ राष्ट्रपति जी का अभिनंदन भी करना चाहता हूं। मोदी ने कहा कि अपने विजनरी भाषण में राष्ट्रपति ने हम सबको और करोड़ों देशवासियों का मार्गदर्शन किया है। गणतंत्र के मुखिया के रूप में उनकी उपस्थिति ऐतिहासिक और देश की बहन-बेटियों के लिए प्रेरणादायक है। कई सांसदों ने चर्चा में हिस्सा लिया। अपने-अपने आंकड़े और तर्क दिए। सांसदों ने अपनी रुचि के अनुसार अपनी बातें रखीं। जब इन बातों को गौर से सुनते हैं, समझने का प्रयास करते हैं। तो ध्यान में आता है कि किसकी कितनी क्षमता, योग्यता, समक्ष और इरादा है। देश भी इसका मूल्यांकन करता है। कुछ लोगों के भाषण के बाद पूरा ईकोसिस्टम, समर्थक उछल रहे थे। खुश होकर कहने लगे, ये हुई न बात! शायद नींद भी अच्छी आई होगी, शायद आज उठ भी नहीं पाए होंगे। ऐसे लोगों के लिए कहा गया है, अच्छे ढंग से कहा गया है। हमारे पड़ोस में जिस प्रकार से हालात बने हुए हैं। कौन इस पर गर्व नहीं करेगा कि ऐसे समय में भी देश दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। आज पूरे विश्व में भारत को लेकर पॉजिटिविटी है। देश के लिए गर्व की बात है, लेकिन मुझे लगता है शायद इससे भी कुछ लोगों को दुख हो रहा है। एक समय था छोटी-छोटी टेक्नोलॉजी के लिए देश तरसता था। आज देश बड़ी ताकत के साथ आगे बढ़ रहा है। दुनिया के लोग अपने वैक्सीनेशन का सर्टिफिकेट भी नहीं देख पाते हैं। आज हम इसे मोबाइल में ही देख सकते हैं। सदन में हंसी-मजाक, टीका-टिप्पणी, नोकझोंक होती रहती है, लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आज राष्ट्र के रूप में गौरवपूर्ण अवसर हमारे सामने खड़े हैं। गौरव के क्षण हम जी रहे हैं। निराशा में डूबे कुछ लोग इस देश की प्रगति को स्वीकार नहीं कर पाते हैं। उन्हें भारत के लोगों की उपलब्धियां नहीं दिखती हैं। देशवासियों के प्रयास का परिणाम है, जिसके कारण दुनिया में डंका बज रहा है। दुनिया में हम स्टार्टअप के मामले में तीसरे नंबर पर हैं। इतने कम समय में 108 यूनिकॉर्न बने। 100 साल में आई यह भयंकर महामारी, दूसरी तरफ युद्ध की स्थिति, बटां हुआ विश्व और इस संकट के माहौल में भी देश को जिस तरह से संभाला गया है, इससे पूरा देश आत्मविश्वास से भर रहा है। खेल की दुनिया में खिलाड़ी अपना रुतबा दिखा रहे हैं। शिक्षा क्षेत्र में भारत आगे बढ़ रहा है। बेटियों की भागीदारी बराबर होती जा रही है। देश में इंजीनियरिंग, मेडिकल कॉलेजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। स्पोर्ट्स के अंदर भारत का परचम... हमारे बेटे-बेटियां लहरा रही हैं। एक बार जंगल में दो नौजवान शिकार करने के लिए गए। वो गाड़ी में अपनी बंदूक रखकर बाहर टहलने लगे, लेकिन वहीं पर उन्हें बाघ दिखाई दिया। बाघ दिखा तो उन्होंने लाइसेंस दिखाया कि मेरे पास बंदूक का लाइसेंस है। इन्होंने भी बेरोजगारी दूर करने के नाम पर कानून दिखाया। ये इनके तरीके हैं। 2004 से 2014 आजादी के इतिहास में घोटालों का समय रहा। कश्मीर से कन्याकुमारी, भारत के हर कोने में आतंकवादी हमलों का सिलसिला 10 साल चलता रहा। हर नागरिक असुरक्षित था। 10 साल में जम्मू-कश्मीर में हिंसा होती रहती थी। 10 सालों में भारत की आवाज ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर कमजोर थी। दुनिया इसे सुनने के लिए तैयार नहीं थी। आज हर मौके को मुसीबत में पलटना यूपीए की पहचान -शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा में 23 केंद्रों पर पोस्टल बैलेट से वोटिंग शुरू

अगरतला (हि.स.)। त्रिपुरा विधानसभा चुनाव के लिए 23 केंद्रों पर पोस्टल बैलेट से वोटिंग चल रही है। त्रिपुरा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) किरेन गिट्टे ने यह जानकारी दी है। सीईओ किरेन गिट्टे ने बताया कि मतदान अधिकारी, सुरक्षाकर्मी, वाहन चालक और चुनाव कार्य में लगे अन्य कर्मी बुधवार की सुबह से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार डाक मतपत्रों के माध्यम से अपना वोट डाल रहे हैं। यह पोस्टल बैलेट वोटिंग 12 फरवरी तक चलेगी। गिट्टे ने कहा कि मंगलवार तक -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम जोरामथंगा के भाई समेत छह को भ्रष्टाचार पर एक साल की सजा

नई दिल्ली। एजल की एक विशेष अदालत ने बुधवार को भ्रष्टाचार के एक मामले में बड़ी कार्रवाई की है। कोर्ट ने मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरामथंगा के छोटे भाई वनलालछुआना समेत छह लोगों को एक साल की सजा सुनाई है। इन छह लोगों को फर्जी तरीके से जाली भूमि पास और प्राधिकरण पत्र बनवाकर सरकारी मुआवजा प्राप्त करने के लिए दोषी ठहराया गया था। जानकारी के मुताबिक, सी वनलालछुआना, सईथांगा, सी रोखुमी, लालदुहामा और पीसी ललथाजोवी और के. लालरावना ने दो करोड़ रुपए से अधिक का मुआवजा हथिया लिया। इन सभी को तुइरियाल नदी पर 60 मेगावाट की पनबिजली परियोजना के निर्माण के कारण पानी से डूबी भूमि के लिए करीब दो करोड़ रुपए का मुआवजा मिला था। कोर्ट ने इन सभी को आईपीसी की धारा 420, 467, 468, 471 और 120 बी के तहत दोषी ठहराया है। अदालत ने इस मामले में दो अन्य आरोपियों को बरी कर दिया है। दोषियों को जुर्माने के रूप में प्रत्येक को 20 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है।

न्यूज गैलरी

मेघालय : टीएमसी और एनपीपी के समर्थकों में झड़प

शिलांग। मेघालय के पश्चिम गारो हिल्स जिला निर्वाचन अधिकारी से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, 46-फूलबाड़ी विधानसभा क्षेत्र के चारबतापारा गांव में टीएमसी और एनपीपी समर्थकों के बीच झड़प हुई है। मौके पर पुलिस मौजूद है। डीआईपीआर मेघालय ने इसकी जानकारी दी है। जानकारी के अनुसार टीएमसी के पूर्व विधायक एसजीई मोमिनिन, टीएमसी नेता मोनी मंडल, टीएमसी नेता भुद्ध और बीबुर जमान (एमडीसी/ एनपीपी) मौके पर मौजूद थे। झड़प का -शेष पृष्ठ दो पर

रक्षा मंत्रालय ने एल एंड टी के साथ किया 2585 करोड़ रुपए का अनुबंध

नई दिल्ली। पीएम मोदी की *आत्मनिर्भर भारत* पहल को बढ़ावा देते हुए रक्षा मंत्रालय ने 41 मॉड्यूलर पुलों के निर्माण के लिए गुरुवार को लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। ये अनुबंध 2585 करोड़ रुपए का है। रक्षा मंत्रालय ने इस संबंध में एक बयान भी जारी किया है। इसके तहत भारतीय सेना के कोर ऑफ इंजीनियर्स के लिए मॉड्यूलर ब्रिज के 41 सेट का निर्माण किया जाएगा। मंत्रालय ने बयान में कहा कि इन पुलों को रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है।

तुर्की में अब तक 11,000 लोगों की मौत, शवों का मिलना जारी

गंजियातेप। आठ फरवरी (एपी) तुर्किये और सीरिया में पिछले दिनों आए विनाशकारी भूकंप से मरने वालों की संख्या 11,000 को पार कर चुकी है लेकिन अभी भी यह आंकड़ा थमने का नाम नहीं ले रहा है। तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन भूकंप प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केवल तुर्किये में मरने वालों की संख्या 8,500 को पार कर गई है। उन्होंने कहा कि हम अपने किसी भी -शेष पृष्ठ दो पर

क्या देश में सरकारी आंकड़े से 17 गुना ज्यादा आए कोरोना केस : बीएचयू

नई दिल्ली। कोरोना वायरस ने भारत समेत दुनियाभर में खूब तबाही मचाई। हाल ही में कोविड को लेकर एक चौंकाने वाली स्टडी सामने आई है, जिसके मुताबिक भारत में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की असल संख्या आधिकारिक आंकड़ों से करीब 17 गुना ज्यादा है। ये स्टडी बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी ने की है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत में कोविड-19 से अबतक करीब साढ़े चार करोड़ लोग संक्रमित हो चुके हैं। हालांकि *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंफैक्शियस डीजीजज* में प्रकाशित अध्ययन में अनुमान जताया गया है कि देश में कोरोना वायरस से पीड़ित होने वाले लोगों की संख्या 58 से 98 करोड़ के बीच हो सकती है। बीएचयू की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, स्टडी में सामने आया है कि भारत में कोरोना वायरस मामलों की वास्तविक संख्या आधिकारिक आंकड़ों की तुलना में कम से कम 17 गुना ज्यादा है। जेनेटिक्स साइंस के प्रोफेसर ज्ञानेश्वर चौबे ने कहा कि बड़ी संख्या में लोग संक्रमित तो हुए, लेकिन उनमें इसके लक्षण नहीं दिख रहे थे, जो वास्तविक आधिकारिक आंकड़ों से कई गुना ज्यादा है और यही बात इस स्टडी में सामने आई है। स्टडी की अगुवाई करने वाले चौबे ने कहा कि युवा आबादी में बिना लक्षण वाले मामले ज्यादा थे। उन्होंने बताया कि इस स्टडी में देश के 34 संस्थानों के 88 वैज्ञानिक शामिल थे। टीम ने सितंबर से -शेष पृष्ठ दो पर

आतंकियों की धमकी के बावजूद लाल चौक पर फहराया था तिरंगा : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब दिया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा और जम्मू-कश्मीर के लाल चौक में तिरंगा फहराए जाने से जुड़ा एक किस्सा भी सुनाया। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का नाम लिए बिना जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जो हाल में जम्मू-कश्मीर घूम कर आए हैं वो भी अब देख सकते हैं कि कितनी -शेष पृष्ठ दो पर

चंडीगढ़ में प्रदर्शनकारियों का पुलिस पर हमला, तलवार-डंडों से पीटा

चंडीगढ़। पंजाब के मोहाली में सिख कैदियों की रिहाई की मांग कर रहे प्रदर्शनकारी बुधवार को उग्र हो गए। चंडीगढ़ में घुसने को लेकर उनकी पुलिस से झड़प हो गई। इस दौरान जमकर पथराव हुआ। प्रदर्शनकारियों ने तलवारें निकाल लीं। जिसे देख पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया और वाटर कैनन का भी प्रयोग किया। इससे भड़के प्रदर्शनकारियों ने चंडीगढ़ और पंजाब पुलिस की गाड़ियों में तोड़फोड़ कर डाली। प्रदर्शनकारी इस कदर उग्र हो गए कि उन्होंने तलवारें और डंडे दिखाकर पुलिस को खदेड़ दिया। कुछ पुलिसकर्मी भी इस हिंसक वारदात में जख्मी -शेष पृष्ठ दो पर

अतिक्रमण विरोधी अभियान महबूबा मुफ्ती हिरासत में

नई दिल्ली। पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर प्रशासन के अतिक्रमण विरोधी अभियान का दिल्ली में विरोध किया, इसके चलते उन्हें दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। वह बुधवार को जम्मू-कश्मीर प्रशासन के अतिक्रमण विरोधी अभियान का विरोध करने के लिए यहां पहुंची थीं। इस दौरान उनके कार्यकर्ताओं को भी हिरासत में लिया गया है। महबूबा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में गुंडा राज है। इसे अफगानिस्तान की तरह नष्ट किया जा रहा है। साथ ही उनके कार्यकर्ताओं ने बीजेपी हाय हाय के नारे भी लगाए। मीडिया -शेष पृष्ठ दो पर

रास में धनखड़ और खड़गे में नोक-झोंक, हंसी-ठिठोली में मोदी भी शामिल

नई दिल्ली। बजट सत्र के 8वें दिन बुधवार को राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान कांग्रेस और भाजपा सांसदों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे की स्पीच के दौरान कई पल ऐसे आए, जब हंसी-ठिठोली भी हुई। मोदी-शाह की वॉशिंग मशीन, हरिश्चंद्र का जिक्र हुआ। खड़गे ने शेर सुनाया तो सभापति भी शायराना हो गए। 40 मिनट की स्पीच के दौरान खड़गे सभापति जगदीप धनखड़ से भी उलझते दिखे। उन्होंने अड़ाणी- पीएम मोदी के रिश्ते, अडाणी के तेजी से अमीर बनने, अडाणी की कंपनियों को लेकर सवाल पूछे। दरअसल, खड़गे ने कहा कि पीएम मोदी हमेशा चुनावी मोड में दिखाई देते हैं। इधर संसद चलती रहती है, उधर मेरे संसदीय क्षेत्र कलबुर्गी में गए हैं। अरे भई मेरा एक ही एक संसदीय क्षेत्र मिल रहा है आपको। और एक संसदीय क्षेत्र में दो-दो मीटिंग। खड़गे के इतना कहते ही सदन में ठहाके गूंज उठे। पीएम मोदी भी खिलखिलाकर हंस पड़े। इसके कुछ देर बाद खड़गे अडाणी पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा किस तरह से एक आदमी 12 लाख करोड़ पर कब्जा करके बैठा है। जेपीसी बनाइए और अगर ये घोटाला करने वाले हरिश्चंद्र निकले, पाक-साफ निकले तो हम इन्हें माला पहनाएंगे। खड़गे ने फौरन टोका और कहा- जेपीसी बने। सभापतिजी बहुत अच्छे एडवोकेट हैं। आपकी कुछ बातें बताऊं। आपने मुझसे कहा था कि शुरू-शुरू में मैं हाथ से पैसे गिनता था। फिर मशीन से पैसे गिनने शुरू कर दिए। खड़गे ने कहा कि कहीं क्रिश्चियन का धार्मिक स्थल, उस पर निगाहें हैं। शेड्यूल कास्ट मंदिर गया तो उसे मारते हैं, सुनवाई नहीं होती। शेड्यूल कास्ट को हिंदू मानते हैं ना, तो उसे मंदिर में क्यों नहीं जाने देते। उसके घर जाकर खाना खाकर मंत्री फोटो शेयर -शेष पृष्ठ दो पर

राज्यों को 33 प्रतिशत महिला पुलिस कर्मियों की नियुक्ति के निर्देश

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बताया कि राज्यों से विभिन्न दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि पुलिस बल में महिलाओं को प्रतिनिधित्व 33 प्रतिशत तक बढ़ाएं। सरकार ने राज्यसभा को बताया कि फिलहाल एक जनवरी, 2022 तक महिला पुलिस कर्मियों का वास्तविक भागीदारी 11.75 प्रतिशत ही है। विभिन्न राज्य सरकारों को महिला पुलिस का प्रतिनिधित्व बढ़ाने को कहा गया। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को एक सवाल के लिखित जवाब में कहा कि विभिन्न अवसरों पर 22 अप्रैल, 2013 से लेकर 13 अप्रैल, 2022 तक विभिन्न राज्य सरकारों को महिला पुलिस का प्रतिनिधित्व बढ़ाने को कहा गया है। केंद्र सरकार चाहती है कि सभी राज्य सरकारें महिला पुलिस की भागीदारी बढ़ाकर 33 प्रतिशत कर दें। उन्होंने बताया कि ब्यूरो आफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलेपमेंट (बीपीआरएंडडी) के आंकड़ों के अनुसार एक जनवरी, 2022 तक भारत में सभी स्तरों पर महिला पुलिस कर्मियों की भागीदारी 11.75 प्रतिशत ही है। लद्दाख में महिला पुलिस कर्मियों का सर्वाधिक भागीदारी (28.3 प्रतिशत) है। इसके बाद आंध्र प्रदेश (21.7 प्रतिशत), चंडीगढ़ (21.6 फीसद) और -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पूर्वोत्तर में 89 फीसदी कम हुई उग्रवाद की घटनाएं : अनुराग ठाकुर

गुवाहाटी (विभास)। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को कहा कि पिछले आठ वर्षों के दौरान पूर्वोत्तर में उग्रवादी घटनाओं में 89 प्रतिशत की कमी और नागरिकों की मौत के मामलों में 85 प्रतिशत की कमी आई है. यहां तीन दिवसीय वाई-20 सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री ने कहा कि क्षेत्र में शांति लौट आई है और वर्तमान में कई विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर और पूर्वोत्तर में शांति लौट आई है. पूर्वोत्तर के मामले में, पिछले आठ वर्षों के दौरान उग्रवाद की घटनाओं में 89 प्रतिशत की कमी और नागरिकों की मृत्यु में 85 प्रतिशत की कमी आई है। ठाकुर ने कहा कि क्षेत्र की कानून व्यवस्था की स्थिति में धीरे-धीरे सुधार के साथ, कड़े सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम, 1958 (आफस्पा) को पूर्वोत्तर के अधिकांश हिस्सों से वापस ले लिया गया है. जम्मू कश्मीर के मामले में उन्होंने कहा कि सरकार ने जिला विकास समितियों का गठन किया, जो भारत की आजादी के बाद से कभी नहीं किया गया। मंत्री ने कहा कि हमें घाटी के स्थानीय लोगों से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। विकास कार्यों में लोगों की भागीदारी से शांति संभव है। भारत की जी-20 की अध्यक्षता के तहत यूथ-20 समूह की पहली प्रारंभिक बैठक गुवाहाटी में आयोजित की गई, जिसमें बेहतर कल के लिए विचारों पर विचार-विमर्श किया गया और पांच चिह्नित विषयों पर कार्रवाई के लिए एक एजेंडा तैयार किया गया। ठाकुर ने कहा कि बैठक के दौरान, 21 विदेशी प्रतिनिधियों और 200 भारतीय प्रतिनिधियों ने भाग लिया। आयोजन के तहत असम के 36 कॉलेज में 10,000 युवाओं ने वाई-20 पर सेमिनार, वाद-विवाद, कार्यशाला और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं में भाग लिया। लगभग 4,000 स्कूल के 10 लाख से अधिक छात्रों ने

भी भाग लिया। उन्होंने दावा किया कि जी-20 के शेष 19 सदस्य देशों में कहीं और लोगों की भागीदारी इतनी बड़ी नहीं थी। समापन समारोह में, वाई-20 के पांच विषयों पर श्वेत पत्र ठाकुर ने जारी किया, जबकि असम के शिक्षा मंत्री रानोज पेगू ने पांच विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत किए।

आप कितना भी गुमराह कर लें, देश मोदी के साथ है : कानून मंत्री रिजिजू

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने बुधवार को लोकसभा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर झूठ बोलने का आरोप लगाया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच और समर्पण का भाव *गंगा नदी की तरह पवित्र* है। उन्होंने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लोकसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में हस्तक्षेप करते हुए कहा कि विपक्ष कितना गुमराह कर ले, लेकिन देश प्रधानमंत्री मोदी के साथ है। कानून मंत्री रीजीजू ने कहा कि अफसोस की बात है कि कांग्रेस के नेता और कुछ सदस्यों ने ऐसी बातों का जिक्र किया जिसका अभिभाषण से कोई लेनादेना नहीं है। उनका कहना था कि सदन नियम से चलता है और इसकी एक परंपरा है। राहुल गांधी 2004 से इस सदन में हैं। उम्मीद कर रहा था कि राहुल जी अनुभवी होंगे, बहुत कुछ सीखें होंगे...जब सदन का दुरुपयोग होता है तो दुख होता है। राहुल गांधी पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि यात्रा करने के बाद अच्छी बातें बतानी चाहिए थी। नकारात्मक बातें की गईं जिससे देश और सदन का कोई लाभ नहीं होगा। केंद्रीय कानून मंत्री ने कहा कि इसमें कोई मतभेद नहीं है कि 2014 तक रोजाना घोटाले और भ्रष्टाचार की बात सामने आती थी। लोगों का नेताओं और सरकार पर विश्वास कम हो गया था। नरेंद्र मोदी जी ने यह विश्वास फिर से कायम किया है। उन्होंने कहा कि जैसे गंगा नदी पवित्र है, प्रधानमंत्री जी की सोच और समर्पण भाव उसी तरह पवित्र है। रीजीजू ने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में चौकीदार चोर है का नारा दिया गया तो जनता ने करारा जवाब दिया। मुझे लगा कि वह सीख लेंगे। फिर उससे बड़ी गलती कर रहे हैं। जनता पहले से भी ज्यादा बड़ा जवाब देगी। उन्होंने कहा कि सदन में झूठ बोलने के लिए राहुल गांधी जी पर किसने दबाव बनाया? देश को समस्या नहीं है, समस्या इनको है। मंत्री ने राहुल के एक बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी देश के काम के लिए विदेश जाते हैं। वह छुट्टियां मनाने नहीं जाते। हम जानते हैं कि राहुल गांधी किस लिए विदेश जाते हैं। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान की भाषा और कांग्रेस की भाषा में हमेशा क्यों तालमेल होता है? आप ऐसी भाषा क्यों बोलते हैं जिससे देश को नुकसान होता है। सदन में राहुल गांधी द्वारा एक तस्वीर दिखाये जाने के जवाब में रीजीजू ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की गौतम अडाणी के साथ एक तस्वीर भी सदन में दिखाई।

असम के 25 चाय बागानों के श्रमिकों को 650 करोड़ भुगतान करने का निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने असम राज्य में 25 चाय बागानों के 28,556 श्रमिकों को बकाया 650 करोड़ रुपए का भुगतान करने का निर्देश दिया। इनमें असम सरकार के स्वामित्व वाली असम टी कंपनी लिमिटेड (एटीसीएल) के स्वामित्व वाले 15 बागान शामिल हैं।जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस सीटी रविकुमार की खंडपीठ ने सेवानिवृत्त जस्टिस अभय मनोहर सप्रे द्वारा असम राज्य के संबंध में चाय बागान श्रमिकों को उचित देय राशि देने के मामले में प्रस्तुत रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया। हम असम सरकार के एटीसीएल द्वारा संचालित चाय बागानों के श्रमिकों, सार्वजनिक कर्मचारियों और उप कर्मचारियों को देय राशि और असम राज्य में निजी चाय बागानों के लिए जस्टिस सप्रे की समिति द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट को स्वीकार करते हैं। हम निर्देश देते हैं कि समिति की रिपोर्ट के अनुसार देय राशि का भुगतान संबंधित कर्मचारियों को समिति द्वारा निर्धारित समय के भीतर किया जाना चाहिए।सुप्रीम कोर्ट ने अपने 10 जनवरी, 2020 के आदेश के माध्यम से चाय बागान श्रमिकों के बकाये की ठीक से गणना और भुगतान सुनिश्चित करने के लिए न्यायमूर्ति सप्रे समिति का गठन किया था। समिति ने अपनी रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला कि लगभग 414.7 करोड़ रुपए असम राज्य में 25 चाय बागानों के 28,556 श्रमिकों को देय विभिन्न बकाये की कुल राशि है और लगभग 230.7 करोड़ रुपए भविष्य निधि विभाग को देय कुल राशि है।सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में 99 करोड़ रुपये के अंतरिम भुगतान के रूप में भुगतान करने का निर्देश दिया था। राज्य सरकार ने संबंधित श्रमिकों को भुगतान किया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य अब इस राशि को एटीसीएल से वसूल कर सकता है। हालांकि, असम राज्य की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट संजीत कुमार ने 7वें वेतन आयोग की सिफारिश के संबंध में देय राशि और रिपोर्ट पर आपत्ति जताई।हालांकि, समिति की ओर से पेश वकील गौरव अग्रवाल ने बताया कि 19 मई, 2022 के अपने पहले के आदेश में, इसने विशेष रूप से 7वें वेतन आयोग की सिफारिश के अनुसार देयता के बकाया के समान मुद्दे से निपटा था।सुनवाई के दौरान कुमार ने मामले में हलफनामा दायर करने के लिए एक सप्ताह और समय मांगा। पीठ ने कहा कि पहले जब मामला उठाया गया था, तो इसने राज्य के अनुरोध पर एक सप्ताह के लिए मामला स्थगित कर दिया था।कुमार ने तब तर्क दिया कि असम राज्य ने एटीसीएल के कर्मचारियों के बकाया की गणना में 7वें वेतन आयोग की सिफारिश के आवेदन पर आपत्ति जताई थी।समिति ने कहा कि 7वें वेतन आयोग के अनुसार लंबित बकायों को कम्प्यूट करना होगा- इसमें कर्मचारी, कर्मचारी और उप कर्मचारी सभी शामिल हैं।उन्होंने तर्क दिया कि जहां तक स्टाफ और सब स्टाफ का सवाल है तो उन्हें 7वें वेतन आयोग का लाभ नहीं दिया जा सकता क्योंकि वे पूरी तरह से एक अलग वर्ग हैं। असम में विभिन्न सार्वजनिक उपक्रमों में, कर्मचारी और उप कर्मचारी हैं। अगर कर्मचारियों और उप कर्मचारियों (चाय बागानों में) को 7वें वेतन आयोग का लाभ दिया जाता है, तो अन्य पीएसयू में कर्मचारियों और उप कर्मचारियों के लिए भी ऐसा ही करना होगा। कुछ वित्तीय अनुशासन हैं जिन्हें राज्य को बनाए रखना है। इसलिए, अगर इस रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया जाता है, तो यह राज्य पर एक बड़ा बोझ होगा।अग्रवाल ने अदालत को बताया कि इस आपत्ति को समिति ने एक तर्कपूर्ण आदेश में पहले ही निपटा दिया था, जिसमें बताया गया था कि 7वां वेतन आयोग क्यों लागू होगा।सुप्रीम कोर्ट ने पार्टियों को समिति से संपर्क करने की अनुमति दी और उसने आदेश दिया कि अनुरोधों पर विचार किया जाए।जहां तक केरल और तमिलनाडु के अन्य चाय बागानों से संबंधित रिपोर्टों की बात है, तो मामला 20 मार्च को आएगा।अग्रवाल ने कहा कि केरल के चाय बागानों से संबंधित समिति की रिपोर्ट एक महीने में पूरी हो जाएगी।2020 में, सुप्रीम कोर्ट ने चार राज्यों को चाय बागान के उन श्रमिकों के लिए 127 करोड़ रुपये का अंतरिम भुगतान करने का निर्देश दिया था जिनका कानूनी बकाया 15 वर्षों से अधिक समय से बकाया है। न्यायालय ने अवमानना याचिका में भुगतान करने के लिए असम, केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल राज्यों को निर्देश दिया।याचिकाकर्ता यूनियनों का प्रतिनिधित्व सीनियर एडवोकेट कॉलिन गोंजाल्विस, एडवोकेट मुग्धा और एडवोकेट पूरबयन चक्रवर्ती ने किया।

सुप्रीम कोर्ट ने गलत हेयर कट पर मुआवजा रोका

नई दिल्ली। कोर्ट ने कहा कि एनसीडीआर ने मुआवजा तय करने से पहले कोई सबूत नहीं देखा, इसलिए नए सिरे से विचार करें। जस्टिस अनिरुद्ध बोस और जस्टिस विक्रम नाथ की बेंच ने कहा कि हर्जाना पीड़ित के दावे के आधार पर नहीं ब्लकि सबूतों के आधार पर तय होना चाहिए। मुआवजा किस आधार पर और कितना होगा। ये एनसीडीआर तय करे। दरअसल मामला अप्रैल 2018 का था जिस पर कोर्ट ने 21 सितंबर को फैसला दिया था। द्धझष्ट मौर्य होटल ने आशना रॉय नाम की मॉडल के लंबे बाल काट दिए और गलत हेयर ट्रीटमेंट दिया। जिसकी वजह से उसे बड़ा नुकसान हुआ। उसकी लाइफस्टाइल बदल गई और टॉप मॉडल बनने का उसका सपना टूट गया। होटल पर सिर्फ महिला के बाल काटने का ही नहीं, बल्कि हेयर ट्रीटमेंट में मेडिकल लापरवाही करने का भी आरोप लगा। आशना का स्कैल्प जल गया, जिसमें लम्बे समय तक एलर्जी और इचिंग रही। आशना ने जो वॉट्सऐप चैट दिया उससे यह साफ हुआ कि होटल ने अपनी गलती मानी थी और फ्री ट्रीटमेंट देने की पेशकश करके अपनी गलती छुपाने की कोशिश भी की थी।

RE-TENDER NOTICE

Name of the work	**Annual Maintenance at State War Memorial, Dighalipukhuri**. Painting of Walls of Artifacts, Artifacts and Medals.
Location of the workplace	Dighalipukhuri, Guwahati.
Name of Authority	Directorate of Sainik welfare, Assam
Eligibility of Agency / Sculptures/Painters	An agency having experience in construction/maintenance of statue, denting/painting works.

1. Sealed Quotation is invited from Govt Contractor/Agency/Painters for execution of above maintenance works.
2. The sealed quotation must reach the undersigned by 5.00 pm on 18 Feb 2023.
3. Intending tenderer (s) shall submit Quotations in the Tender Box kept in the office of the Directorate of Sainik Welfare, House No.74, Sainik Bhawan, Lachit Nagar, Guwahati-07.
4. Agency / Sculptures / Painters can survey locations and details of works at War Memorial, Dighalipukhuri before submitting their quotations.
5. Date of opening of Quotations on 20 Feb 2023 at 1100 AM.

Sd/-

Director
Directorate of Sainik Welfare, Assam
Guwahati – 07.

-- Janasanyog /C/19619/22

पृष्ठ एक का शेष

ईडी की वजह ...

बन गई है। ऊर्जा का देश के विकास में अपना एक महत्व होता है। भारत की ऊर्जा शक्ति के उभार की दिशा में चर्चा की जरूरत थी। इस सदी के दूसरे दशक में भारत की चर्चा ब्लैकआउट के नाम पर हुई। पूरी दुनिया में ब्लैकआउट चर्चा में आ गया। कोयला घोटाला चर्चा में आ गया। लोकतंत्र में आलोचना का बहुत महत्व है। सदियों से लोकतंत्र हमारी रगों में पनपा हुआ है। आलोचना लोकतंत्र की मजबूती के लिए, लोकतंत्र की आत्मा के लिए आलोचना एक शुद्धि यज्ञ है। बहुत दिनों से इंतजार कर रहा हूं कोई तो आलोचना करेगा, लेकिन आरोपों में 9 साल गंवा दिए। चुनाव हारने पर ईवीएम को दोष, चुनाव आयोग को गाली... क्या तरीका है। अगर भ्रष्टाचार की जांच हो रही है तो जांच एजेंसियों को गाली दो। अगर सेना पराक्रम करे तो सेना की आलोचना करो। कभी देश के विकास की चर्चा हो तो आरबीआई को गाली दो। पीएम मोदी ने कहा कि यहां कुछ लोगों को हार्वर्ड का क्रेज है। कोरोना काल में ऐसा ही कहा गया था कि भारत की बर्बादी पर हार्वर्ड में स्टडी होगी। कल फिर सदन में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की स्टडी की बात हुई, लेकिन बीते सालों में हार्वर्ड एक बढ़िया स्टडी हुई। मुझे विश्वास है कि भविष्य में कांग्रेस की बर्बादी पर हार्वर्ड ही नहीं बड़ी-बड़ी यूनिवर्सिटियों में भी स्टडी होनी है और कांग्रेस को डुबाने वाले लोगों पर भी स्टडी होगी। 2014 से ये लगातार कोस रहे हैं कि भारत कमजोर हो रहा है। भारत की कोई सोन नहीं रहा है। भारत का कोई वजूद नहीं है। अब ये लोग कह रहे हैं कि भारत इतना मजबूत हो गया है कि दूसरे देशों को धमकाकर फैसले करवा रहा है। पहले ये तो तय करो कि भारत कमजोर हुआ या मजबूत हुआ है।

त्रिपुरा में 23 केंद्रों ...

फार्म संख्या-12 पर करीब 40 हजार आवेदन चुनाव कार्यालय में जमा किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि सीईओ कार्यालय शिशु बिहार स्कूल अगरतला में पोस्टल बैलेट के लिए 13 कमरे बनाने के अलावा राज्यभर में 23 स्थानों पर ऐसे केंद्र खोले गए हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने सभी प्रकार की सुविधाओं की व्यवस्था की है ताकि चुनाव कार्य में लगे सभी लोग अपने मतदान के अधिकार का प्रयोग कर सकें। मुख्य निर्वाचन अधिकारी किरेन ने कहा कि जिन लोगों ने अभी तक प्रपत्र 12 में अपना आवेदन जमा नहीं किया है, उनसे आह्वान किया कि वे जल्द से जल्द अपना आवेदन जमा करें। उन्होंने कहा कि पिछली बार हमने देखा कि कई अधिकारी समय पर वोट नहीं डाल पाए। बुधवार को जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के साथ उन्होंने पोस्टल बैलेट मतदान स्थल का दौरा किया। हमें उम्मीद है कि पोस्टल मतदान का पहला दिन है, लोग इसका लाभ उठाएंगे।

तुर्की में अब तक...

नागरिक को सड़क पर नहीं छोड़ेंगे। वैलेंटाइन स्पेशल- 14 फरवरी तक लाइव- इसे खास बनाने के लिए वन स्टॉप शॉप 7 तुर्किये और सीरिया में आए विनाशकारी भूकंप के बाद राहत एवं बचाव दल दिन रात हजारों इमारतों के मलबे के नीचे दबे लोगों की तलाश में दिन रात जुटे हैं। जापान में 2011 में आए भूकंप के बाद से यह सबसे घातक भूकंपीय घटना है। तब भूकंप के बाद सुनामी आई थी जिसमें लगभग 20,000 लोग मारे गए थे। सरकार से आपदा क्षेत्र में और मदद भेजने की मांग के बीच राष्ट्रपति एर्दोआन को बुधवार को भूकंप के केंद्र पजारसिक शहर और सबसे बुरी तरह प्रभावित हाते प्रांत की यात्रा करनी थी। तुर्किये के भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में अब लगभग 60,000 सहायता कर्मी हैं, लेकिन तबाही इतनी व्यापक है कि बहुत से लोगों को अब भी मदद पहुंचने का इंतजार है। दक्षिण-पूर्वी तुर्किये और उत्तरी सीरिया में 7.8 की तीव्रता वाले भूकंप के लगभग दो दिन बाद, बचाव दल ने तीन वर्षीय एक बच्चे आरिफ कान को कहरामनमारस में एक ढह चुकी एक इमारत के मलबे के नीचे से निकाला। लड़के के पिता, एर्टुगरुल कीसी को राहतकर्मी पहले ही मलबे से सुरक्षित निकाल चुके थे। केसी मलबे से अपने बच्चे को सुरक्षित निकाल एंबुलेंस में ले जाते देख अपने आंसू रोक नहीं पाया। कुछ घंटों पहले, बचावकर्ताओं ने 10 वर्षीय बैतूल एडिस को अदियामन शहर में उसके घर के मलबे से निकाला। लोगों की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उसके दादा ने उसे चूमा और बड़े प्यार से उससे बात की। इसके बाद उसे एंबुलेंस से ले जाया गया। दो दर्जन से ज्यादा देशों के राहत दल तुर्किये के आपातकालीन कर्मियों के साथ काम कर रहे हैं तथा दुनिया के विभिन्न हिस्सों से राहत सामग्री का आना भी जारी है। एर्दोआन ने कहा कि देश के 8.5 करोड़ लोगों में से 1.3 करोड़ लोग प्रभावित हुए हैं और उन्होंने 10 प्रांतों में आपातकाल घोषित कर दिया है।

क्या देश में सरकारी ...

दिसंबर 2020 के दौरान छह राज्यों में 14 जिलों के शहरी क्षेत्रों में रहने वाले 2301 लोगों का 'सीरो सर्वे' (एंटी बॉडी जांच) किया था। रिसर्च टीम का कहना है कि इस स्टडी का सबसे चौंका देने वाला पहलू यह है कि भारत की आबादी के बड़े हिस्से को कोविड संक्रमण के लक्षण नहीं हुए और 26-35 आयु समूह में ज्यादातर मामले ऐसे थे, जिन्हें संक्रमण का कोई लक्षण नहीं था। उन्होंने बताया कि कोरोना वायरस की किसी भी लहर के बाद लोगों की *एंटीबॉडी* जांच से संक्रमण के वास्तविक मामलों का सटीक मूल्यांकन किया जाता है। टीम ने भारत के 14 जिलों के शहरी क्षेत्रों में रहने वाले ऐसे लोगों पर शोध किया, जिन्हें कोरोना वायरस का संक्रमण लगने का अधिक खतरा था, जैसे रेहड़ी-पटरी वाले। स्टडी टीम के बीएचयू के प्रज्वल प्रताप सिंह ने कहा कि एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में संक्रमित लोगों की संख्या का पता लगाने के लिए नया रूख अपनाया गया और सिर्फ उन लोगों के सैंपल लिये गए, जिन्होंने कहा था कि उनमें न तो कभी कोविड के लक्षण सामने आए, न आरटीपीसीआर जांच में वह संक्रमित पाए गए। छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले में सबसे कम लोगों (सिर्फ दो फीसदी लोगों) के शरीर में एंटीबॉडी मिली थी, जबकि उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में सबसे ज्यादा (47 प्रतिशत) लोगों के शरीर में एंटीबॉडी मिली। शोधार्थियों ने यह भी बताया कि सरकार की ओर से बताए गए मामलों की संख्या वास्तविक संख्या से काफी कम थी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, भारत में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 96 नए मामले आने के बाद देश में अभी तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4,46,83,639 हो गई है। वहीं उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 1,785 हो गई है।

आतंकियों की धमकी ...

आन-बान-शान से घूम सकते हैं। पिछली शताब्दी में मैं भी यात्रा लेकर कश्मीर गया था और आतंकियों ने पोस्टर लगाए थे कि कौन है ऐसा, जिसने मां का दूध पिया है, जो लाल चौक पर तिरंगा लहराएगा। उन्होंने कहा कि मैंने उस वर्ष 23 जनवरी को ऐलान किया था कि 26 जनवरी को ठीक 11 बजे मैं लाल चौक आऊंगा, बिना सुरक्षा और बुलेट प्रूफ जैकेट के आऊंगा और तिरंगा लहराऊंगा। उस वक्त जब मैंने तिरंगा फहराया तो मीडियाकर्मी सवाल पूछने लगे आम तौर पर 15 अगस्त और 26 जनवरी को जब भारत का तिरंगा लहराता है तो भारत के बारूद सलामी देते हैं। इस पर मैंने कहा था कि दुश्मन देश का बारूद भी सलामी दे रहा है, बम फोड़ रहा है, गोलियां चला रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आज शांति आई है। आप सैकड़ों की तादाद में आराम से जा सकते हैं। पर्यटन की दृष्टि से जम्मू-कश्मीर ने सारे रिकॉर्ड तोड़े हैं और वहां पर लोकतंत्र का उत्सव मनाया जा रहा है। वहां पर हर घर तिरंगा का सफल कार्यक्रम हुआ। इसी बीच उन्होंने कहा कि सदन में हंसी-मजाक, टीका-टिप्पणी, नोकझोंक होती रहती है, लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आज राष्ट्र के रूप में गौरवपूर्ण अवसर हमारे सामने खड़े हैं। गौरव के क्षण हम जी रहे हैं।

चंडीगढ़ में प्रदर्शनकारियों ...

हुए हैं। कुछ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है। माहौल बिगड़ता देख पुलिस के सीनियर अफसर मौके पर पहुंचे। चंडीगढ़ में धारा 144 लगा दी गई है। प्रदर्शनकारी अभी भी मोहाली में इकट्ठा हैं। वहीं चंडीगढ़ पुलिस भी हाई अलर्ट पर है। सजा पूरी कर चुके सिख कैदियों की रिहाई के लिए मोहाली में चंडीगढ़ बॉर्डर पर 7 जनवरी से प्रदर्शन चल रहा है। बुधवार को प्रदर्शनकारियों ने पंजाब के सीएम के घर कूच का ऐलान कर दिया। इसका पता चलते ही चंडीगढ़ और पंजाब पुलिस ने बैरिकेडिंग कर दी। प्रदर्शनकारी बैरिकेडिंग के पास आ गए। उन्होंने बैरिकेड हटाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने रोक दिया। जिसके बाद उन्होंने तलवार और डंडे निकाल लिए। पुलिस को पीछे धकेलते हुए वे चंडीगढ़ में घुसने की कोशिश करने लगे। यह देखकर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। लाठीचार्ज के बाद चंडीगढ़ पुलिस ने एक वीडियो जारी किया है। जिसमें मोहाली बॉर्डर पर निहंग पुलिस की गाड़ियों को टारगेट करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में वे तलवारें मारकर गाड़ियों को तोड़ते दिख रहे हैं। इस घटना में चंडीगढ़ पुलिस के कुछ जवान जख्मी हुए हैं। जिन्हें चंडीगढ़ के सेक्टर 16 अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अतिक्रमण विरोधी अभियान ..

रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने रेलवे भवन से संसद तक मार्च निकालने की योजना बनाई थी। महबूबा ने कहा कि हम विपक्षी दलों और सत्तारूढ़ भाजपा को जम्मू-कश्मीर की जनता के दुखों के बारे में बताने के लिए आए हैं। अगर हम संसद नहीं जा सकते हैं, तो मुझे आश्चर्य है कि हमें कहां जाना चाहिए। क्या सरकार चाहती है कि हम संयुक्त राष्ट्र में अपनी शिकायतों का हल निकलवाएं। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में कानून का कोई राज नहीं है। हम अपने दिल की बात कहने के लिए दिल्ली आए थे, लेकिन ऐसा लगता है कि यहां भी आम जनता की आवाज दबा दी गई है। इससे पहले जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा था कि यह विध्वंस अभियान कश्मीर को फिलिस्तीन से भी बदतर स्थिति में बदल रहा है। केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर को अफगानिस्तान जैसा बनाना चाहती है। जम्मू-कश्मीर के 20 जिलों में अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया जा रहा है। कथित सरकारी जमीन को मुक्त कराने के लिए अब तक कई इमारतों पर बुलडोजर चलाया गया है। इसे लेकर स्थानीय लोगों का भी प्रदर्शन जारी है। इस पर मंगलवार को पीपुल्स कांफ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन ने कहा था- इस अभियान में धर्म देखकर लोगों के घरों पर बुलडोजर चलाए जा रहे हैं। जिन लोगों पर कार्रवाई हुई है, उनमें से 90-95 प्रतिशत लोग मुस्लिम हैं। पीपुल्स कांफ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन ने पीएम मोदी से जम्मू-कश्मीर में चल रहे अतिक्रमण विरोधी अभियान में हस्तक्षेप करने की अपील की है। पीपुल्स कांफ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन ने पीएम मोदी से जम्मू-कश्मीर में चल रहे अतिक्रमण विरोधी अभियान में हस्तक्षेप करने की अपील की है। पीपुल्स कांफ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन ने कहा था कि एक साजिश के तहत मुस्लिमों को निशाना बनाया जा रहा है, ताकि यह साबित किया जा सके कि मुस्लिम प्रशासन के खिलाफ काम करते हैं। बीते सप्ताह प्रशासन की कार्रवाई के दौरान पथराव हुआ था, जिसके बाद पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है और चार लोग हिरासत में लिए गए हैं। जम्मू के मलिक बाजार में अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान पथराव हो गया था। स्थानीय प्रशासन जम्मू में अवैध संपत्ति पर बुलडोजर चला रहा था तभी लोग नाराज हो गए और उन्होने अतिक्रमण हटा रहे लोगों पर पत्थर फेंकना शुरू कर दिया।

रास में धनखड़ और ...

करते हैं। जब धर्म एक है तो उसे मंदिर में क्यों नहीं जाने देते हो। एक तरफ वो हमारे साथ भी नफरत करते हैं। धर्म-जाति-भाषा के नाम पर नफरत कर रहे हैं। नफरत छोड़ो और भारत को जोड़ो। राष्ट्रपति राधाकृष्णन ने कहा था कि हिंदू हो या मुसलमान, राजा हो या किसान...सबका सम्मान करना चाहिए। अगर पब्लिक सेक्टर जिंदा होते तो उसमें रिजर्वेशन होता, नौकरियां होतीं। बीएसएनएल होता, या ऐसे पब्लिक सेक्टर होते तो 30 लाख रोजगार होता और 15 लाख रिजर्वेशन मिलता। 10 फीसदी इकोनॉमिकली वीकर सेक्शन को मिलता। सब प्राईवेट कर दे रहे हैं। जो रोजगार था, वो खत्म कर दे रहे हैं। आप तो गरीबों की बात करते हैं ना, आप पब्लिक सेक्टर क्यों खत्म कर रहे हैं। 10 लाख रोजगार यहां पर हैं। अडाणी को 82 हजार करोड़ दे दिए और उसके पास 20 हजार लोग काम करते हैं। आप लोगों की सरकार नहीं बनती तो ईडी और सीबीआई लगा देते हैं। तोड़फोड़ करके सरकार बनाते हैं। एक-दो सरकार कम बनी तो क्या होगा। कहीं ना कभी चाबी फिराकर आप लोगों को पार्टी में ले आते हो। कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, मणिपुर और गोवा की सरकार। कितने सबूत हैं। मोदी-शाह ने एक वॉशिंग मशीन खरीदी है। जो भी श्वष्ठ-इनकमटैक्स केस वाले लोगों को अपनी पार्टी में लेते हैं और वॉशिंग मशीन में डाल देते हैं, वो क्लीन होकर निकलते हैं। सत्र के दौरान मल्लिकार्जुन खड़गे के भाषण के बाद सभापति जगदीप धनखड़ ने गालिब का शेर पड़ा। उन्होंने पढ़ा कि- खड़गे जी से प्रेरणा मिल गई। शायर जाग गया। उम्र भर गालिब यही भूल करता रहा, धूल चेहरे पर थी आइना साफ करता रहा। ऑथेंटिकेशन की जो बात कही है वो इसलिए कहा कि न खाता-न बही, जो मैं कहूं, वही सही। यह मैं नहीं होने दे सकता। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आरोपों पर सभापति जगदीप धनखड़ ने उन्हें अथॉन्टिकेटेड एलिगेशन्स पर कायम रहने की सलाह दी। सदन में बहस के दौरान पहली बार चर्चा में आई इस टर्म के इस्तेमाल को लेकर बाकायदा नियम-कायदे मौजूद हैं। किसी भी सदस्य के खिलाफ मानहानि के आरोप लगाने से पहले राज्यसभा के चेययरमैन को सूचना देनी होगी। साथ उस मेंबर और आरोपों से संबंधित विभाग के मंत्री को भी पहले सूचना देनी होगी। ऐसा इसलिए, ताकि आरोपों का जवाब देने के लिए वह पूरे मामले की जांच कर सकें। इस मामले में अगर चेयरमैन को ऐसा लगता है कि आरोपों से किसी सदस्य के सम्मान को ठेस पहुंचती है या ऐसे आरोपों से जनहित का कोई मामला नहीं जुड़ा है, तो चेयरमैन किसी भी सदस्य को ऐसे आरोप लगाने से रोक भी सकते हैं। राहुल गांधी ने मंगलवार को गौतम अडाणी और हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर सरकार और पीएम मोदी से सवाल पूछे। राहुल ने कहा कि 2014 में गौतम अडाणी दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 609वें नंबर पर थे। कुछ ही साल में न जाने क्या जादू हो गया, अडाणी इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गए। इस पर कांग्रेस सांसदों ने नारा लगाया मोदी है तो मुमकिन है।

राज्यों को 33 प्रतिशत...

बिहार (21.2 प्रतिशत) पर है। जिन राज्यों में महिला पुलिस कर्मी बहुत कम हैं, उनमें जम्मू-कश्मीर (3.2 प्रतिशत), त्रिपुरा (5.29 फीसद) और मेघालय (5.9 प्रतिशत) है। गृह राज्य मंत्री राय ने बताया कि जम्मू और कश्मीर में वर्ष 2022 में सुरक्षा बलों के आतंक रोधी 111 अभियानों में कुल 187 आतंकी मारे गए हैं। आतंकी घटनाओं में 117 मुठभेड़ों हुई हैं। भाजपा सदस्य सुशील कुमार मोदी के पूछे सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने बताया कि वर्ष 2021 में 100 मुठभेड़ों में 129 आतंकियों की धरपकड़ की गई।

मेघालय : टीएमसी ...

कारण यह था कि जब हबीबुर जमां और उनके समर्थक गांव से गुजर रहे थे, कुछ टीएमसी समर्थकों ने उनके वाहन को टक्कर मार दी, जिससे हाथापाई हुई। नोजिम हुसैन नाम के एक व्यक्ति ने यह आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज की है कि हबीबुर जमान (एनपीपी) के नेतृत्व में एक जुलूस उनके घर के पास रुका और उनके घर पर पथराव किया, जिससे चार लोग घायल हो गए।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **अष्टम अध्याय**

(योगाभ्यास)

गुरु विधान गुरु युक्ति से, अष्ट चक्र फहराय।
योग कला परवीन है, योगी शब्द समाय।। 27।।

शब्दार्थ : (गुरु विधान) सद्गुरु का बतलाया हुआ नियम (गुरु युक्ति) सद्गुरु का उपाय (अष्ट चक्र) आठ चक्र (परवीन) जानने वाला वेत्ता (शब्द) परम पुरुष (समाय) प्रवेश।

भाष्य : योगविद्या की कला को जानने वाला योगी सद्गुरु नियमानुसार उसकी युक्ति से आठ चक्रों को प्रफुल्लित कर शब्द-महामण्डल में प्रवेश करता है।

मन व पवन को पकड़ कर, योग युक्ति से बाँध।
चेतन चेतन योग है, सुरति निरति रत साध।। 28।।

शब्दार्थ : (योग युक्ति) योग का ढंग (चेतन) जीवात्मा (चेतन) परमात्मा (साध) प्रयत्न।

भाष्य : योग के उपाय से मन तथा पवन को पकड़ कर बाँधे अर्थात् स्थिर करें और सुरति-निरति से युक्त हो कर प्रयत्न करें, तब आत्मा और परब्रह्म का सम्बन्ध होगा। जीव और ब्रह्म का सम्बन्ध सद्गुरु के विहंगम मार्ग द्वारा होता है।

पूर्वोत्तर सूचना आयुक्तों के सम्मेलन में बोले असम विस अध्यक्ष

कुछ आरटीआई कार्यकर्ता अपने अधिकारों का कर रहे दुरुपयोग

गुवाहाटी (विभास)। असम विधानसभा के अध्यक्ष बिस्वजीत दैमारी ने बुधवार को दावा किया कि कुछ आरटीआई कार्यकर्ता अपने अधिकारों का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अपने निजी फायदे के लिए आरटीआई कार्यकर्ता ऐसा करते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ कार्यकर्ता तो याचिका दायर करने के लिए लोगों से पैसे तक लेते हैं। उन्होंने पूर्वोत्तर सूचना आयुक्तों के सम्मेलन में यह बात कही। बिस्वजीत दैमारी ने कहा कि सूचना आयुक्तों पर कई अनावश्यक याचिकाओं का बोझ है, जिसके कारण मांगी गई जानकारी प्रदान करने में देरी होती है। कुछ लोग अपना व्यवसाय चलाने के लिए अधिनियम का दुरुपयोग कर रहे हैं। उन्होंने सूचना

आयुक्तों से जनता के बीच जागरूकता फैलाने करने का आह्वान किया कि वे किस तरह की जानकारी मांग सकते हैं और ऐसा करने की प्रक्रिया स्वयं ही कर सकते हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि आरटीआई अधिनियम आम लोगों को सार्वजनिक प्राधिकरणों के पास उपलब्ध सूचनाओं तक पहुंचने का अधिकार देता है, लेकिन कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जो अधिनियम के दायरे में नहीं आते हैं और लोगों को इसके बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। दैमारी ने कहा कि अगर सुचारू उपयोग के लिए परिवर्तन की जरूरत पड़ती है, तो राष्ट्रीय सूचना आयोग को सूचित किया जा सकता है। आवश्यकता पड़ने पर संसद द्वारा संशोधन किया जा सकता है। उन्होंने असम सूचना आयोग की नई डिजाइन की गई वेबसाइट का भी उद्घाटन किया। असम सूचना आयोग और भारत में सूचना आयोगों के राष्ट्रीय संघ द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय और नागालैंड के सूचना आयुक्तों ने भाग लिया।

बाल विवाह पर जागरुकता सभा की

चिरांग (हि.स.)। चिरांग के बिजनी स्थित बांधव हायर सेकेंडरी स्कूल में बुधवार को बाल विवाह को लेकर एक जागरुकता सभा का आयोजन किया गया। बिजनी अनुमंडल प्रशासन की पहल एवं बिजनी बांधव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के सहयोग से स्मार्ट क्लासरूम में जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में बिजनी के उप जिलाधिकारी अभिषेक जैन, बिजनी के निर्वाचन पदाधिकारी मौसम प्रतिम नाथ, बिजनी बांधव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य मणिकांत बासुमतारी एवं विद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित थीं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा के विशेष निर्देश पर बीते 3 फरवरी से पूरे राज्य में बाल विवाह के विरूद्ध पुलिस ने अभियान आरंभ किया है। इस मामले में पुलिस ने राज्य के अलग-अलग थानों में चार से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। वहीं 23 सौ से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

बाल विवाह के विरुद्ध अभियान पर मुख्यमंत्री की अगप ने की प्रशंसा

होजाई (हि.स.)। असम सरकार में शामिल असम गण परिषद (अगप) ने बुधवार को राज्य में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा के बाल विवाह के विरुद्ध उठाए गए कठोर कदम की। अगप ने सरकार से गिरफ्तार किए गए गरीब पतियों को रिहा करने की अपील भी की। बुधवार को होजाई जिले के लमडिंग में आयोजित असम गण परिषद की लमडिंग इकाई के अध्यक्ष मंतोष पॉल ने एक पत्रकार वार्ता में मुख्यमंत्री की ओर से बाल विवाह के खिलाफ की गई कार्रवाई का पूरा समर्थन किया। अध्यक्ष पॉल ने कहा कि समाज के लिए कुछ अच्छा काम करना एक या दो गलतियों होना स्वाभाविक है। उन गलतियों को अपने भीतर सुधारने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मैंने बाल विवाह के खिलाफ सरकार के अपनाए गए सख्त रुख में ढील देने का मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा से अनुरोध किया। उन्होंने गिरफ्तार कर जेल भेजे गए लोगों को एक बार चेतावनी देकर एक दिन के भीतर राहत देने की भी अपील की है। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से ज्यादातर लोग आर्थिक रूप से कमजोर हैं। जमानत के लिए गरीब परिवारों को वकीलों को पैसा देना पड़ेगा तो उन्हें अपना परिवार चलाना बहुत मुश्किल होगा। उनके परिवारों पर ऋण का बोझ आ जाएगा। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में यह भी कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा सरकार के हर काम का पूरा समर्थन करते हुए वे एक ईमानदार और कुशल नेता हैं।

पर्वतझोरा वन क्षेत्र के बसबारी से भारी मात्रा में साल की लकड़ी जब्त

कोकराझाड़ (हि.स.)। कोकराझाड़ जिला के पर्वतझोरा वन परिक्षेत्र के बासबारी में वन विभाग की छापेमारी में बड़ी मात्रा में साल की लकड़ी जब्त की गई है। वन क्षेत्र में पेड़ों की कटाई के दौरान ही बासबाड़ी वन विभाग ने अभियान चलाया, जिसकी जानकारी मिलते ही मौके से लकड़ी तस्कर फरार हो गए। इस बीच, स्थानीय ऑल असम कोच राजवंशी छात्र संस्था (आक्रासू) ने आरोप लगाया है कि वन विभाग के नेतृत्व में ही वनों की कटाई चल रही है। हालांकि, वन विभाग का कहना है कि इन आरोपों में सच्चाई नहीं है, बल्कि वन विभाग लकड़ी तस्करों के विरूद्ध जोरदार अभियान चला रहा है।

पूसीरे में भारतीय रेलवेज रेलभूमि क्रॉसिंग सेवा शुरू

गुवाहाटी (विभास)। पहली बार पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के अधीन तिनसुकिया मंडल ने 7 फरवरी को भारतीय रेलवेज रेल भूमि क्रॉसिंग सेवा (आईआर-आरबीसीएस) प्रणाली का उपयोग करके दो वे-लीव आवेदनों को मंजूरी दी है। शिमलगुड़ी-माहुतगांव और मेजेंगा-नामतिआलि अनुभागों में गैस व तेल पाइपलाइन के लिए असम गैस कंपनी लिमिटेड (एजीसीएल) ने दो वे-लीव आवेदन जमा किए गए थे। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने बुधवार को बताया है कि आईआरसीईपी पोर्टल पर भारतीय रेलवे की वे-लीव ईजमेंट राइट्स के लिए भारतीय रेलवेज रेल भूमि क्रॉसिंग सेवा (आईआर-आरबीसीएस) एक वेब आधारित एप्लिकेशन है। यह सुविधा पूरी तरह से डिजिटली वे-लीव आवेदनों और अनुमोदनों को फास्ट-ट्रैक करने के लिए प्रदान की गई है। जमीन की लीज या लाइसेंस प्रदान करने और वे लीव अनुमतियों के लिए आवेदन केवल संबंधित ऑनलाइन पोर्टलों पर जमा किया जाता है। सभी मामलों में अनुमोदन ऑनलाइन प्रदान किए जाते है। इस प्रणाली का उपयोग पूर्ण प्रामाणिकता और सत्यनिष्ठा के लिए डिजिटल हस्ताक्षर, डिजिटल भुगतान की अनुमति, वास्तविक समय की निगरानी, तत्काल अलर्ट एवं सूचनाओं का सृजन और सभी प्रकार के वे-लीव आवेदनों जैसे पाइपलाइन, पुलिया, केबल, पावरलाइन आदि के लिए किया जा सकता है। यह नीति पीएम गति शक्ति ढांचे के साथ संरेखित बुनियादी ढांचे के एकीकृत विकास को सक्षम बनाती है और रेल में अधिक कार्गो को आकर्षित करने के लिए, रेलवे भूमि को लीज, लाइसेंस और राइट ऑफ वे (आरओडब्ल्यू) पर देने के लिए मौजूदा नीति को सरल बनाया गया है। सभी सार्वजनिक सेवा उपयोगिताओं के लिए बुनियादी ढांचे यथा बिजली, गैस, जलापूर्ति, दूरसंचार केबल, सीवेज निष्कासन, नालियों, ऑप्टिकल फाइबर केबल्स (ओएफसी), पाइपलाइनों, सड़कों, फ्लाईओवरों, बस टर्मिनलों, क्षेत्रीय रेल परिवहन, शहरी परिवहन और ऐसे किसी भी अन्य बुनियादी ढांचे के लिए अनुमति प्रदान किए जाने की व्यवस्था है।

तृतीय श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए निर्देश जारी

गुवाहाटी (हि.स.)। राज्य के चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, स्वास्थ्य सेवा परिवार कल्याण, आयुष और संयुक्त तृतीय श्रेणी (गैर-तकनीकी) परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों के लिए जिला प्रशासन ने दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं। यह परीक्षा आगामी 12 फरवरी को आयोजित होगी। कामरूप (मेट्रो) जिला प्रशासन ने दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा है कि किसी भी उम्मीदवार को मोबाइल फोन या किसी भी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स के साथ परीक्षा हॉल में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।जिला प्रशासन ने कहा है कि किसी भी परीक्षार्थी के पास मोबाइल फोन या इलेक्ट्रिकल गैजेट पाया जाएगा तो उसे परीक्षा हॉल से निष्कासित कर दिया जाएगा। परीक्षा शुरू होने के निर्धारित समय से आधे घंटे पहले परीक्षा हॉल का गेट खोला जाएगा।

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन ने की वियतनाम-भारत अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और कार्यशाला की मेजबानी

गुवाहाटी। वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन ने 4 से 13 फरवरी, 2023 तक 12 वियतनामी और 17 भारतीय कलाकारों को एक साथ लाकर कैंपस में वियतनाम-भारत अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और कार्यशाला- व्यू : बियॉन्ड एंड बेनेथ आर्ट एक्सचेंज की मेजबानी की। कार्यशाला की तैयारी और संचालन प्रोफेसर राजन श्रीपाद फुलारी, प्राचार्य, स्कूल ऑफ विजुअल आर्ट्स, डब्ल्यूयूडी द्वारा किया गया। प्रसिद्ध कलाकारों और कला प्रेमियों की उपस्थिति में वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन कैंपस में यह कलाकार कार्यशाला सोमवार, 6 फरवरी, 2023 को शुरू हुई। वियतनाम-भारत अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और कार्यशाला- व्यू का उद्घाटन विश्व डिजाइन विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर (डॉ) संजय गुकि ने प्रख्यात वरिष्ठ कलाकारों दीपक शिंदे, यूसुफ, प्रेम सिंह और स्कूल ऑफ आर्ट एंड डिजाइन के डीन फान क्वान डुंग के साथ गुयेन डीएसी थाई, एसोसिएट डीन, वान लैंग विश्वविद्यालय, वियतनाम की उपस्थिति में किया। नई दिल्ली के होज खास में रविवार, 12 से 14 फरवरी, 2023 तक आयोजित होने वाले आर्ट कंसल्ट में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहकर डीसीएम, वियतनाम दूतावास के मंत्री के सलाहकार डॉ. दो थान हाई सभी कलाकारों और वरिष्ठ प्रोफेसरों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों की प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। माननीय कुलपति, वर्ल्ड युनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन, सोनीपत, प्रोफेसर (डॉ.) संजय गुकि ने कहा कि नवंबर 2022 में वियतनाम में वान लैंग विश्वविद्यालय में व्यू के पहले अध्याय के सफल समापन के बाद, दोनों विश्वविद्यालय कला और डिजाइन को बढ़ावा देने के लिए लक्ष और उद्देश्य के साथ एक बार फिर एक साथ आ रहे हैं जो दोनों देशों की सांस्कृतिक विरासत का एक अभिन्न अंग है। यह आयोजन दोनों देशों के कलाकारों के साथ-साथ दोनों विश्वविद्यालयों के संकाय सदस्यों और शिक्षाविदों को एक साथ लाने के लिए डिजाइन किया गया है ताकि ललित कला में रचनात्मकता और नवाचार पर प्रकाश डाला जा सके। यह आयोजन जाने-माने पेंटर और केकयेलम फाउंडेशन के निदेशक विनय वर्गीस की देखरेख में हो रहा हैं।

गोलाघाट में गैंडे की मौत की जांच शुरू की

गोलाघाट (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा के हस्तक्षेप के बाद गोलाघाट में गैंडे की मौत मामले की जांच प्रक्रिया तेजी से चल रही है। पुलिस और वन विभाग प्रत्येक उस क्षेत्र में अलग-अलग जांच कर रहा है, जहां गैंडा घूम रहा था। असम पुलिस के महानिरीक्षक देबज्योति मुखर्जी और वन संरक्षक बैशाब सिंह माथुर के नेतृत्व में जांच के बाद ही पूरी जानकारी सामने आएगी। मुख्यमंत्री के आदेश के बाद गोलाघाट में गैंडे की मौत की जांच अलग-अलग क्षेत्रों में चल रही है। असम के पुलिस महानिरीक्षक देबज्योति मुखर्जी और वन संरक्षक बैशाब सिंह माथुर मुख्यमंत्री के आदेश के बाद गोलाघाट में पहुंच गए हैं। इस बीच, पुलिस और वन विभाग दोनों की टीमों ने अलग-अलग उन स्थानों का दौरा किया है जहां गैंडा घूम रहा था और जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वन विभाग के वन संरक्षक के अनुसार दो से तीन दिनों के भीतर वह उन स्थानों का दौरा करेंगे, जहां गैंडा घूम रहा था और विभाग की टीम के साथ विचारों का आदान-प्रदान करेंगे और एक रिपोर्ट तैयार करेंगे। दूसरी ओर गोलाघाट के पुलिस अधीक्षक ने इस संबंध में जांच प्रक्रिया शुरू होने का उल्लेख करते हुए कहा कि जांच प्रक्रिया के बाद ही पूरी घटना सामने आएगी। गैंडे की मौत के तुरंत बाद खुमटाई के विधायक मृणाल सैकिया ने गोलाघाट पुलिस प्रशासन को एक तरह से दोषी ठहराया था। पूरा मामला अब पूरी जांच के बाद ही सामने आएगा। गोलाघाट के पदुमनी में गैंडे की मौत पर खुमटाई निर्वाचन क्षेत्र के विधायक मृणाल सैकिया ने पूरी घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। विधायक के ट्वीट के बाद मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा ने पूरी घटना की जांच का आदेश दिया है।

संविधान की धारा 342 में संशोधन करने के लिए 12 को रैली

गुवाहाटी (हि.स.)। धर्मांतरण हमारे देश में एक ज्वलंत मुद्दा है और इस धर्मांतरण का सबसे पहला शिकार हमारे समाज के गरीब अनुसूचित आदिवासी होते हैं। उनकी गरीबी का लाभ उठाकर विभिन्न प्रकार के प्रलोभनों के साथ धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया उनकी जातीय भाषा, धर्म और संस्कृति के अस्तित्व के लिए एक गंभीर खतरा पैदा करती है। यह बातें बुधवार को गुवाहाटी प्रेस क्लब में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में आदिवासी धर्म, संस्कृति-सुरक्षा मंच के बिनुद कुंबांग, सह संयोजक जनजाति धर्म संस्कृति सुरक्षा मंच, असम प्रांत; मोंटूराम कोहराम- संयोजक, जनजाति धर्म संस्कृति सुरक्षा मंच, असम प्रांत; दीपक बासुमतारी-युबा प्रमुख, जनजाति धर्म संस्कृति सुरक्षा मंच, असम प्रांत ने कही। उन्होंने कहा कि धर्म परिवर्तन का अर्थ संस्कृति में परिवर्तन है। धर्म और संस्कृति के बिना एक राष्ट्र को कभी भी एक पूर्ण राष्ट्र के रूप में पहचाना या माना नहीं जा सकता है। धर्म परिवर्तन करते ही व्यक्ति ने सबसे पहले धार्मिक परंपराओं को बदला और धीरे-धीरे पूर्व के पारंपरिक रीति-रिवाजों को बदल दिया, जैसे कि शादी और मौत के समय किए जाने वाले अनुष्ठान, और अंत में सब कुछ त्याग दिया। यदि यह रूपांतरण प्रक्रिया इसी तरह जारी रही तो असम की जनजातियां जैसे बोडो, तिवा, कार्बी, दिमासा, गारो, राभा, मिसिंग आदि जल्द ही अपनी मूल (मूल) भाषा, धर्म, संस्कृति और पारंपरिक रीति-

रिवाजों को खो देंगी। मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि अपनी भाषा, धर्म, संस्कृति, पारंपरिक रीति-रिवाज व जाति की पहचान के प्रमुख तत्व हैं। धर्म बदलने का मतलब संस्कृति में बदलाव है। अगर धर्म खो जाता है, तो संस्कृति खो जाती है। धर्म संस्कृति के बिना एक जाति नहीं हो सकती है। जैसे ही धर्म बदलता है, संस्कृति बदल जाती है। एक जाति की अपनी भाषा, धर्म, संस्कृति और परंपरा को एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता है। मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि अनुसूचित जनजातियों की स्वदेशी भाषाओं, धर्मों, संस्कृति और पारंपरिक रीति-रिवाजों को संवैधानिक रूप से संरक्षित के संविधान में संशोधन करने की मांग को लेकर 12 फरवरी को 10 बजे गुवाहाटी के खानापाड़ा खेल मैदान में चलो दिसपुर नामक एक विशाल आदिवासी जन रैली का आयोजन किया गया है। उस रैली में असम के प्रत्येक जिलों से लगभग एक लाख अनुसूचित जाति लोग परंपरागत परिधान में शामिल होकर संविधान की धारा 342 दफा में संशोधन करने के लिए ज्ञापन पत्र पर हस्ताक्षर कर राष्ट्रपति मुख्यमंत्री को प्रेषित किया जाएगा।

सैमसंग गैलेक्सी एस23 सीरीज ने प्री-बुकिंग में बनाया रिकॉर्ड

गुवाहाटी। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग की नई लॉन्च की गई गैलेक्सी एस 23 सीरीज ने प्रि-बुकिंग का रिकॉर्ड बनाया है। पहले 24 घंटों में भारत में गैलेक्सी एस 23 सीरीज की 140,000 से ज्यादा यूनिटें प्रि-बुक की गई हैं, जो सैमसंग की फ्लैगशिप डिवाईसेज के लिए एक नया रिकॉर्ड है। सैमसंग ने 2 फरवरी को देश के ऑनलाईन एवं ऑफलाईन रिटेल स्टोर्स पर अपनी नई गैलेक्सी एस 23 सीरीज की प्रि-बुकिंग शुरू की थी। संदीप पोसवाल, महाप्रबंधक, मोबाइल व्यवसाय, सैमसंग इंडिया ने कहा कि गैलेक्सी एस 23 सीरीज ने एक पूरी पीढ़ी को पीछे छोड़ दिया है। इसमें सर्वश्रेष्ठ इनोवेशन प्रस्तुत किए गए हैं, जो पर्यावरण के अपने प्रभाव को भी काफी कम कर देंगे। पहले 24 घंटों में रिकॉर्ड स्तर पर की गई प्रि-बुकिंग गैलेक्सी एस 23 सीरीज की अत्याधुनिक कैमरा क्षमताओं, भविष्य के लिए तैयार मोबाईल गेमिंग अनुभव और ईको-फ्रेंडली सामग्री के लिए भारतीय उपभोक्ताओं के उत्साह को प्रदर्शित करती हैं। नई गैलेक्सी एस 23 सीरीज नोएडा की फैक्ट्री में बनाई जाएगी, जिससे भारत में निर्माण और वृद्धिके प्रति हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है।' गैलेक्सी एस 23 अल्ट्रा में एडैप्टिव पिक्सल के साथ ऑल-न्यू 200 मेगापिक्सल का सैंसर है, जो बेहतरीन डिटेल्स के साथ इमेज कैप्चर कर सकता है। सुपर क्वाड पिक्सल एएफ के साथ रियर कैमरा लक्ष्य पर 50 प्रतिशत ज्यादा तेजी से फोकस करता है। गैलेक्सी एस 23 सीरीज के फ्रंट कैमरा में ड्युअल पिक्सल ऑटो फोकस टेक्नॉलॉजी के साथ नाईटोग्राफी का फीचर दिया गया है, जो कम रोशनी में भी फ्रंट कैमरा से बेहतरीन इमेज प्राकि करने में मदद करता है।

उद्योग व शैक्षणिक जगत का सहयोग ही समय की मांग : डॉ. धानुका

गुवाहाटी। उत्तर गुवाहाटी स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), गुवाहाटी में मंगलवार को वाई-20 समिट का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। इस समिट में फ्यूचर ऑफ वर्क : इंडस्ट्री 4.0, इनोवेशन, एंड 21 सेंचुरी स्किल्स पर आयोजित इंसेप्शन मीटिंग में पैनेलिस्ट के रूप में असम के युवा उद्योगपति और जीआर धानुका ग्रुप के प्रबंध निदेशक डॉ. घनश्याम दास धानुका मौजूद थे। डॉ. धानुका ने उद्योग की उभरती प्रवृत्तियों और जरूरतों को पूरा करने के लिए उद्योग और शैक्षणिक जगत के बीच की खाई को पाटने के लिए अपने पाठ्यक्रम को अद्यतन करने हेतु शिक्षण संस्थानों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए असम सरकार एक विश्व स्तरीय विश्वविद्यालय के साथ आ रही है, जो विद्यार्थियों को नए युग के कौशल जैसे ब्लू अमोनिया, ग्रीन हाइड्रोजन, हेल्थकेयर, डिजिटल, क्लाउड, साइबर सुरक्षा और डेटा

प्रबंधन में प्रशिक्षण देने पर अपना ध्यान केंद्रित करेगी। डॉ. धानुका ने वर्तमान शिक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने और इसे उद्योग के लिए और अधिक तैयार करने के लिए कई प्रमुख पहलों की रूपरेखा साझा की। इनमें हाथों के कौशल और प्रौद्योगिकी सीखने की दिशा में एक रणनीतिक बदलाव को लागू करना, संस्थानों में बुनियादी ढांचे का विकास, गुणवत्ता आधारित कार्यक्रमों के माध्यम से संकाय की गुणवत्ता में सुधार, पाठ्यक्रम की पहचान और उन्नयन के लिए शिक्षा-उद्योग संबंधों को बढ़ावा देना, प्रारंभ में ही विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा से रू-ब-रू कराना तथा उद्योग में इंटर्नशिप को अनिवार्य बनाना आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन पहलों से संस्थान में समग्र सुधार होने की उम्मीद है। इसके परिणामस्वरूप विद्यार्थियों के प्लेसमेंट में वृद्धि, विश्वविद्यालय रैंकिंग में सुधार, संकाय अनुसंधान में सुधार और नवाचार के अवसर सहित उद्योग की भागीदारी के साथ नए क्षेत्रों में अकादमिक धाराओं का विस्तार होगा। अंत में, डॉ. धानुका ने इस बात पर जोर दिया कि उद्योग 4.0, कौशल और नवाचार को बढावा देने के लिए उद्योग व अकादमिक सहयोग पर प्राथमिक ध्यान होना चाहिए। इस मौके पर अन्य पैनलिस्ट के रूप में जीई एविएशन में मुख्य परामर्श अभियंता डी. उमा महेश्वर, मारुतड्रोनेटेक के संस्थापक और मुख्य नवप्रवर्तक प्रेम कुमार, आईआईटी, गुवाहाटी के प्रोफेसर (हाइड्रोजन) डॉ. पी मुथुकुमार मौजूद थे। वहीं मॉडरेटर के रूप में आईआईटी, गुवाहाटी में बायोसाइंसेस और बायोइंजीनियरिंग विभाग की प्रमुख प्रोफेसर डॉ. राखी चतुर्वेदी मौजूद थीं। इस सत्र में उपस्थित विद्यार्थियों के प्रश्नों का भी डॉ. धानुका सहित अन्य पैनेलिस्टों ने जवाब दिया।

मायुमं की कामाख्या शाखा ने ब्रह्मपुत्र कार्निवाल में लिया हिस्सा

गुवाहाटी (नसं)। गुवाहाटी से प्राय 25 किलोमीटर दूर आयोजित ब्रह्मपुत्र कार्निवाल में मारवाड़ी युवा मंच कामाख्या शाखा की सदस्याओं ने हिस्सा लेकर अपने सदस्याओं का मनोरंजन किया। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रेमलता सिंघानिया ने बताया कि 12 महीनों समाज सेवा के कार्य में लगी रहने वाली सदस्याओं के बीच आपसी मेलजोल व संपर्क को मजबूत करने के उद्देश्य से साल में एक आध बार सदस्याओं के लिए कुछ मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसी कड़ी में सदस्याओं का एक प्रतिनिधि मंडल ब्रह्मपुत्र कार्निवाल में हिस्सा लेकर वहां आयोजित विभिन्न तरह के खेलकूद व अन्य कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम की संयोजिका रिंकी रारा थी। इसके अलावा कार्यक्रम में शाखा सलहकर सुमन अग्रवाल, सचिव इंदु परीक,

कोषाध्यक्ष खुशबू वर्मा, पूर्व अध्यक्ष मंजू भजनका, मीना पोद्दार, सुमन अग्रवाल, उपाध्यक्ष योगिता अग्रवाल व कविता अग्रवाल, नीलम भजनका, किरण अग्रवाल, प्रिया भदानी व सदस्याओं के परिवार के भी सदस्य थे।

एफबीयू की स्थापना के मामले पर भाजपा ने मुख्यमंत्री पर हमला बोला

अजय त्यागी

नई दिल्ली। सीबीआई ने दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और अन्य के खिलाफ फीडबैक यूनिट के मामले में केस दर्ज करने के लिए दिल्ली के उपराज्यपाल से अनुमति मांगी है। अब इस मामले को लेकर भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने अरविंद केजरीवाल पर हमला बोला है। उन्होंने बुधवार को कहा कि दिल्ली सरकार 2015 में अपनी स्थापना से अराजकता से काम करती रही है और राजनीतिक विरोधियों के प्रति दूषित भाव से काम करती है। उनके दमन में विश्वास करती है। इसी उद्देश्य से 1 फरवरी 2016 को केजरीवाल सरकार ने फीडबैक यूनिट (एफबीयू) की स्थापना राजनीतिक विरोधियों, केन्द्रीय मंत्रियों, सांसदों, उपराज्यपाल कार्यालय, मीडिया हाउसों, प्रमुख व्यापारियों ही नहीं न्यायाधीशों तक पर नजर रखने के लिए की थी। उन्होंने मांग की हैं कि विज्ञापन घोटाले की ही तरह फीडबैक यूनिट घोटाले पर बर्बाद हुए सरकारी फंड की रिकवरी अरविंद केजरीवाल से व्यक्तिगत तौर पर हो। सचदेवा ने कहा की अपनी अराजक परिपाटी

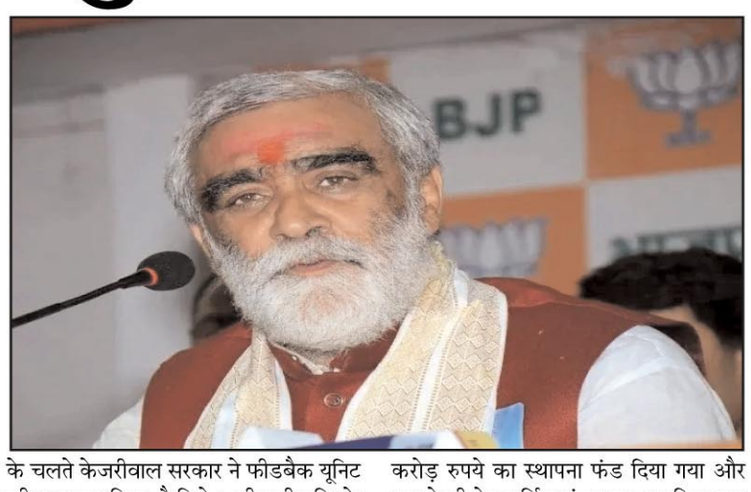

के चलते केजरीवाल सरकार ने फीडबैक यूनिट की स्थापना बिना कैबिनेट की स्वीकृति के आधार पर कर दी। इसमें बिहार पुलिस से लाए गए 17 पुलिस एवं अन्य कर्मी रखे गये। इनका मुखिया एक सेवानिवृत्त सीआईएसएफ का ड-ीआईजी को बनाया गया, जिनसे वरिष्ठ एक दर्जन अधिकारी एसीबी एवं सतर्कता विभाग में उपलब्ध थे। इस फीडबैक यूनिट को एक करोड़ रुपये का स्थापना फंड दिया गया और इसको सीक्रेट सर्विस फंड का नाम दिया गया जो अपने आप में हैरान करने वाला है। आखिर केजरीवाल को किसकी जांच करवानी थी, जिसके लिए गुप्त फंड बनाया गया। इस फंड से करोड़ों रुपये प्राइवेट जांच ऐजेंसियों को दिया गया, साथ ही मुखबिर खड़े करने के लिए भी रुपये दिया गया। उन्होंने कहा कि शुरू से ही दिल्ली सरकार के सतर्कता विभाग ने इस पर आपत्ति की थी, लेकिन सितंबर 2016 में जब अश्वनी कुमार सतर्कता निदेशक बने तो उन्होंने एफबीयू से काम का लेखा जोखा मांगा, पर वह अपने काम की कोई रिपोर्ट नहीं दे पाई। इससे पहले 5 अगस्त 2016 में दिल्ली हा-ईकोर्ट का आदेश आया था कि दिल्ली के सभी मामलों में उपराज्यपाल सर्वोच्च होंगे, तब केजरीवाल सरकार को एफबीयू स्थापना की फाइल तत्कालीन उपराज्यपाल नजीब जंग को भेजनी पड़ी। उपराज्यपाल ने सतर्कता विभाग के रहते ऐसी नई संस्था बनाने पर आपत्ति करते हुऐ न सिर्फ फाइल रिजेक्ट कर दी, बल्कि सीबीआई जांच के भी आदेश दिए। आगे सचदेवा ने कहा कि एफबीयू मामले में सीबीआई ने उपराज्यपाल से सरकार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की अनुमति मांगी है और दिल्ली भाजपा उपराज्यपाल से अविलंब इस संदर्भ में सीबीआई को प्राथमिकी दर्ज करने की अनुमति देने का निवेदन करती है। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली की जनता केजरीवाल सरकार से इस एफबीयू स्थापना को लेकर कुछ सवाल पूछना चाहती है।

भारत की उद्यमशीलता को कमजोर करना राहुल गांधी की फितरत : रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने बुधवार को लोकसभा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पिछले दिन की आलोचना पर रवि-शंकर ने कहा कि राहुल गांधी की फितरत भारत की क्षमता और उद्यमशीलता को कमजोर करना है। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी का कल दिया गया वक्तव्य शर्मनाक और बेबुनियाद है। उन्होंने राहुल गांधी के बयान को संवैधानिक मयार्दा का उल्लंघन बताया और कहा कि यह उनकी पीड़ा, क्लेश और हताशा का नतीजा है। राहुल गांधी ने अपने बयान से सदन को गुमराह करने की कोशिश की है। आगे उन्होंने कहा कि भारत के उद्यमी बाहर जाकर काम

करें, यह तो अच्छी बात है। इस पर कांग्रेसी नेता को क्यों आपत्ति हो रही है। रविशंकर प्रसाद ने रॉबर्ट वाड्रा से जुड़े जमीन घोटाला समेत अन्य घोटालों का उल्लेख करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकारों ने मामा-भांजा-जीजा को विशेष लाभ पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी बार-बार गलतियां करने के बावजूद सीख नहीं पा रहे हैं। इसके पीछे क्या कारण है। शायद उन्हें हार और जीत से कोई फर्क नहीं पड़ता है। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी और उनकी माता सोनिया गांधी के जमानत पर होने का भी उल्लेख किया और यंग इंडिया मामले का जिक्र किया।

तुर्की में आये विनाशकारी भूकम्प में मदद के लिए 11 एनडीआरएफ की टीम रवाना

- बाबतपुर एयरपोर्ट से 51 सदस्यीय टीम प्रशिक्षित डॉग स्क्वायड और आधुनिक खोज एवं बचाव के उपकरणों को लेकर गई

वाराणसी, (हि.स.)। तुर्की में आये विनाशकारी भूकम्प में मदद के साथ राहत-बचाव ऑपरेशन के लिए वाराणसी से 11 एनडीआरएफ की 51 सदस्यीय टीम बुधवार को बाबतपुर स्थित लालबहादुर शास्त्री अन्तरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से दिल्ली के लिए रवाना हुई। वाराणसी कमाडेंट मनोज कुमार शर्मा के निर्देशन में प्रि-शिक्षित 51 सदस्यीय दल प्रशिक्षित डॉग स्क्वायड और आधुनिक खोज एवं बचाव के उपकरणों के साथ दिल्ली से तुर्की जायेगा। टीम का नेतृत्व डिप्टी कमाडेंट अभिषेक कुमार राय कर रहे हैं। कमाडेंट मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि राहत-बचाव के आधुनिक उपकरणों के साथ बाबतपुर एयरपोर्ट से दल को एयर फोर्स के विशेष विमान से दिल्ली भेजा गया है। वहां से टीम को तुर्की के लिए रवाना किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि भारत ने तुर्की में आए विनाशकारी भूकंप के मद्देनजर मदद करने के लिए

मंगलवार को चार सी-17 ग्लोबमास्टर सैन्य परिवहन विमानों के जरिये राहत सामग्री, एक चलित अस्पताल और तलाश एवं बचाव कार्य करने वाले विशेषज्ञ दल को भेजा है। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक ट्वीट में कहा, भारत इस चुनौतीपूर्ण क्षण में अपनी एकजुटता व्यक्त करता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी एक ट्वीट में कहा, वायुसेना का सी-17 ग्लोबमास्टर-3 एनडीआरएफ के दलों और उपकरणों के साथ भारत से तुर्की के लिए रवाना हुआ। इस मुश्किल घड़ी में भारत, तुर्की के लोगों के साथ एकजुटता के साथ खड़ा है। खास बात यह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश पर तलाश एवं बचाव कर्मियों का एक समूह, विशेष रूप से प्रशिक्षित श्वान दस्ता, ड्रिल मशीन, राहत सामग्री, दवाइयों के साथ प्रथम सी-17 परिवहन विमान सुबह तुर्की के अदन में पहुंच गया। भारतीय वायुसेना का दूसरा विमान भी राहत सामग्री और कर्मियों के साथ तुर्की के लिए भेजा गया है। तुर्की के भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में खोज और बचाव अभियान के लिए भारत ने एनडीआ-रएफ की दो टीमों को तैनात किया गया है। एनडीआरएफ की टीम राहत और बचाव कार्यों में तुर्की के स्थानीय अधिकारियों की सहायता करेगी।

हजारों साधु-संत और पुजारी दिल्ली की सड़क पर उतरने को हुए मजबूर

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार के खिलाफ हजारों संतो और पुजारियों ने हल्ला बोला। इस प्रदर्शन में दिल्ली के कोने-कोने से बड़ी तादाद में साधु संत और पुजारी शामिल हुए।दिल्ली बीजेपी के मंदिर प्रकोष्ठ की अगुवाई में हुए इस प्रदर्शन में शामिल पुजारियों की ये मांग है कि अरविंद केजरीवाल सरकार दिल्ली में जिस तरह से मस्जिद के मौलवियों को हर महीने सैलरी देती है उसी तरह से मंदिर के पुजारियों को भी सैलरी दी जाए। इन्हीं मांगों को लेकर आज हजारों की तादाद में दिल्ली के पुजारी चंदगीराम अखाड़े के पास इकट्ठा होकर धरना दिया। इस धरने में शामिल होने आए पुजारियों ने अरविंद केजरीवाल सरकार पर अपने साथ भेदभाव करने और एक वर्ग विशेष को संतुष्ट का आरोप लगाया। इस प्रदर्शन में शामिल होने आए बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने अरविंद केजरीवाल पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि मंदिरों के पुजारियों के साथ केजरीवाल दुर्योधन जैसा व्यवहार कर रहे हैं जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अरविंद केजरीवाल का यह दोगला रवैया अब पुजारी नहीं सहेंगे।बीजेपी सांसद रमेश बिधूड़ी भी केजरीवाल सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल के ट्वीटर पर लिखी गई बातें और उनकी मानसिकता में काफी फर्क है। दिल्ली बीजेपी के कार्यकारी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि भ्रष्टाचार की जननी केजरीवाल सरकार ब्राह्मणों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। लोकतंत्र में सब का समान अधिकार है फिर ब्राह्मणों और साधु संतों के साथ की भावनाओं के साथ खिलवाड़ क्यों? इसका जवाब केजरीवाल सरकार को जवाब देना होगा। जिस तरह से धरने में बड़ी तादाद में साधु-संत और पुजारी इकट्ठा हुए और केजरीवाल सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला इससे बीजेपी उत्साहित है। इस कार्यक्रम में शामिल होने आए बीजेपी सांसदों और नेताओं ने यह साफ कर दिया कि वह इस मुद्दे को अंजाम तक ले जाए बिना चैन से नहीं बैठेंगे। पुजारियों और साधु-संतों का कहना है कि अगर मौलवियों को सरकार सैलरी दे रही है तो उनको भी मिलनी चाहिए। उन्होंने केजरीवाल सरकार पर भेदभाव करने का आरोप लगाया।

दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर में तीसरी टनल की खुदाई का काम पूरा

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर में तीसरी टनल की खुदाई का काम पूरा हो गया। इस तरह आ-रआरटीएस के दूसरे चरण के काम ने रफ्तार पकड़ ली है। इस सेक्शन में 2025 में रैपिड रेल का संचालन शुरू होना है। मेरठ में आरआरटीएस की यह तीसरी टनल है इससे पूर्व दो टनल का काम पूरा हो चुका है। इस टनल का निर्माण कर रही सुदर्शन 8.2 (टनल बोरिंग मशीन) ने भैंसाली से मेरठ सेंट्रल स्टेशन के बीच लगभग 2 किलोमीटर लंबी टनल का सफलतापूर्वक निर्माण पूरा कर लिया और मेरठ सेंट्रल स्टेशन में बनाई गयी टनल रिट्रीविंग शाफ्ट से ब्रेकथ्रू किया। करीब डेढ़ महीने पहले भैंसाली से मेरठ सेंट्रल स्टेशन तक की ही पहली टनल का निर्माण सुदर्शन 8.1 ने पूर्ण किया था। उल्लेखनीय है कि आर-आरटीएस के भूमिगत कॉरिडोर में ट्रेनों की आवाजाही के लिए दो समानांतर टनल निर्मित की जाती हैं। भैंसाली से मेरठ सेंट्रल तक की दूसरी समानांतर टनल का निर्माण पूर्ण होने इस सेक्शन का भूमिगत हिस्सा पूरी तरह निर्मित हो चुका है मेरठ में पहला सफलतापूर्वक ब्रेकथ्रू अक्टूबर 2022 में हुआ था जिसके अंतर्गत सुदर्शन 8.3 ने गांधीबाग से बेगमपुल तक की टनल का निर्माण किया था। वर्तमान में यही सुदर्शन 8.3 गांधीबाग से बेगमपुल तक की दूसरी समानांतर टनल का निर्माण कर रही है। आने वाले दिनों में भैंसाली से मेरठ सेंट्रल तक टनल निर्माण कर चुकीं दोनों टीबीएम- सुदर्शन 8.1 और सुदर्शन 8.2 को भैंसाली से बेगमपुल के बीच समानांतर टनल निर्माण के लिए पुनः असेंबल किया जाएगा।

नितिन गडकरी ने जारी किया दुनिया का पहला मानवरहित एयर ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने दुनिया का पहला मानवरहित (अनमैन्ड) एयर ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम-स्काई यूटीएम को जारी किया। ये एयर ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम प्रति घंटे 4000 उड़ानें और प्रति दिन 96000 उड़ानें संभालने में सक्षम है। सॉफ्टवेयर में यूटीएम टनल सहित कई नए और इनोवेटिव ऑटोमेटेड एयर ट्रैफिक कंट्रोल फीचर्स दिए गए हैं। भारत का पहला और एकमात्र ड्रोन एरियल ट्रैफिक मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म ह्स्काई यूटीएमह्व एक क्लाउड-बेस्ड एरियल ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम है जो मानवयुक्त (मैन्ड) एविशन एयरस्पेस के साथ अनमैन्ड एयर ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम को जोड़ता है। स्काई यूटीएम को एयरस्पेस में सभी ड्रोन और अन्य एरियल मोबिलिटी ऑपरेटरों को ऑटोनमस नेविगेशन रिस्क एसेसमेंट कनेक्टिविटी और ट्रैफिक मैनेजमेंट प्रदान करने के लिए बनाया गया है। स्काई टनल दो स्थानों के बीच एक एयर कोरिडोर और एक इनविजिबल कनेक्ट (अदृश्य संबंध) स्थापित करती है। इस फ्लाइट प्लान को लागू करने के लिए फिजिकल उपकरणों का उपयोग सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है कि कोई ब्लैंक स्पॉट्स नहीं हैं और टनल पूरी तरह से जुड़ा हुआ है। ड्रोन और आने वाली फ्लाइंग टैक्सियां जो एक साल में उपलब्ध होंगी इसके दायरे में आ जाएंगी। एरियल ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम की जरूरतों और इसकी यूएसपी के बारे में बात करते हुए मंत्री गडकरी ने कहा कि ह्लएटी कंट्रोलर्स के साथ बातचीत करने वाले पायलटों को प्रतिक्रिया करने में कुछ समय लगता है। जिससे पारंपरिक विमानन और ट्रैफिक प्रबंधन में गलतियों की संभावना बढ़ जाती है। यूटीएम इस संबंध में एक गेम चेंजर है क्योंकि ड्रोन के साथ डिजिटल रूप से कम्युनिकेशन करने और हवाई क्षेत्र में ट्रैफिक को जोड़ने से कम्युनिकेशन एक सेकंड से भी कम समय में हो जाता है और फुलप्रूफ यानि पूरी तरह से सुरक्षित रहता है।

मानवरहित (अनमैन्ड) एयर ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम-स्काई यूटीएम को लॉन्च करते हुए नितिन गडकरी ने कहा कि देश में ड्रोन क्रांति आ रही है और ऐसे में इस तरह के एयर ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम की काफी अधिक जरूरत है। मानवरहित होने के कारण इसमें गलती की संभावना भी काफी कम हो जाती है और इससे कम्युनिकेशन काफी तेज हो जाएगा। आने वाले समय में देश के विभिन्न क्षेत्रों में इसका उपयोग ड्रोन इंडस्ट्री के लिए काफी उपयोगी साबित होगा। स्काई यूटीएम ने अब तक 300 से अधिक सफल बीवीएलओएस ड्रोन फ्लाइट्स को सपोर्ट किया है।

रिजर्व बैंक क्यूआर कोड आधारित वेंडिंग मशीन करेगा लॉन्च

नई दिल्ली/मुंबई, (हि.स.)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) लोगों के बीच सिक्कों का वितरण आसान बनाने के लिए क्यूआर कोड आधारित वेंडिंग मशीन लॉन्च करेगा। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक के बाद इसकी घोषणा की। शक्तिकांत दास ने बुधवार को एमपीसी की बैठक में लिए फैसलों की घोषणा करते हुए बताया कि रिजर्व बैंक क्यूआर आधारित वेंडिंग मशीन की

पायलट परियोजना की शुरूआत करेगा। ऐसा लोगों के बीच सिक्कों की उपलब्धता को बढ़ाने के लिए किया जाएगा। आरबीआई इसे श-रूआती चरण में देश के 12 शहरों में करेगा। दास ने कहा कि इन मशीनों का इस्तेमाल एकीकृत भुगतान इंटरफेस के जरिए होगा, जिससे बैंक नोट की जगह सिक्के निकलेंगे। आरबीआई गवर्नर के मुताबिक यह मशीन एक कैशलेस क्वाइन डिस्पेंशन मशीन है, जिसका इस्तेमान यूपीआई के जरिए कोई भी ग्राहक कर सकता है। इस मशीन का इस्तेमाल करने वाले ग्राहक के बैंक खाते से राशि काटकर उसके एवज में निकाली गई राशि की भुगतान की जाएगी। इस मौके पर शक्तिकांत दास ने बताया कि भारतीय रुपया अन्य एशियाई मुद्राओं के मुकाबले ज्यादा स्थिर है।

भारत को जल्द मिलेगी एस-400 मिसाइल प्रणाली की तीसरी खेप : डेनिस अलीपोव

नई दिल्ली (ईएमएस)। रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने कहा कि रूस जल्द ही भारत को सतह से हवा में मार करने वाली एस-400 मिसाइल प्रणाली की तीसरी खेप की आपूर्ति करेगा। अलीपोव ने कहा आपूर्ति निकट भविष्य में पूरी की जाएगी। दोनों पक्ष सौदे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसे कोई नहीं रोक सकता। रूसी राजदूत भारत-रूस संबंधों पर आयोजित एक सम्मेलन में मिसाइल प्रणाली की आपूर्ति पर किए गए सवाल का जवाब में यह बात क-ही। रूस ने मिसाइल प्रणाली की पहली दो खेप की आपूर्ति कर दी है। यह पूछने पर कि क्या वह यूक्रेन और रूस के बीच संघर्ष खत्म होने में भारत की कोई भूमिका देखते हैं, इस पर अलीपोव ने कहा कि मॉस्को इसे कूटनीतिक तरीके से खत्म करने के लिए किसी भी गंभीर वार्ता के लिए तैयार है। उन्होंने कहा जैसा कि हमारे विदेश मंत्री कहते हैं कि हम किसी भी गंभीर वार्ता के लिए तैयार हैं, चाहे कोई भी उसकी पेशकश करे। अभी

ऐसा कुछ नहीं है। अगर भारत इसमें अधिक सक्रिय भूमिका निभाना चाहता है, तो हम निश्चित तौर पर बहुत ध्यान से उसकी बात को सुनेंगे और हम सभी प्रस्तावों पर बहुत गंभीरता से विचार करेंगे।

भारत इस बेहद ही जटिल संघर्ष में शामिल होना चाहता है या नहीं, मुझे नहीं लगता कि यह मुझसे पूछा जाना चाहिए। रूसी राजदूत ने भारत के साथ उनके देश के रक्षा संबंधों को अभूतपूर्व बताया। उन्होंने कहा भारत में टी-90 टैंक, एसयू-30एमकेआई, एके-203 असॉल्ट राइफल और बहुत सारे हथियार तथा उपकरणों का लाइसेंसी उत्पादन मेक इन इंडिया तथा आत्मनिर्भर भारत पहलों के पूरी तरह अनुरूप है। राजदूत ने कहा सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस पर विशिष्ट संयुक्त उद्यम आदर्श है। रूस और भारत आधुनिक एस-400 ट्रायम्फ वायु रक्षा प्रणाली के लिए सौदे समेत सभी समझौतों को लेकर प्रतिबद्ध हैं। गौरतलब है कि भारत ने अक्टूबर 2018 में अमेरिका की चेतावनी के बावजूद रूस से एस-400 वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली खरीदने के लिए पांच अरब डॉलर के समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

दिल्ली मेयर चुनाव के लिए आप की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का उप राज्यपाल व अन्य को नोटिस

- 13 फरवरी को होगी मामले की अगली सुनवाई

अजय कुमार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के मेयर का चुनाव जल्द कराने की मांग वाली आम आदमी पार्टी (आप) की याचिका पर सुनवाई करते हुए नोटिस जारी किया है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने उप राज्यपाल, दिल्ली सरकार, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के आयुक्त और प्रोटेम स्पीकर सत्या शर्मा को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 13 फरवरी को होगी। आज सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि नियुक्त प्रोटेम स्पीकर सत्य शर्मा सीनियर नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हमारी 5 मांगे हैं। पहला कि सत्या शर्मा को पीठासीन अधिकारी के पद से हटाया जाए। दूसरा कि एक हफ्ते के अंदर एमसीडी का सदन बुलाया जाए। तीसरा कि मेयर चुनाव पूरा होने तक सदन का कोई स्थगन न हो। चौथा कि डिप्टी मेयर और अन्य

सदस्यों के चुनाव मेयर की अध्यक्षता में ही कराया जाए। पांचवां कि नामिनेटेड पार्षदों को वोट देने का अधिकार न दिया जाए। आम आदमी पार्टी (आप) ने सुप्रीम कोर्ट के सामने जल्द से जल्द में चुनाव कराने याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि प्रोटेम स्पीकर मेयर के चुनाव में नामिनेटेड सदस्यों से भी वोटिंग करा रहे हैं। चुनाव के दो महीने बीत गए हैं और अभी तक मेयर का चुनाव नहीं हुआ है। ये लोकतंत्र की हत्या है। एमसीडी के मेयर के चुनाव के लिए तीसरी बार 6 फरवरी को बैठक बुलाई गई थी, लेकिन चुनाव नहीं हो सका। इसके बाद आम आदमी पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट का दर-वाजा खटखटाया है।

दिल्ली शराब घोटाला केस में सीबीआई ने फिर कसा शिकंजा

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाला मामले में सीबीआई ने एक और आ-रोपित को हैदराबाद से गिरफ्तार कर लिया है। सीबीआई उसे आज कोर्ट में पेश करेगी। सीबीआई ने बताया कि हैदराबाद के चार्टर्ड अकाउंटेंट बुचिबाबू गोरंटला को गिरफ्तार किया गया था आज अदालत में पेश किया जाएगा। सीबीआई ने जानकारी देते हुए बताया कि चार्टर्ड अकाउंटेंट को दिल्ली आबकारी नीति के निर्माण और उसे लागू करने में कथित भूमिका और हैदराबाद स्थित थोक और खुदरा लाइसेंसधारियों और उनके लाभार्थी मालिकों को गलत लाभ पहुंचाने के आरोप में गिरफ्तर किया गया है। बता दें कि एलजी ने दिल्ली के सचिव की एक रिपोर्ट के आधार पर मामले की सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। 8 जुलाई 2021 को यह रिपोर्ट भेजी गई थी जिसमें पिछले साल लागू की गई आबकारी नीति पर सवाल उठाए गए थे। आबकारी नीति (2021-22) बनाने और उसे लागू करने में लापर-वाही बरतने के साथ ही नियमों की अनदेखी और नीति को लागू करने में गंभीर चूक के आरोप हैं। बता दें कि इसी मामले से संबंधित छापेमारी दिल्ली सरकार के मंत्री मनीष सिसोदिया के आवास पर की जा चुकी है। मनीष सिसोदिया पर भाजपा ने गंभीर आरोप लगाएं। वहीं आम आदमी पार्टी ने अपने नेता का खूब बचाव किया। सीबीआई और ईडी दोनों की ही मनीष सिसोदिया के आवास पर छापेमारी हुई थी। हालांकि कोई ठोस सबूत नहीं मिले। साथ ही यह भी आरोप लगाया गया कि निविदा को अंतिम रूप देने में अनियमितताएं और चुनिंदा विक्रेताओं को टेंडर के बाद लाभ पहुंचाना भी शामिल है। इसके अलावा यह आरोप लगाया गया कि शराब बेचने वालों की लाइसेंस फीस माफ करने से सरकार को 144 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

आरबीआई ने लगातार छठी बार रेपो रेट बढ़ाया

आशीष वर्मा

-होम लोन होगा महंगा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने मौद्रिक समीक्षा बैठक के बाद रेपो रेट बढ़ा दिया। आरबीआई ने रेपो रेट में 25 बेसिस अंकों की बढ़ोतरी की है। यह लगातार छठी बार है जब रिजर्व बैंक ने रेपो रेट बढ़ाया है। अब रेपो रेट 6.50 फीसदी हो गया है। आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक तीन दिन चली थी उसके बाद रेपो रेट में बढ़त का फैसला हुआ। इससे पहले आरबीआई ने साल 2022 में पांच मॉनिटरी पॉलिसी की बैठकों के बाद रेपो रेट में 2.25 फीसदी की बढ़त की थी। आरबीआई के रेपो रेट बढ़ाने से सरकारी-निजी बैंक से लेकर हाउसिंग फाइनैंस कंपनियां के होम लोन की ब्याज दरें बढ़ जाएंगी। इससे आम लोगों की मुश्किलें बढ़ेंगी क्योंकि इसके बाद घर कर्ज की मासिक किस्त ईएमआई अब बढ़ जाएगी। इसे इस प्रकार समझे उ-दाहरण के अगर आपने 20 लाख रुपये का होम लोन 8.60 फीसदी ब्याज दर के हिसाब से 20 साल के

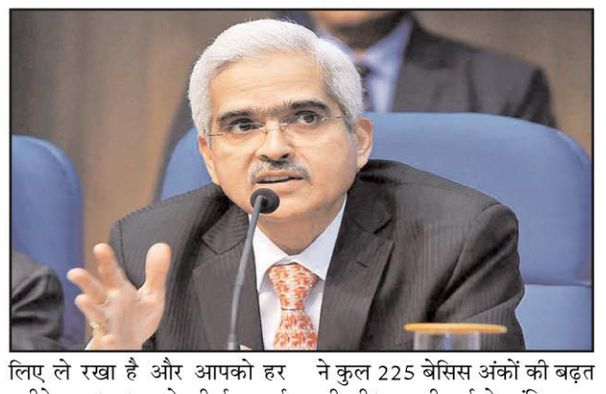

लिए ले रखा है और आपको हर महीने 21,854 रुपये की ईएमआई देनी पड़ रही थी पर अब रेपो रेट में 25 बेसिस अंकों की बढ़ोतरी होने के बाद ब्याज दर बढ़कर 8.85 फीसदी हो जाएगी। ऐसे में आपकों 21,854 की जगह अब 22,253 रुपये की ईएमआई अदा करनी होगी। इस प्रकार देंखें तो ईएमआई करीब 400 रुपये तक महंगी हो जाएगी। आरबीआई ने इस बार लगातार छठी बार रेपो रेट में बढ़ोतरी की है। इसके पहले आरबीआई ने 5 बार रेपो रेट बढ़ाया था। एक साल में आरबीआई ने कुल 225 बेसिस अंकों की बढ़त की थी। आरबीआई ने अंतिम बार दिसंबर 2022 में इसमें 0.35 फीसदी की बढ़ोतरी की थी। तब इसे बढ़ाकर 6.24 फीसदी कर दिया गया था। रेपो रेट बढ़ने से सबसे ज्यादा परेशानी आम आदमी को होगी। इससे होम लोन की ईएमआई बढ़ने के अलावा महंगाई भी बढ़ जाएगी हालांकि इससे बैंकों में जमा एफडी पर लोगों को ब्याज अधिक मिल सकेगा। आरबीआई का तर्क है कि महंगाई पर नियंत्रण के लिए रेपो रेट बढ़ाया गया है।

हिमाचल के मैदानी क्षेत्रों में अगले 2 दिन अंधड़ के साथ भारी बारिश का पूवार्नुमान

- प्रदेश में बारिश-बर्फबारी से अवरुद्ध हुई 140 सड़कें अभी नहीं हो सकीं बहाल

शिमला, (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश में भारी बर्फबारी एवं बारिश से बाधित 140 सड़क मार्ग अभी तक बहाल नहीं हो पाए हैं। जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति के दुर्गम क्षेत्र के कई गांव अब भी जिला मुख्यालय से कटे हैं। सड़कें बहाल करने के लिए लोक निर्माण विभाग के कर्मचारी भरसक प्रयास कर रहे हैं। इस बीच मौसम विभाग ने अगले दो दिनों में मैदानी इलाकों में अंधड़ के साथ तेज बारिश होने का पूवार्नुमान जताया है, जबकि पर्वतीय भागों में एक बार फिर बर्फबारी हो सकती है। राज्य के ऊंचाई वाले इलाकों में 10 दिन पहले हुए भारी हिमपात से बड़े पैमाने पर सड़कें अवरुद्ध होने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया था। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार सुबह तक राज्य में 140 सड़कें और 03 नेशनल हाइवे अवरुद्ध रहे। कुल्लू जिला में 02 व लाहौल स्पीति में 01 नेशनल हाइवे बंद हैं। लाहौल स्पीति में 120 सड़कों पर वाहनों की आवाजाही ठप है। इस-ाके अलावा चम्ब में 09, कुल्लू में

07 और शिमला जिला के दूरदराज क्षेत्र डोडरा क्वार में 02 सड़कें बंद हैं। चम्बा के पांगी में 02, किन्नौर के निचार औऱ शिमला के डोडरा क्वार में 01-01 बिजली ट्रांसफार्मर भी बंद है। इस बीच स्थानीय मौसम विभाग ने अपने पूवार्नुमान में अगले 02 दिन मैदानी इलाकों में अंधड़ के साथ तेज वर्षा की चेतावनी दी है। जबकि पर्वतीय भागों में एक बार फिर बर्फ गिरने के आसार हैं। शिमला स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक सुरेंद्र पॉल ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ राज्य में सक्रिय हो रहा है। अगले 03 दिन मौसम खराब रहेगा। 09 व 10 फरवरी को मैदानी क्षेत्रों में अंधड़ व वर्षा का येलो अलर्ट रहेगा। इस दौरान पर्वतीय व उच्च पर्वतीय इलाकों में बर्फबारी होने की भी संभावना है। इससे राज्य में शीतलहर का प्रकोप और तेज होगा। उन्होंने कहा कि बुधवार सुबह राज्य के चार शहरों का न्यूमतम तापमान शून्य से नीचे दर्ज किया गया। लाहौल-स्पीति जिला का मुख्यालय केलांग सबसे ठंडा रहा, जहां न्यूनतम तापमान -12.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कुकुमसेरी में -8.8, कल्पा में -2.2, रिकांगपिओ में -0.4, मनाली में शून्य, सियोबाग में 0.6, भुंतर में 2, कुफरी में 2.2, सुंदरनगर में 3.6, सोलन में 3.8 और शिमला में 4.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कई सालों से आपस में लड़ाने का काम कर रहे हैं भागवतः राकेश टिकैत

भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत जमकर सियासी निशाने साधे

मुजफ्फरनगर (ईएमएस)। किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर भारतीय किसान यूनियन का अनिश्चितकालीन धरना चल रहा है। बीते मंगलवार को धरने में भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत आए और उन्होंने जमकर सियासी निशाने साधे। वहीं इस दौरान उन्होंने मोहन भागवत के बयान पर भी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। राकेश टिकैत ने कहा कि देश की जनता अभी समझ रही है, लेकिन यह तो पिछले कई सालों से यही काम कर रहे हैं। ये कई सालों से आपस में लड़ाने का काम कर रहे हैं। टिकैत ने कहा मोहन भागवत की बात पूरा देश सुनता है लेकिन अब वो ही अपने बयान को लेकर विवादों में हैं।

उन्होंने कहा कि जिस देश का राजा ऐसा हो, जो देश में दंगा कराना चाहता हो जाति और धर्म के नाम पर लोगों को लड़ाना चाहता हो तो उस देश का क्या होगा। राकेश टिकैत ने कहा कि ये चाह रहे हैं कि देश की जनता आपस में लड़े। देश में दंगे हों।। नागपुर से लेकर दिल्ली तक ये एक ही गैंग हैं इनका। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी द्वारा सीएम योगी को लेकर दिए गए बयान पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि 2023 में ये एक दूसरे में धार्मिक झगड़े कराएंगे। इसलिए 2023 में बच के रहना। वहीं इस दौरान भाजपा पर हमलावर होते हुए टिकैत ने कहा कि ये कई सालों से आपस में लड़ाने का काम कर रहे हैं। यह चाह रहे हैं कि देश की जनता आपस में लड़े। पहले उन्होंने कहा कि 15 लाख रुपए देंगे। मगर ये 5 किलो गेहूं पर ले आए। फिर ये गेहूं भी कभी 3 महीने देंगे तो कभी 6 महीनें देंगे। अब जनता 15 लाख भूल गई। भारतीय किसान यूनियन के अनिश्चितकालीन धरने को रालोद विधायकों ने समर्थन दिया। हजारों समर्थकों के साथ जीआईसी मैदान पहुंचे रालोद विधायकों ने कहा कि किसान के अधिकारों की लड़ाई में वह भारतीय किसान यूनियन के साथ हैं। मंगलवार को रालोद कार्यकताओं ने कलेक्ट्रेट में गन्ना मूल्य घोषित करने, बकाया भुगतान और आवारा पशुओं से निजात की मांग को लेकर धरना दिया था।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के साथ सपा विधायक ने भी लगाए "अटल बिहारी अमर रहें के नारे"

- भदोही के सपा विधायक जाहिद बेग ने कहा कि अटल देश के सर्वमान्य राजनेता रहे

भदोही, (हि.स.)। राजनीति में दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी सर्वमान्य नेता हैं। सत्ता हो या विपक्ष उनके राजनीतिक कद का सब सम्मान करते हैं। बुधवार को यह नजारा भदोही में उस वक्त दिखने को मिला जब उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के साथ भदोही सपा विधायक शाहिद जमाल बेग ने भी अटल बिहारी अमर रहे के नारे लगाए। भदोही के सुरियावां नगर में 25 लाख रुपये की लागत से बनी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया। दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी की प्रतिमा का अनावरण करने जिस समय उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक स्मारक पर चढ़े, उसी दौरान भाजपा समर्थक "भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद और अटल बिहारी वाजयेयी अमर रहें" के नारे लगाने लगे। प्रतिमा अनावरण के बाद जब उपमुख्यमंत्री नीचे उतरने लगे तो उन्होंने भी अटल बिहारी अमर रहे के नारे लगाए। जब लोग भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद और अटल बिहारी वाजपेयी अमर रहे के नारे लगा रहे थे तो वहां मौजूद भदोही से समाजवादी पार्टी (सपा) विधायक जाहिद बेग ने भी उपमुख्यमंत्री के साथ उतरने के दौरान अटल बिहारी अमर रहें, के नारे लगाए। अनावरण के पूर्व उन्होंने बातचीत में कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी सर्वमान्य राजनेता थे। उनका कद राजनीति से बड़ा है। उन्होंने देश के लिए अच्छे कार्य किए। अटल बिहारी वाजपेयी दिलों को जोड़ने की बात करते थे। उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच समझौता एक्सप्रेस अपने कार्यकाल में चलाया। रामचरितमानस पर उन्होंने कुछ बोलने से मना कर दिया। अखिलेश के शूद्र वाले बयान पर भी कोई टिप्पणी नहीं की। प्रदेश में जातिवादी राजनीति की गरमाहट के सवाल पर उन्होंने कहा कि है जातिवाद की राजनीति कौन करता है यह सभी जानते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने जब मुख्यमंत्री का कार्यालय छोड़ा था तो उसको धुलवाने वाले लोग कौन थे।

लखनऊ का नाम बदलने को लेकर राजनीतिक बयानबाजी शुरू

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश की राजधानी का नाम बदलने को लेकर सियासी घमासान होता रहा है। इस बार लखनऊ के नाम बदलने को लेकर राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो गयी है। प्रतापगढ़ के सांसद संगम लाल गुप्ता के लखनऊ का नाम बदलकर लखनपुरी किये जाने की बात के बाद समाजवादी पार्टी, कांग्रेस, आरजेडी जैसी पार्टियों के प्रवक्ताओं के बयान सामने आये हैं। लखनऊ के नाम बदलने को लेकर सियासी घमासान में आरजेडी भी कूद पड़ी है। आरजेडी के प्रवक्ता व राज्यसभा सांसद मनोज झा ने अपने बयान में कहा कि उत्तर प्रदेश में एक नया मंत्रालय बना देना चाहिए, जिसे "नाम बदलो मंत्रालय" नाम देना चाहिए। मनोज झा ने चुटकी लेते हुए कहा कि नाम बदलने की राजनीति में उत्तर प्रदेश दो कदम आगे निकल गया है। नाम बदलने की बात पर कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भाजपा के सांसद कोई काम नहीं कर रहे हैं इसलिए उन्हें नाम बदलने की राजनीति करनी पड़ रही है। लखनऊ का नाम बदलना चाहते हैं, इसके पहले यह तय कर लें कि और कितने नाम बदलेंगे। लखनपुरी नाम की चर्चा पर समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता सुनील साजन ने कहा कि वर्तमान सरकार आज-कल नाम बदल कर काम चला रही है। चर्चा में बने रहने के लिए काम जरुरी हैं, तो यहां नाम बदल कर सुर्खियां बटोरी जा रही हैं। लखनऊ का अपना इतिहास है, इस-ाका नाम बदलने की बात कर इतिहास बदलने की कोशिश की जा रही है। उल्लेखनीय है कि लखनऊ का नाम बदलने की बात पर उत्तर प्रदेश में विभिन्न राजनीतिक दलों के अध्यक्ष, प्रवक्ताओं का भी बयान सामने आ रहे हैं। सभी अपने दृष्टि से राजधानी का नाम बदलने वाला भाजपा सांसद के बयान को लेकर अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। प्रदेश की विपक्षी दलों द्वारा भाजपा सांसद संगम लाल को भी उनके बयान पर घेरे में लेकर राजनीतिक चर्चा ने तूल पकड़ लिया है। राजनीतिक दलों का कहना है कि संगम लाल प्रतापगढ़ के सांसद है और वह लखनऊ के नाम को लेकर चिंतित क्यों हैं।

वाराणसी में स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ले रही बीएमजीएफ की टीम

-टीम शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर जाकर चिकित्सकों से भी कर रही बातचीत

वाराणसी, (हि.स.)। बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन (बीएमजीएफ) और उत्तर प्रदेश टेक्निकल सपोर्ट यूनिट (यूपीटीएसयू) की टीम वाराणसी में है। टीम पिछले दो दिनों से शहरी क्षेत्र में स्वास्थ्य केन्द्रों में व्यवस्था की जानकारी ले रही है। टीम ने पाण्डेयपुर व मंडुव-ाडीह स्वास्थ्य केन्द्रों में जाकर चिकित्सकों व स्वास्थ्यकर्मियों से बातचीत कर मरीजों को दी जा रही चिकित्सकीय सुविधाओं की जानकारी हासिल की। तीन दिवसीय वाराणसी भ्रमण पर आई पहली टीम शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर पाण्डेयपुर पहुंची। टीम ने प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डा. आकांक्षा राय से मुलाकात कर केन्द्र में दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान वहां मौजूद क्वालिटी एश्योरेंस के मण्डलीय सलाहकार डा. आरपी सोलंकी ने बीएमजीएफ व यूपीटीएसयू टीम को अवगत कराया कि इस केन्द्र पर ओपीडी, टेलीमे-डिसिन के साथ ही प्रसव पूर्व देखभाल के साथ ही प्रसव सेवा भी उपलब्ध है। टीम ने जानना चाहा कि टेलीमे-डिसिन की सेवाएं किस तरह से उपलब्ध करायी जाती हैं। इस बारे में डा. राय ने विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान टेलीमेडिसिन के लिए आए मरीजों को दवा दिये जाने की पूरी प्रक्रिया को भी टीम ने देखा। शहरी स्वास्थ्य सलाहकार मयंक राय ने टेलीमेडिसिन की पूरी प्रक्रिया से टीम को अवगत कराया। बीएमजीएफ की टीम में टेलर नैबर, लीजा, केदार मनकड़, राहुल रावत, रुचिका, देवेन्द्र खण्डित और यूपीटीएसयू से डा. मनीष कुमार, ओम प्रकाश के अलावा जपाइगो से डा. मनीष सिंह व सुनील कुमार शामिल थे।

इसी क्रम में आयुष्मान भारत - हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर शहरी पीएचसी मंडुआडीह का भी बीएमजीएफ और यूपीटीएसयू की दूसरी टीम ने निरीक्षण किया। टीम ने नियमित टीकाकरण कक्ष, दवा काउंटर, वेलनेस परामर्श कक्ष, ओपीडी, पैथालॉजी लैब, योगा कक्ष और प्रसव कक्ष में प्रदान की जा रही सुविधाओं और संसाधनों का गहन निरीक्षण किया। बीएमजीएफ की इस टीम में रुचिका चक, श्यामश्री दास, अमृता शेखर, यूपीटीएसयू से डॉ धनंजय, डॉ प्रशांत, डॉ रेनू व जापाईगो के प्रतिनिधि शामिल रहे।

मानस की कुछ चौपाइयों पर तीन फीसदी लोग भटकाने का कर रहे प्रयास : स्वामी प्रसाद मौर्य

लखनऊ, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी (सपा) नेता स्वामी प्रसाद मौर्या फिर मानस की कुछ चौपाइयों को संशोधित करने की मांग उठाई। उन्होंने इस पर सिर्फ तीन प्रतिशत लोगों द्वारा हिन्दू धर्म जोड़कर मुद्दे से भटकाने वाला करार दिया है। स्वामी प्रसाद मौर्या ने अपने ट्वीटर हैंडल से बुधवार को ट्वीट कर कहा कि मानस की आपत्तिजनक कुछ चौपाइयों को संशोधित व प्रतिबंधित करने की मांग को कुछ लोग श्रीराम, हिन्दू धर्म और

रामचरितमानस से जोड़कर मामले को भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे ही लोग महिलाओं, आदिवासियों, दलितों व पिछड़ों के 97 प्रतिशत आबादी के सम्मान के विरोधी हैं। उल्लेखनीय है कि रामचरितमानस पर बीते दिनों सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्या ने एक विवादित बयान दिया था। उनके बायन को लेकर हिन्दू और कई संगठनों द्वारा कड़ी आपत्ति जताते हुए विरोध शुरू कर दिया गया। यहां तक की उनका सिर काटने वाले इनाम देने तक की कुछ लोगों ने घोषणा कर दी। इस विरोध के बाद भी वह लगातार अपने बयान पर अडिग हैं और अलग–अलग बयान दे रहे हैं।

ईडी से विधायक राजेश ने कहा- साड़ी खरीदने के लिए गए थे कोलकाता

रांची, (हि.स.)। कैश कांड में कांग्रेस विधायक राजेश कच्छप से मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लगभग नौ घंटे तक पूछताछ की। बाहर निकलने के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि ईडी ने एक-एक बिंदु पर पूछताछ की। उन्होंने कहा कि 29 जुलाई 2022 से लेकर विस्तृत पूछताछ की गई। हमने आईडी के समक्ष अपना पक्ष रख दिया है। उन्होंने बताया कि बिना दबाव के सवाल पूछे गए और हमने जवाब दिया। विधायक ने कहा कि ईडी फिर से बुलाएगी तो फिर मैं आकर उनको सपोर्ट करूंगा। हमारे साथी विधायक ने हमें फंसाया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पूछताछ के दौरान विधायक राजेश कच्छप ने ईडी को बताया कि वो साड़ी खरीदने के लिए कोलकाता गए थे। बरामद किए गए रुपयों में उनका भी रुपया था। राजेश कच्छप से जब ईडी ने रुपये के श्रोत के बारे में जानकारी मांगी तो उन्होंने ईडी से संबंधित कागजात उपलब्ध कराने के लिए समय की मांग की। सरकार गिराने की साजिश में शामिल होने से भी इंकार किया। उन्होंने कहा कि साड़ी खरीदने के लिए हम तीन विधायक कोलकाता गए थे । जब्त पैसे तीनों विधायक के थे। राजेश रांची के खिजरी विधानसभा से विधायक हैं। उनपर आरोप है की वे हेमंत सोरेन की सरकार को गिराने की साजिश में शामिल थे।

इससे पहले जनवरी महीने में ही राजेश कच्छप को ईडी ने पूछताछ के लिए बुलाया था। लेकिन स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर राजेश पूछताछ का सामना करने के लिए ईडी के ऑफिस नहीं पहुंचे थे। इसके बाद ईडी ने उन्हें दूसरा समन जारी कर सात फरवरी को ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय बुलाया था। उल्लेखनीय है कि 30 जुलाई 2022 को कांग्रेस के तीन विधायक एक साथ 48 लाख नकदी के साथ पकड़े गए थे। तब अरगोड़ा थाने में बेरमो विधायक अनूप सिंह ने जीरो एफआ-ईआर दर्ज कराई थी। इसी आधार पर इरफान अंसारी, नमन विक्सल कोंगाड़ी और राजेश कच्छप को बंगाल पुलिस ने जेल भेज दिया था। अनूप सिंह ने आरोप लगाया था कि विधायकों ने उन्हें 10 करोड़ रुपये देने का प्रलोभन दिया था। साथ ही कांग्रेस का साथ छोड़ने पर स्वास्थ्य मंत्री का पद देने की बात कही थी।

मुआवजे की चेक का खारिज होना बचकानी हरकत : अखिलेश यादव

लखनऊ, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने औरैया जिले में प्रशासन द्वारा बच्चे की पिटाई से मौत पर दी गई चेक के बाउंस (खारिज) होने पर शासन-प्रशासन को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने इस पर भाजपा सरकार पर भी तंज कसा है। अखिलेश यादव ने अपने आधिकारिक ट्वीटर हैंडल से ट्वीट कर बुधवार को कहा कि दलित बच्चे की पिटाई से हुई मौत के बदले मुआवजे का चेक जब बैंक में खारिज हो गया, तो अब भाजपा का शासन-प्रशासन मुंह छिपाने के लिए

कह रहा है वो चेक प्रतीकात्मक था। इससे बचकानी बात और क्या होगी। भाजपा में सब कुछ प्रतीकात्मक है, अच्छा हो कहा जाए छलात्मक है। अखिलेश ने इसे लेकर तंज कसा कि 'नकली संवेदना का नकली चेक।' उल्लेखनीय है कि उप्र के औरैया जनपद में एक शिक्षक की पिटाई से एक बच्चे की मौत हो गई थी। इस मामले में जिला प्रशासन ने पीड़ित परिवार को मुआवजे की चेक दी थी। यह चेक जब बैंक में लगाई गई तो वह रकम न होने से बाउंस (खारिज) हो गई। इस पर बेटे को खो चुके पीड़ित परिवार ने प्रशासन के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की है। जिले की इस कार्यशैली को शासन स्तर पर काफी गंभीरता से लिया गया है।

झारखंड के सरकारी शिक्षकों को अब लीव मैनेजमेंट मॉड्यूल सिस्टम से लेनी होगी छुट्टी

रांची, (हि.स.)। राज्य के सरकारी स्कूलों में कार्यरत प्रधानाध्यापक और शिक्षकों को लीव मैनेजमेंट मॉड्यूल के माध्यम से ही छुट्टी मिलेगी। अन्य माध्यमों से छुट्टी का आवेदन देने पर उसे खारिज कर दिया जाएगा। इस आदेश को स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव के रवि कुमार ने मंगलवार देर रात जारी किया है। इसकी जानकारी सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों और जिला शिक्षा अधीक्षकों को दे दी गई है। उल्लेखनीय है कि लीव मैनेजमेंट मॉड्यूल सभी पदाधिकारी, प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकों को छुट्टी के लिए आवेदन समर्पित करने की अनुमति देता है। छुट्टी की पात्रता से संबंधित विवरण दिखाता है। छुट्टी के अनुरोध के प्रसंस्करण और निपटान की अनुमति देता है। कर्मियों की छुट्टी इतिहास का विस्तृत विवरण प्रदान करता है। सचिव ने जारी आदेश में लिखा है कि लीव मैनेजमेंट मॉड्यूल को ई-वीवी एप्लीकेशन में लाइव कर दिया गया है। सचिव ने निदेशित किया है कि पत्र निर्गत की तिथि से राज्य के सभी पदाधिकारी, प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकों को मात्र लीव मैनेजमेंट मॉड्यूल के माध्यम से ही छुट्टी के लिए आवेदन करते हुए अवकाश प्राप्त करना होगा। किसी भी परिस्थिति में अन्य माध्यम से आवेदित छुट्टी आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा, अस्वीकृत कर दिया जाएगा। रवि कुमार ने लिखा है कि लीव मैनेजमेंट मॉड्यूल में राज्य के सभी पदाधिकारी, प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकों के लिए अवकाश विवरण दर्ज करने का प्रावधान है।

झारखंड में सीएसआर की राशि प्राप्त करने में जमशेदपुर और रांची अव्वल

रांची, (हि.स.)। लोकसभा के बजट सत्र में सांसद संजय सेठ ने झारखंड में कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत हुए कार्यों का लेखा-जोखा मांगा। साथ ही उन्होंने लोकसभा में यह सवाल रखा कि इसके नियमों में कोई परिवर्तन किया गया है क्या? और इससे संबंधित क्या दिशा निर्देश दिए गए हैं। सांसद के सवाल के जवाब में केंद्रीय सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने बताया कि कंपनी नियम 2014 में संशोधन को सूचित किया गया है। इन संशोधनों का उद्देश्य प्रकरणों में सुधार करके इसे और सुदृढ़ बनाना अनुपालन का सरलीकरण करके इसे अधिक से अधिक उपयोगी बनाना है। ताकि सीएसआर के तहत कल्याण के और अधिक कार्य किए जा सके। केंद्रीय मंत्री ने यह भी बताया कि झारखंड में विभिन्न कंपनियों के द्वारा सीएसआर के तहत कई कार्य किए गए हैं, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, गरीबी, भूख कुपोषण मिटाना, ग्रामीण विकास परियोजनाएं, स्वच्छता, वरिष्ठ नागरिक कल्याण, अनाथालय की स्थापना जैसे कई कार्य है। इन कार्यों के तहत जनकल्याण का काम किया गया है। केंद्रीय मंत्री ने सांसद को लोकसभा में बताया कि झारखंड में सीएसआर के तहत जिलावार 210 करोड़ रुपये का कार्य बीते एक वर्ष में किया गया है। इसमें सबसे अव्वल जमशेदपुर जिला है, जहां 12.30 करोड रुपये खर्च किए गए हैं, वहीं रांची में एक 11.79 करोड रुपये खर्च किए गए हैं। 160 करोड रुपये ऐसे खर्च हुए हैं, जिसका उल्लेख किसी जिले में नहीं किया गया है। सीएसआर की राशि प्राप्त करने में सबसे फिसड्डी गढ़वा और देवघर जिले हैं। इन दोनों जिलों में महज 0.11 रुपये खर्च किया गया है। केंद्रीय मंत्री ने सांसद को बताया कि एक वर्ष में झारखंड में जो 210 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं, उसमें सबसे अधिक राशि स्वच्छता पर खर्च हुई है, जो 57 करोड़ रुपये है। इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य देखभाल पर 48 करोड़, शिक्षा पर 35 करोड़ और ग्रामीण विकास परियोजनाओं पर 21 करोड़ खर्च हुए हैं। इसके अतिरिक्त खेल प्रशिक्षण, व्यवसाई कौशल, महिला सशक्तिकरण, कृषि वानिकी, पशु कल्याण, कला संस्कृति, लैंगिक समानता, स्वच्छता, अनाथालय की स्थापना, झुग्गी बस्तियों का विकास सहित कई अन्य कार्यों में भी बड़ी मात्रा में राशि खर्च की गई है।

राज्य के मिडिल और हाई स्कूलों में 7,360 पदों पर होगी कंप्यूटर शिक्षकों की बहाली

-नीतीश कैबिनेट ने कुल 18 एजेंडों पर लगाई मुहर

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में बुधवार दोपहर संपन्न हुई मंत्रिमंडल की बैठक में कुल 18 एजेंडों पर मुहर लगाई गई। राज्य में अब मिडिल और हाई स्कूलों में कंप्यूटर टीचर बहाल होंगे। इसके लिए राज्य सरकार ने 7,360 पदों का सृजन किया है।सभीभी मिडिल और हाई स्कूलों में एक - एक कंप्यूटर टीचर का पद सृजन किया गया है। नीतीश कैबिनेट ने उर्जा विभाग, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, नगर विकास एवं आवास विभाग, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, स्वास्थ्य विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग, शिक्षा विभाग, समेत अन्य विभागों से जुड़े महत्वपूर्ण एजेंडों पर मुहर लगाई है। सीएम नीतीश कुमार इन दिनों अपनी समाधान यात्रा पर निकले हुए हैं। जिसके कारण लंबे अंतराल के बाद कैबिनेट बैठक हुई। इससे पहले कैबिनेट बैठक 27 जनवरी को हुई थी। नीतीश कैबिनेट की बैठक में बिजली विभाग के लिए गोपालगंज में दो नए सब स्टेशन के लिए 123.83 करोड़ रुपये की नई योजना को स्वीकृति दी गई है। इसके अलावा एनआईडी-जैम प्रतियोगिता के आयोजन के लिए 6 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं। जननायक कपूर्री ठाकुर छात्रावास निर्माण के लिए बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के लिए 6,71,72,000 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। साथ ही विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत संचालित 38 राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय एवं 46 राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थान में गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम के अंतर्गत पीएचडी और एमटेक डिग्री में नामांकन के लिए शिक्षकों को अनुमति और अवकाश की स्वीकृति मिली है।

इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत राजकीय आयुवेर्दिक, यूनानी और होम्योपैथिक महाविद्यालय में सह प्राध्यापक और प्राध्यापक के रिक्त पदों पर संविदा के आधार पर नियोजन, प्रमोशन और नए पदों की नियुक्ति की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके साथ सामान्य प्रश-ासन विभाग की ओर से कई पदों को खत्म करने का निर्णय लिया गया है। साथ ही बिहार कास्ट तथा अन्य वन उत्पादन अभिवहन विनियमन संशोधन नियमावली 2023 की स्वीकृति दी गई है। खगड़िया में चौथम अंचल में जवाहर नवोदय विद्यालय खगड़िया की स्थापना के लिए फ्री जमीन हस्तांतरित किया गया है। रोहतास न्यायमंडल अंतर्गत अनुमंडलीय के व्यवहार न्यायालय में 10 कोर्ट भवन के निर्माण के लिए 33 करोड़ 81 लाख 82 हजार रुपये की स्वीकृति दी गई है। सेवानिवृत्त अभियंता प्रमुख के सचिव प्रावैधिकी राकेश कुमार को अगले एक साल तक इसी पद पर या अभियंता प्रमुख सह अपर आयुक्त सह विशेष सचिव के पद पर नियमित प्रोन्नति होने तक संविदा के आधार पर नियोजित करते हुए अभियंता सह अपर आयुक्त सह विशेष सचिव का अतिरिक्त प्रमुख सह प्रभार देने की स्वीकृति दी गई है। वाणिज्य कर विभाग द्वारा पेशा कर में की गई कटौती से संचित 75 करोड़ की राशि को सहायक अनुदान के रूप में बिहार के नगर निकायों के बीच जनसंख्या के आधार पर व्यय करने की स्वीकृति दी गई है। इसके साथ ही पटना मेट्रो रेल परियोजना के स्टेशन निर्माण एवं एलाइनमेंट के लिए राज्य सरकार की भूमि को नगर विकास एवं आवास विभाग को स्कूल का हस्तांतरण किया गया है।

मंत्रिपरिषद बैठकः विद्यालयों में बहाल होंगे 7360 कंप्यूटर शिक्षक, पद सृजित

-कैबिनेट की मीटिंग में कुल 18 एजेंडों पर लगी मुहर

पटना, (हि.स.)। मंत्रिपरिषद की आज हुई बैठक में कई महत्वपूर्ण एजेंडों पर मुहर लगी है। कैबिनेट की मीटिंग में कुल 18 एजेंडों पर मुहर लगी है। सबसे खास बात है कि मिडिल और हाई स्कूलों में कंप्यूटर शिक्षक के पदों की स्वीकृति दी गई है। इसके लिए राज्य सरकार ने 7360 पदों का सृजन किया है। सभी मिडिल और हाई स्कूलों में एक-एक कंप्यूटर टीचर का पद सृजन किया गया है। बिहार मंत्रिपरिषद ने उर्जा विभाग, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, नगर विकास एवं आवास विभाग, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, स्वास्थ्य विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग, शिक्षा विभाग समेत अन्य विभागों से जुड़े महत्वपूर्ण एजेंडों पर मुहर लगाई है। उल्लेखनीय है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इन दिनों समाधान यात्रा पर निकले हुए हैं। इस-ाके कारण लंबे अंतराल के बाद कैबिनेट बैठक हुई। इससे पहले कैबिनेट बैठक 27 जनवरी को हुई थी। नीतीश कैबिनेट की बैठक में बिजली विभाग के लिए गोपालगंज में दो नए सब स्टेशन के लिए 123.83 करोड़ रुपये की नई योजना को स्वीकृति दी गई है।

एनआईडीजेएएम प्रतियोगिता के आयोजन के लिए छह करोड़ स्वीकृत किए गए हैं। जननायक कपूर्री ठाकुर छात्रावास निर्माण के लिए बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के लिए 6,71,72,000 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। इसके अलावा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत संचालित 38 राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय एवं 46 राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थान में गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम के अंतर्गत पीएचडी और एमटेक डिग्री में नामांकन के लिए शिक्षकों को अनुमति और अवकाश की स्वीकृति मिली है।

रसायनिक खाद के बढ़ते प्रयोग से मिट्टी में घट रही जैविक कार्बन, प्राकृतिक तरीके से करे इसकी रक्षा

मोतिहारी,(हि.स.)। रसायनिक खादों के अत्यधित प्रयोग के कारण न केवल पर्यावरणीय संकट बढ रहा है,बल्कि खेतों में जैविक कार्बन की मात्रा भी घट रही है।उक्त जानकारी जिले के पहाड़पुर स्थित परसौनी कृषि विज्ञान केन्द्र के मृदा विशेषज्ञ डा.आशीष राय ने हिन्दुस्थान समाचार को देते हुए बताया कि मिट्टी की हो रही जांच के आधार पर ऐसा सामने आया है,कि किसान भाईयो के द्धारा अधिक उपज की लालसा में बेतहाशा रसायनिक उर्वरक व कीटनाशक का प्रयोग किया जा रहा है जिससे मिट्टी मे न्यूनतम जैविक कार्बन की मात्रा 0.5 प्रतिशत से भी कम दर्ज की जा रही है।जबकि मिट्टी में जैविक कार्बन की मात्रा कम से कम 0.75% या उससे उपर होना चाहिए। उन्होने कहा कि विगत दो तीन दशको में रासायनिक खेती व ट्रैक्टर से खेत की जूताई -गुड़ाई के बढे प्रचलन के कारण मिट्टी के मित्र

माने जाने वाले केंचुए व अन्य लाभदायक जीवाणु का क्षरण हो रहा है ऐसे में किसान भाईयों को एक बार पुनः प्राकृतिक खेती की ओर रूख करना होगा।

डा.राय ने बताया कि प्रतिग्राम स्वस्थ मिट्टी अपने मूल स्वरूप में करोड़ों की संख्या में जीवाणु को साथ रखती है जो अपनी क्रियाओ से आवश्यक पोषक तत्वों को जमीन में गहराई से ऊपर लाकर भूमी को उपजाऊ बनाती है वहीं कुछ पोषक तत्व का लेग्युमिनस रूट्स से और मल्चिंग से आपूर्ति होती है। उन्होंने कहा कि इन जीवाणुओ को रसायनिक खाद के उपयोग ने काफी नुकसान पहुंचाया है। ऐसे में इनकी संख्या बढाने के लिए देशी गाय के गोबर के साथ प्राकृतिक रूप से तैयार पंचगव्य, जीवामृत, घनजीवामृत बीजामृत सहित अन्य साधनों का प्रयोग जरूरी है। उन्होने बताया कि देशी गाय के एक ग्राम गोबर में करोड़ों लाभकारी जीवाणु होते हैं।

संपादकीय

हजारों मौतों का जलजला

तुर्किए और सीरिया में ऐसा जलजला आया कि अल सुबह की घड़ी में जो नींद में डूबे थे, वे हमेशा के लिए ही सो गए। धरती कांपी और कांपती रही। खौफ और मौत की दहशत के वे लम्हे कैसे रहे होंगे? भोर में 4.17 बजे भूकंप की तीव्रता 7.8 थी, जो सब कुछ लील गई। घर, मकान, भवन, स्मारक, अट्टालिकाएं, पेड़, बिजली के खंभे, गैस पाइपलाइन और हवाई अड्डे का रन-वे आदि, देखते ही देखते, जमींदोज हो गए। तुर्किए के 10 बड़े शहर 'मलबा' हो गए। जो बसेरे थे, वे खंडहर हो गए। मंगलवार सुबह तक जलजले ने 4365 जिंदगियां छीन ली थीं और 15,000 से ज्यादा घायल बताए गए थे। तुर्किए की 3470 से ज्यादा इमारतें जमींदोज हो चुकी हैं। जो जिंदा बचे हैं, उनके लिए बरबस ही 'भगवान' याद आते हैं- 'जिसको राखे साइयां, मार सके ना कोय।' जलजला एकबारगी नहीं था। तीन बार धरती भयावह रूप से कांपी। अलबत्ता सोमवार की शाम तक तुर्किए और सीरिया के लोग 78 झटके महसूस कर चुके थे। तबाही और बर्बादी के बाद भी मंगलवार को भूकंप का कंपन महसूस किया गया। इन जलजलों ने तुर्किए को एक देश के तौर पर बर्बाद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी, क्योंकि तुर्किए गंभीर आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है। वहां की मुद्रा का बेहद अवमूल्यन हो चुका है। देश पर भारी कजर्र है। आम चुनाव 14 मई को होने थे, लेकिन विनाश के ऐसे दौर में उन्हें स्थगित किया जा सकता है। इस समय तुर्किए में बर्फीली और कंपा देने वाली सर्दी पड़ रही है। तापमान शून्य से भी नीचे है। ऐसे दौर में लोग बेघर और बर्बाद हुए हैं। उनकी जिंदगी कैसे चलेगी? बीते 3 सालों के दौरान यह तीसरा बड़ा भूकंप है और 24 सालों के दौरान वहां हजारों नागरिक मारे जा चुके हैं। विशेषज्ञ 100 सालों के दौरान इसे सबसे भयानक और तीव्र भूकंप मान रहे हैं। इसे 1939 के जलजले की पुनरावृत्ति भी माना जा रहा है, क्योंकि तब भी रिक्टर स्केल पर तीव्रता 7.8 मापी गई थी। उसमें 30,000 से ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण मौतें हुई थीं। वर्ष 1999 वाले भूकंप में भी करीब 18,000 लोग मारे गए थे, लिहाजा आशंका है कि मौत का आंकड़ा 'अकल्पनीय' स्तर तक बढ़ सकता है। बेशक तुर्किए सबसे खतरनाक भूकंप संवेदी देशों में गिना जाता है। वहां ऐसे जलजलों का इतिहास रहा है, लेकिन वह दुनिया के खूबसूरत देशों में भी शामिल है। यह अजीब विरोधाभास है। कुदरत ने एक ही झटके में तुर्किए को ध्वस्त कर बदरूप बना दिया। 'मलबे का ढेर' बना दिया। कितना बौना और असहाय है मनुष्य! वह चांद, मंगल ग्रह तक पहुंच सकता है, लेकिन जमीन के भीतर की करवटों और टकराहटों से नहीं जीत पाया है। इन जलजलों ने तुर्किए, सीरिया को ही तबाह नहीं किया, बल्कि लेबनान, साइप्रस, इराक, यूनान, डेनमार्क, इजरायल और फलस्तीन आदि देशों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। वहां के जान-माल के नुकसान के ब्योरे प्रतीक्षित हैं। तुर्किए में आपातकाल और राष्ट्रीय शोक की घोषणा की गई है। स्कूल-कॉलेज बंद रहेंगे। बहरहाल ये तो सरकारी औपचारिकताएं हैं, लेकिन गंभीर चुनौती यह है कि अब जिंदगियां बचाने की जंग कैसे लड़ी जाएगी। सकारात्मक है कि अमरीका, यूरोपीय देशों से लेकर भारत तक ने सहयोग और मदद के हाथ बढ़ाए हैं। भारत ने एनडीआरएफ की 100 सदस्यीय टीमों के साथ डॉग दस्ता, मेडिकल टीम और जरूरी दवाएं भेजी हैं।

जलजला एकबारगी नहीं था। तीन बार धरती भयावह रूप से कांपी। अलबत्ता सोमवार की शाम तक तुर्किए और सीरिया के लोग 78 झटके महसूस कर चुके थे। तबाही और बर्बादी के बाद भी मंगलवार को भूकंप का कंपन महसूस किया गया। इन जलजलों ने तुर्किए को एक देश के तौर पर बर्बाद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी, क्योंकि तुर्किए गंभीर आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है। वहां की मुद्रा का बेहद अवमूल्यन हो चुका है। देश पर भारी कजर्र है। आम चुनाव 14 मई को होने थे, लेकिन विनाश के ऐसे दौर में उन्हें स्थगित किया जा सकता है। इस समय तुर्किए में बर्फीली और कंपा देने वाली सर्दी पड़ रही है। तापमान शून्य से भी नीचे है। ऐसे दौर में लोग बेघर और बर्बाद हुए हैं। उनकी जिंदगी कैसे चलेगी? बीते 3 सालों के दौरान यह तीसरा बड़ा भूकंप है और 24 सालों के दौरान वहां हजारों नागरिक मारे जा चुके हैं। विशेषज्ञ 100 सालों के दौरान इसे सबसे भयानक और तीव्र भूकंप मान रहे हैं।

कुछ अलग

खेल मानचित्र के लिए

खेल नीति के बड़े दरवाजों के नीचे कहीं स्कूली या ग्रामीण खेलें दब न जाएं। कहां तो जयराम सरकार ने भी एक 'खेल नीति' बनाई थी और कहां आज फिर हिमाचल को चाहिए एक नई नवेली 'खेल नीति'। पिछले कुछ सालों से प्रदेश में कम से कम 'खेल नीति' पर विचार-विमर्श तो शुरू हुआ है, वरना यह मंत्रालय गौण था। अब तेज-तर्रार व युवा मंत्री विक्रमादित्य सिंह अपने दायित्व में खेल वातावरण की सघन खोज में हरियाणा की नीति से ऐसा कुछ हासिल करना चाहते हैं ताकि समग्रता से कुछ किया जा सके। वैसे पिछली सरकार के खेल मंत्री रहे राकेश पठानिया ने भी 'खेल नीति' के तहत कई लारे-लप्पे लगाए, लेकिन नूरपुर स्टेडियम के अलावा उनके कार्यकाल ने अन्य कोई इबारत नहीं लिखी। कुछ यही रिपोर्ट कार्ड केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से प्रदेश की अभिलाषा का भी रहा है, जहां सारी योजनाएं-परियोजनाएं धरी की धरी रह गईं। हालांकि इस बार केंद्रीय खेल बजट में करीब तीन सौ पैंतीस करोड़ का इजाफा हुआ है, लेकिन भारतीय खेल प्राधिकरण को पिछले वर्ष से 132 करोड़ अधिक मिल रहे हैं। इसके अतिरिक्त खेलो इंडिया खेलो को हजार करोड़ तथा खेल संघों को 325 करोड़ मिल रहे हैं। मणिपुर के खेल विश्वविद्यालय को पिछले साल के 91 करोड़ के मुकाबले 107 करोड़ की राशि आवंटित हो रही है। जाहिर है पिछली राज्य सरकार और केंद्रीय सरकार के कई प्रस्ताव धूल चाटते मिल जाएंगे, तो अब नए सिरे से खेलों की प्रस्तावना और योजनाओं का खाका बनेगा। हिमाचल न केवल हरियाणा, बल्कि कई अन्य राज्यों और खास तौर पर मणिपुर से बहुत कुछ सीख सकता है, बशर्ते सारे प्रयास खिलाड़ियों की खोज से शुरू होकर उनके खेल भविष्य को सुनिश्चित करें। पहले ही हिमाचल सरकार ने खेल स्कूलों व खेल महाविद्यालयों की शुरुआत करने की घोषणा कर रखी है और अगर इस तरह खेल करिअर को बुनियादी सहूलियतें, प्रशिक्षण तथा आगे बढने की गारंटी मिले, तो खेल वातावरण सुदृढ़ होगा। हिमाचल को सर्वप्रथम खेल संघों के सजावटी नेतृत्व से निजात चाहिए और कुछ खेलों पर केंद्रित होकर लक्ष्य निर्धारित करने होंगे। क्रिकेट एसोसिएशन ने खिलाडियों के चयन से प्रशिक्षण तक जिस व्यवसायीकरण को तराशा, उसके नतीजे सामने हैं। हिमाचल के क्रिकेट खिलाड़ी आज राष्ट्रीय टीमों में स्थान बना रहे हैं, तो यह योगदान महिला एवं पुरुष क्रिकेट अकादमियों का है। साई के दो छात्रावासों के माध्यम से कुछ खेलों में हिमाचली प्रतिभा आगे बढ़ी है, लेकिन न तो हाई आल्टीट्यूट प्रशिक्षण केंद्र बना और न ही पूरे प्रदेश में विभिन्न खेलों के उचित प्रशिक्षण को स्थान मिला। एक गंभीर कोशिश तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल के दौर में हुई जब एक साथ कई निपुण कोच नियुक्त किए गए तथा सिंथैटिक ट्रैक तथा एस्ट्रोटर्फ बिछाने की पहल हुई। बेशक इस बीच कुछ इंडोर स्टेडियम भी तैयार हुए या स्वीमिंग के लिए अधोसंरचना पर काम हुआ, लेकिन समग्रता से राज्य का खेल मानचित्र अभी तक तैयार नहीं हुआ। हमारा मानना है कि खेलों में क्रांति लाने के लिए टैलेंट हंट की जरूरत है और इसके लिए हरियाणा, पंजाब, मणिपुर, कर्नाटक व महाराष्ट्र के आदर्श हमारे सामने हैं।

इसके अतिरिक्त खेलो इंडिया खेलो को हजार करोड़ तथा खेल संघों को 325 करोड़ मिल रहे हैं। मणिपुर के खेल विश्वविद्यालय को पिछले साल के 91 करोड़ के मुकाबले 107 करोड़ की राशि आवंटित हो रही है। जाहिर है पिछली राज्य सरकार और केंद्रीय सरकार के कई प्रस्ताव धूल चाटते मिल जाएंगे, तो अब नए सिरे से खेलों की प्रस्तावना और योजनाओं का खाका बनेगा।हिमाचल न केवल हरियाणा, बल्कि कई अन्य राज्यों और खास तौर पर मणिपुर से बहुत कुछ सीख सकता है, बशर्ते सारे प्रयास खिलाडि़यों की खोज से शुरू होकर उनके खेल भविष्य को सुनिश्चित करें।

मोदी के नेतृत्व में एक नई सभ्यता और एक नई संस्कृति गढ़ी जा रही है

युवाओं की भागीदारी के बिना नया भारत कैसे बनेगा?

ललित गर्ग

यदि भारत की बात करें, तो देश की युवा पीढ़ी के लिए सरकारी नौकरी सबसे ज्यादा आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। यदि व्यक्तित्व में कर्मठता और ईमानदारी के साथ-साथ जिम्मेदारी का अहसास भी हो तो, किसी भी सेक्टर की नौकरी के प्रति अति आकर्षण कोई बुरी बात नहीं है। नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि आज सपने देखना और आकांक्षाओं को उड़ान देना, यही युवा की पहचान होती है। फिर ऐसे क्या कारण है कि भारत का युवा कुछ विलक्षण, अद्भुत एवं अनूठा करने की बजाय नौकरी तक ही उलझा है? कभी अमेरिका के वर्जीनिया में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को अमेरिका बनाकर दिखाने का संकल्प व्यक्त किया था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युवावस्था में अपनी डायरी के पन्नों पर 'न्यू इंडिया' और 'युवा भारत' का जो सपना शब्दों में पिरोया था, वह आज साकार होता नजर आ रहा है। भारत मजबूती से लगातार नई पहल के साथ आगे बढ़ रहा है। जिस तरह से भारत ने मोदी के नेतृत्व में चुनौतियों का सामना किया है, वह अपने आप में काबिले तारीफ है। यह निश्चित है कि मोदी के नेतृत्व में एक नई सभ्यता और एक नई संस्कृति गढ़ी जा रही है। नये विचारों, नये इंसानी रिश्तों, नये सामाजिक संगठनों, नये रीति-रिवाजों और नयी जिंदगी की हवायें लिए हुए आजाद मुल्क की गाथा सुनाता भारत एक बड़ा सवाल लेकर भी खड़ा है कि हम अपनी बुनियाद यानी युवाओं के सपनों को कब पंख लगायेंगे? कब उनकी निराशा की बदलियों की धूंध को दूर करेंगे? देश की युवापीढ़ी की जरूरतों को कब पूरा करेंगे एवं कब उन्हें परेशानियों से मुक्त करेंगे? यह एक बड़ा सवाल है। कहते हैं कि युवा देश की धड़कन ही नहीं, उसके भविष्य का नियामक और नियंता भी होता है। स्वामी विवेकानंद ने जिस युवा पीढ़ी की ऊर्जा और राष्ट्रीय चरित्र की बात कही थी, वह आज बिखरी सी क्यों नजर आ रही है? केंद्र सरकार की एक रिपोर्ट के अनुसार अगले 15 साल में 100 में से 77 लोग बूढ़े होंगे। सतत विकास के एजेंडे की बात करें, तो अंतरराष्ट्रीय समुदाय और संयुक्त राष्ट्र सन 2030 तक युवा रोजगार के अवसरों एवं शिक्षा-प्रशिक्षण में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यदि भारत की बात करें, तो देश की युवा पीढ़ी के लिए सरकारी नौकरी सबसे ज्यादा आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। यदि व्यक्तित्व में कर्मठता और ईमानदारी के साथ-साथ जिम्मेदारी का अहसास भी हो तो, किसी भी सेक्टर की नौकरी के प्रति अति आकर्षण कोई बुरी बात नहीं है। नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि आज सपने देखना और आकांक्षाओं को उड़ान देना, यही युवा की पहचान होती है। फिर ऐसे क्या कारण है कि भारत का युवा कुछ विलक्षण, अद्भुत एवं अनूठा करने की बजाय नौकरी तक ही उलझा है? कभी अमेरिका के वर्जीनिया में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को अमेरिका बनाकर दिखाने का संकल्प व्यक्त किया था। बहत्तर वर्ष के मोदी ने अपनी इसी जिन्दगी में ऐसा करने का विश्वास व्यक्त करना कहीं अतिश्योक्ति तो नहीं है? लेकिन बड़े सपने हमें वहां तक नहीं तो

उसके आसपास तो पहुंचा ही देते हैं, इसलिये मोदी के इस संकल्प को सकारात्मक नजरिये से ही देखा जाना देश के हित में है। उन्होंने बड़े सपने लिया और उन्हें पूरा भी किया। लेकिन इन सुनहरे सपनों के बीच का यथार्थ बड़ा डरावना एवं बेचैनियों भरा है। देश की युवापीढ़ी बेचैन है, परेशान है, आकांक्षी है और उसके सपने लगातार टूट रहे हैं। देश का व्यापार धराशायी है, आमजनता अब शंका करने लगी है। इन हालातों में नया भारत बनाना या उसे अमेरिका बनाकर दिखाना एक बड़ी चुनौती है। विकसित देशों में युवा 20 साल का होते-होते अपने स्वयं के इनोवेशन के लिए काम करने लगता है। बार-बार फेल होकर भी वह सफलता की ऊंचाई छूने की कोशिश में लगा रहता है। मगर भारत के हालात अलग हैं। कितना हास्यास्पद है कि हमने कुछ सरकारी नौकरियों को इतना महिमामंडित कर दिया है कि हर व्यक्ति वही नौकरी करना चाहता है, जिसमें दबंगई हो, प्रतिष्ठा हो, जी-हजूरी करने वालों की फौज हो, सुविधावाद हो। विकास को आकार देने में जुटे समाज में दबंगई की जरूरत ही क्या है। उधर उच्च शिक्षण संस्थान पढ़ाई की बजाय राजनीति के केंद्र बन रहे हैं। राजनीति बुरी नहीं, मगर आलम यह है कि वहां ऐसे नेता नजर आते हैं, जिनका पढ़ाई से कोई लेना-देना नहीं है। वे समय-समय पर बस अपनी ताकत ही दिखाते रहते हैं। हमने आजादी का अमृत महोत्सव मना लिया और अब भी हम अपने युवाओं को पुरानी मानसिकता से बाहर निकालकर रिसर्च और इनोवेशन के लिए तैयार ही नहीं कर पा रहे। चीन और जापान की तरह उन्हें उत्पादक नहीं बना पा रहे हैं। भारत नया बनने के लिए, स्वर्णिम बनने के लिए, अनूठा बनने के लिए और उसे अमेरिका बनाकर दिखाने के लिये अतीत का बहुत बड़ा बोझा हम पर है। बेशक हम नये शहर बनाने, नई सड़कें बनाने, नये कल-कारखानें खोलने, नई तकनीक लाने, नई शासन-व्यवस्था बनाने के लिए तत्पर हैं लेकिन मूल प्रश्न है इनमें युवाओं की भागीदारी कब सुनिश्चित करेंगे और कब हम उनकी अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे? भारत में आबादी का छठा हिस्सा बेरोजगार है और हम वैश्वीकरण की ओर जा रहे हैं, अमेरिका बनने की सोच रहे है, नया भारत बना रहे हैं। यह खोखलापन है। बहुत आवश्यक है संतुलित विकास की अवधारणा बने। केवल एक ही हाथ की मुट्ठी भरी हुई नहीं हो। दोनों मुट्ठियां भरी हों। वरना न हम नया भारत बना पायेंगे और न हम अमेरिका जैसा बन पायेंगे।

अमृत महोत्सव का माहौल है। अमृत काल है, जो हमें पीछे मुड़कर देखते हुए भविष्य के सपने बुनने के लिये पुनरावलोकन की मांग करता है कि हमें पहुंचना कहां था और हम जा किधर रहे हैं? सवाल उठता है कि भारत की धीमी प्रगति का एक कारण कहीं सरकारी नौकरी के प्रति युवाओं का अति लगाव, सरकारी तंत्र का भ्रष्टाचार में लिप्त होने के साथ-साथ कामकाज की तुलना में अधिक तनख्वाह एवं सुविधाएं देना तो नहीं है? आजादी के 75 साल बाद भी 92 प्रतिशत युवाओं में खतरों को मौल लेने की क्षमता ही नहीं विकसित हो पाई। आखिर वे सिर्फ सरकारी अथवा गैर सरकारी नौकरी से चिपक कर अपना जीवनयापन क्यों करना चाहते हैं? यह बात सच है कि बिना खतरे उठाए सफलता की ऊंचाई प्राप्त नहीं की जा सकती, नया भारत नहीं बनाया जा सकता। ऐसा लगता है कि देश का अधिकांश युवा वर्ग बिना पानी में उतरे तैरने का चैंपियन बनना चाहता है। विकास के बड़े और लुभावनें सपनों के साथ-साथ हम विवेक को कायम रखें, नैतिक मूल्यों एवं मौलिक सृजन को जीवन का आधार बनाएं। जिस प्रकार गांधीजी ने 'मेरे सपनों का भारत' पुस्तक लिखी, उन्होंने अपने सपनों में हिन्दुस्तान का एक प्रारूप प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने गरीबी, धार्मिक संघर्ष, अस्पृश्यता, नशे की प्रवृत्ति, मिलावट, रिश्वतखोरी, शोषण, दहेज और वोटों की खरीद-फरोख्त को विकास के नाम विध्वंस का कारण माना। उन्होंने स्टैंडर्ड ऑफ लाइफ के नाम पर भौतिकवाद, सुविधावाद और अपसंस्कारों का जो समावेश हिन्दुस्तानी जीवनशैली में हुआ है उसे उन्होंने हिमालयी भूल के रूप में व्यक्त किया है। लगता है हमने युवा हाथों में विकास के सपने थमाने की बजाय सुविधावाद थमा दिया।

स्कूली शिक्षा के लिए संघर्ष

निश्चित रूप से इस कानून की अपनी सीमाएं रही हैं, जैसे 6 वर्ष से कम और 14 वर्ष से अधिक आयु समूह के बच्चों को इस कानून के दायरे से बाहर रखना, शिक्षा की गुणवत्ता पर पर्याप्त जोर नहीं देना, इस कानून के पीछे की मंशा और और पिछले दस वर्षों के दौरान जिस तरह से इसे अमल में लाया गया है, उसमें काफी फर्क है। क्या यह जरूरी नहीं कि शिक्षा का अधिकार कानून के क्रियान्वयन की समीक्षा की जाए, जो महज आंकड़ों के मकड़ज़ाल से आगे बढ़ते हुए शिक्षा का अधिकार कानून के बुनियादी सिद्धांतों पर केन्द्रित हो। कहना न होगा कि एक दशक बाद शिक्षा का अधिकार कानून की उपलब्धियां सीमित हैं। इस कानून को लागू करने के लिए जिम्मेदार लोग पिछले अनेक सालों के दौरान इससे अपना पीछा छुड़ाते हुए दिखाई पड़ रहे हैं। क्या पिछले दस वर्षों के दौरान केंद्र और राज्य सरकारें आरटीई को लागू करने में उदासीन रही हैं?इस बात के गवाह रहे हैं कि छात्र किस तरह से भारत की स्कूली शिक्षा की अधोसंरचना, पर्याप्त शिक्षकों की नियुक्ति व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए उपेक्षा से जूझता रहे हैं।

इसके बाद केंद्र और राज्य सरकारों की कानूनी रूप से यह बाध्यता हो गई कि वे 6 से 14 साल आयु समूह के भारत के सभी बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा उपलब्ध कराएं। आजादी के 62 वर्षों बाद पहली बार एक ऐसा कानून बना था जिससे 6 से 14 साल के सभी बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा प्राप्त करने का मौलिक अधिकार हासिल हो सका। निश्चित रूप से इस कानून की अपनी सीमाएं रही हैं, जैसे 6 वर्ष से कम और 14 वर्ष से अधिक आयु समूह के बच्चों को इस कानून के दायरे से बाहर रखना, शिक्षा की गुणवत्ता पर पर्याप्त जोर नहीं देना, इस कानून के पीछे की मंशा और और पिछले दस वर्षों के दौरान जिस तरह से इसे अमल में लाया गया है, उसमें काफी फर्क है। क्या यह जरूरी नहीं कि शिक्षा का अधिकार कानून के क्रियान्वयन की समीक्षा की जाए, जो महज आंकड़ों के मकडज़ाल से आगे बढ़ते हुए शिक्षा का अधिकार कानून के बुनियादी सिद्धांतों पर केन्द्रित हो। कहना न होगा कि एक दशक बाद शिक्षा का अधिकार कानून की उपलब्धियां सीमित हैं। इस कानून को लागू करने के लिए जिम्मेदार लोग पिछले अनेक सालों के दौरान इससे अपना पीछा छुड़ाते हुए दिखाई पड़ रहे हैं। क्या पिछले दस वर्षों के दौरान केंद्र और राज्य सरकारें आरटीई को लागू करने में उदासीन रही हैं? इस बात के गवाह रहे हैं कि छात्र किस तरह से भारत की स्कूली शिक्षा की अधोसंरचना, पर्याप्त शिक्षकों की नियुक्ति व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए उपेक्षा से जूझता रहे हैं। इस बात का विश्लेषण किया जाए कि पिछले कई वर्षों के दौरान आरटीई स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने में क्यों विफल साबित हुआ है। आज प्राथमिक स्कूलों में नामांकन तो हो गए हैं लेकिन स्कूलों में बच्चों के टिके रहने की चुनौती अभी भी बरकरार है। इसी के साथ ही आज भी बड़े पैमाने पर अनेक राज्यों में सरकारी स्कूल बुनियादी ढांचागत सुविधाओं, जरूरी संसाधन, शिक्षा के लिए माहौल और शिक्षकों की भारी कमी से जूझ रहे हैं। सार्वजनिक शिक्षा एक आधुनिक विचार है जिसमें सभी बच्चों को, चाहे वे किसी भी लिंग, जाति, वर्ग, भाषा आदि के हों, शिक्षा उपलब्ध कराना हमारा कर्तव्य है। गौरतलब है कि भारत एक ऐसा मुल्क है जहां सदियों तक शिक्षा पर कुछ खास का एकाधिकार रहा है। यह सिलसिला औपनिवेशिक काल में टूटा, जब भारत में स्कूलों के माध्यम से सबके लिए शिक्षा का प्रबंध किया गया। अंग्रेजी हुकूमत द्वारा स्थापित स्कूल-कालेज सभी भारतीयों के लिए खुले थे। अंग्रेजों द्वारा स्पष्ट नीति अपनाई गई कि जाति और समुदाय के आधार पर किसी भी बच्चे को इन स्कूलों में प्रवेश से इंकार नहीं किया जाएगा। यह एक बड़ा बदलाव था जिसने सभी भारतीयों के लिए शिक्षा का दरवाजा खोल दिया। आजादी के बाद इस प्रक्रिया में और तेजी आई। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 29 में भारत के सभी नागरिकों को धर्म, मूलवंश, जाति या भाषा के किसी भेदभाव के बिना किसी भी शिक्षा संस्थान में भर्ती होने का अधिकार दिया गया। वैसे शिक्षा का अधिकार कानून की कुछ खूबियां भी हैं। साल 2010 में शिक्षा का अधिकार कानून के लागू होने के बाद पहली बार केंद्र और राज्य सरकारों की कानूनी जवाबदेही बनी कि वे 6 से 14 साल तक के सभी बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा की व्यवस्था करेंगे। लेकिन इसी के साथ ही इस कानून की सबसे बड़ी सीमा यह रही है कि इसने सार्वजनिक और निजी स्कूलों के अंतर्विरोध से कोई छेड़छाड़ नहीं की। शिक्षा का अधिकार कानून ने न केवल शिक्षा की दोहरी व्यवस्था को बनाए रखा है बल्कि इसे मजबूत बनाने में भी मददगार साबित हुआ है। इसने सरकारी स्कूलों को 'मजबूरी की शाला' में बदलने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। जो लोग सक्षम हैं उनकी दौड़ पहले से ही प्राइवेट स्कूलों की तरफ है। इस स्थिति को हमें बदलना होगा। बहरहाल पिछले तीन दशकों के दौरान दुनिया बहुत तेजी से बदली भी है और इसी के साथ ही देश-दुनिया की शिक्षा प्रणाली बढ़ती जरूरतों और मांगों के अनुसार कई बदलावों से गुजरी है। दुर्भाग्य से भारत में कुछ खास वर्ग ही इन बदलाव का फायदा उठा पा रहे हैं। देश की एक बड़ी जनसंख्या, जिसमें मुख्य रूप से गरीब, अल्पसंख्यक और परम्परागत रूप से हाशिये पर रखे गए समुदाय शामिल हैं, की शिक्षा तक पहुंच नहीं हो सकती है। इस बदली हुई दुनिया में ज्ञान पर एकाधिकार की एक नयी व्यवस्था बनी है जिसमें पूंजी और बाजार की एक बड़ी भूमिका है। इससे शिक्षा के मूल और मौलिक अधिकार पर सभी की बराबर पहुंच पर कुठाराघात लगा है। कटु सत्य है कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान शिक्षा का फैलाव तो हुआ है, लेकिन इसका विभाजन भी बहुत गहरा हुआ है। इस नए विभाजन के दो बिंदु हैं। जहां एक तरफ कुछ चुनिन्दा कुलीन और संभ्रांत स्कूल हैं तो दूसरी तरफ सरकारी और गली मुहल्लों में चलने वाले छोटे और मध्यमस्तर प्राइवेट स्कूल हैं। इन तमाम चुनौतियों से उभरने के हमें दो स्तरों पर उपाय करने की जरूरत है। एक तो आरटीई के दायरे में रहते हुए जरूरी कदम उठाने ही होंगे, साथ ही शिक्षा का अधिकार कानून को और प्रभावशाली बना कर भी आगे बढना होगा। प्राथमिक शिक्षा में लगभग शत प्रतिशत नामांकन के करीब पहुंचने के बाद आरटीई को सभी बच्चों के लिये प्राथमिक शिक्षा के लिये अवसर का कानून की भूमिका से आगे बढ़ते हुए सभी बच्चों के लिये गुणवत्तापूर्ण और समान शिक्षा के लक्ष्य की ओर आगे बढना होगा। अब नामांकित बच्चों के नियमितीकरण और उन्हें अधिक समय तक स्कूल शिक्षा में रोके रखने के लिये तत्काल ठोस उपाय किये जाने की जरूरत है। इसका सीधा सम्बन्ध शिक्षा की गुणवत्ता से जुड़ा हुआ है। माननीय हाई कोर्ट का फैसला प्रशंसनीय है क्योंकि इसमें फीस न दे पाने पर छात्र की पीड़ा पर मरहम लगायी गयी है जबकि यह काम शिक्षा प्रशासन का है। स्कूली शिक्षा देश के सभी बच्चों को आसानी से मिले, यह हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। पैसे की कमी के कारण गरीब के बेटे और बेटी के लिए गुणात्मक स्कूली शिक्षा प्राप्त करने में रुकावट नहीं बननी चाहिए। इस बात में दो राय नहीं कि आज भी देश के लाखों बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा प्राप्त करना संघर्ष है। देश के सभी स्कूल यदि शाम को जब उनका इन्फ्रा फ्री रहता है, सिर्फ दो घंटे की मुफ्त शिक्षा की सुविधा मजदूरी करते गरीब छात्रों को दें तो शिक्षा के लिए यह बेहतर होगा।

नागरिक बोध

दुबई में विदेश नीति का डंका

दुबई के इस चार दिन के प्रवास में मेरा कुछ समय तो समारोहों में बीत गया लेकिन शेष समय कुछ खास-खास लोगों से मिलने में बीता। अनेक भारतीयों, अफगानों, पाकिस्तानियों, ईरानियों, नेपालियों, रूसियों और कई अरब शेखों से खुलकर संवाद हुआ। इस संवाद से पहली बात तो मुझे यह पता चली कि दुबई के हमारे प्रवासी भारतीयों में भारत की विदेश नीति का बहुत सम्मान है। हम लोग नरेंद्र मोदी और विदेश नीति की कई बार दिल्ली में कटु आलोचनाएं भी सुनते हैं लेकिन यहां तो उसका असीम सम्मान है। संयुक्त अरब अमारात के टीवी चैनलों और अखबारों का स्वर भी इस राय से काफी मिलता-जुलता है। पड़ौसी देशों के प्रमुख लोगों ने, इधर मैं जो दक्षिण और मध्य एशिया के 16 देशों का जन-दक्षेस नामक नया संगठन खड़ा कर रहा हूँ, उसमें भी पूर्ण सहयोग का इरादा प्रकट किया है। मुझे यह जानकर और भी अच्छा लगा कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के कुछ प्रमुख लोगों ने भारत द्वारा काबुल को प्रेषित 50 हजार टन अनाज और दवाइयों की पहल की बहुत तारीफ की। उनका सुझाव यह भी था कि इस संकट के वक्त यदि भारत पाकिस्तान की मदद के लिए हाथ बढ़ा दे तो पाकिस्तान की जनता मोदी की मुरीद हो जाएगी। यदि शाहबाज़ शरीफ और फौज मोदी की दरियादिली को नकार दें तो उनकी काफी किरकिरी हो सकती है। इसी प्रकार कई प्रमुख अफगान नेताओं ने मुझसे सुदीर्घ वार्ताओं में कहा कि वे भारत सरकार द्वारा दी गई मदद से तो अभिभूत हैं ही, लेकिन वे ऐसा मानते हैं कि अफगानिस्तान की अस्थिरता को यदि कोई मुल्क खत्म कर सकता है तो सिर्फ भारत ही कर सकता है। अमेरिका और रूस ने अफगानिस्तान में फौजें भेजकर देख लिया, करोड़ों रूबल और डॉलर उन्होंने वहां बहा दिए और बड़े बेआबरू होकर वे वहां से निकले। उनका मानना है कि अकेला भारत अगर पहल करे और अमेरिका के जो बाइडन या कमला हैरिस और ब्रिटेन के ॠषि सुनाक को अपने साथ जोड़ ले तो अफगानिस्तान में शांति और व्यवस्था कायम हो सकती है। इन तीनों राष्ट्रों की संयुक्त पहल को मानने से न तो तालिबान इन्कार कर सकते हैं, न ही पूर्व अफगान राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री और न ही पाकिस्तान! यूक्रेन के मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने जैसा संतुलित रवैया अपनाया है, उसने विश्व राजनीति में भारत की छवि को चमका दिया है।

देश दुनीया से

सेना पर बेतुकी बयानबाजी रुकनी चाहिए

'हमें अलग रहने दें'- यह शीर्षक भारतीय सेना के साबिक जनरल 'वेद प्रकाश मलिक' की पुस्तक 'कारगिल : एक अभूतपूर्व विजय' के एक अध्याय का है। सेना के शौर्य पर उठ रहे सवालों के मद्देनजर देश के लिए चार युद्धों में भाग ले चुके सेना के पूर्व जरनैल की 'हमें अलग रहने दें' वाली जज्बाती तहरीर सही साबित हो रही है। 1999 की कारगिल जंग के दौरान वीपी मलिक भारतीय सेनाध्यक्ष थे। कारगिल की उसी शदीद जंग में भारतीय सेना ने अपने प्रचंड पराक्रम से 17 हजार फीट की बुलंदी पर मौजूद कारगिल के पहाड़ों पर घुसपैठ कर चुकी पाक फौज को अपनी कयामत की दुआ मांगने पर मजबूर कर दिया था। 29 अगस्त 1999 को कश्मीर में देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले हिमाचल के शूरवीर मेजर 'सुधीर वालिया' 'अशोक चक्र' (मरणोपरांत) कारगिल युद्ध के समय जरनल वीपी मलिक के एडीसी थे। लेकिन युद्ध के दौरान ही सुधीर वालिया ने तत्कालीन सेनाध्यक्ष से एक योद्धा की तरह कारगिल जंग के महाज पर जाने की अनुमति मांग कर अपने मोहिब्ब-ए-वतन के जज्बात जाहिर कर दिए थे। कारगिल में 25 जुलाई 1999 को 'जुलु टॉप' की भीषण जंग में पाक सेना की मंसूबाबंदी को नेस्तनाबूद करके वहां कब्जा करने में मेजर सुधीर वालिया ने अहम भूमिका निभाई थी। भावार्थ यह है कि सामरिक विषयों की अधूरी जानकारी के बिना सेना पर बेतुकी बयानबाजी करने वाले सियासतदानों को भारतीय सैन्य पराक्रम के स्वर्णिम इतिहास का अध्ययन करके हिंदोस्तान की सैन्य हशमत से रूबरू होने की जरूरत है। यदि दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आबादी वाले देश भारत में विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक व्यवस्था महफूज है तो इसके पीछे हमारी सशस्त्र सेनाओं की मुस्तैदी है। मजबूत लोकतंत्र शक्तिशाली सैन्य तंत्र पर निर्भर करता है। सेना किसी सियासी दल या मजहबी जमात के लिए नहीं लड़ती। राष्ट्र सर्वप्रथम, राष्ट्र सर्वोपरि सेना की संस्कृति है। सेना की मुस्तैदी से ही देश के नागरिक जम्मू-कश्मीर जैसे संवेदनशील राज्य में भी सुरक्षित घूम रहे हैं। देश के तमाम इदारों पर हुक्मरानी करने वाले सियासी रहनुमाओं की सुरक्षा भी हमारे सशस्त्र बल ही सुनिश्चित करते हैं। 28 सितंबर 2016 को भारतीय सेना ने एलओसी के पार 'लक्षित हमले' को अंजाम देकर पीओके में मौजूद आंतकी लॉन्चपैड तबाह करके कई आंतकियों को जहन्नुम की परवाह पर भेजकर उड़ी हमले का इंतकाम लिया था। 29 फरवरी 2019 को भारतीय वायुसेना के जंगी विमानों ने नियंत्रण रेखा के पार पाकिस्तान के बालाकोट इलाके में स्थित आतंकी प्रशिक्षण शिवरों पर एयर स्ट्राइक करके सैकड़ों दहशतगर्दों का सफाया करके पुलवामा हमले में बलिदान हुए सीआरपीएफ के जवानों की शहादत का बदला लिया था। बालाकोट की एयर स्ट्राइक में भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान को जकात में मिले पाक जंगी विमान एफ-16 को भी मार गिराया था। भारतीय सेना द्वारा पीओके में की गई स्ट्राइक के खौफ की लर्जिश पाक सेना से लेकर उनके हुक्मरानों के चेहरे पर आज भी झलकती है। आतंक परस्त पाक के नामुराद हुक्मरान अमन के पैरोकार बनकर भारत से मुजाकरात को आमादा हो रहे हैं। भारत को एटम बमों से तबाह करने के ख्वाब देखने वाला पाकिस्तान खुद बर्बादी के मुहाने पर पहुंच चुका है। यदि पाक हुक्मरान अपने दिल-ए-नाशाद के साथ कई मुल्कों की कदमबोसी करके खैरात मांगने को मजबूर हैं तो यह भारत की कुशल सैन्य रणनीति व कूटनीति का परिणाम है। देश रक्षा में तैनात सशस्त्र सेनाओं तथा अन्य सुरक्षा एजेंसियों के काम करने का ढंग अत्यंत गोपनीय तरीके से होता है। ज्ञात रहे युद्ध हो या कोई अन्य सैन्य ऑपरेशन, सेना केवल जीतने के लिए लड़ती है। जंग का नतीजा कभी भी दूसरे या तीसरे स्थान पर नहीं आता।

कारगिल की उसी शदीद जंग में भारतीय सेना ने अपने प्रचंड पराक्रम से 17 हजार फीट की बुलंदी पर मौजूद कारगिल के पहाड़ों पर घुसपैठ कर चुकी पाक फौज को अपनी कयामत की दुआ मांगने पर मजबूर कर दिया था। 29 अगस्त 1999 को कश्मीर में देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले हिमाचल के शूरवीर मेजर 'सुधीर वालिया' 'अशोक चक्र' (मरणोपरांत) कारगिल युद्ध के समय जरनल वीपी मलिक के एडीसी थे। लेकिन युद्ध के दौरान ही सुधीर वालिया ने तत्कालीन सेनाध्यक्ष से एक योद्धा की तरह कारगिल जंग के महाज पर जाने की अनुमति मांग कर अपने मोहिब्ब-ए-वतन के जज्बात जाहिर कर दिए थे। कारगिल में 25 जुलाई 1999 को 'जुलु टॉप' की भीषण जंग में पाक सेना की मंसूबाबंदी को नेस्तनाबूद करके वहां कब्जा करने में मेजर सुधीर वालिया ने अहम भूमिका निभाई थी।

दुनिया पर मंडरा रहा एक और व्यापक युद्ध का खतरा, गुटेरस ने कहा- डूम्सडे क्लॉक के मुताबिक वैश्विक तबाही करीब

संयुक्त राष्ट्र।

विश्व निकाय के महासचिव एंतोनियो गुटेरस ने आगाह किया है कि दुनिया अभी तक के सबसे चुनौतीपूर्ण समय से गुजर रही है और उस पर एक व्यापक युद्ध का खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने यह बयान ऐसे समय में दिया है, जब यूक्रेन पर रूस के आक्रमण को इस माह के अंत में एक साल पूरा होने जा रहा है। गुटेरस ने कहा कि 2023 में दुनिया की स्थिति का सर्वेक्षण करने वाले विशेषज्ञों का दावा है कि 'डूम्सडे क्लॉक' में मध्य रात्रि (रात के 12 बजे) होने में अभी केवल 90 सेकंड का वक्त बचा है, जो पूर्ण वैश्विक तबाही के सबसे करीब है। 'बुलेटिन ऑफ द एटॉमिक साइंटिस्ट्स' के अनुसार, 'डूम्सडे क्लॉक' मानव निर्मित वैश्विक तबाही की आशंका को दर्शाने वाला प्रतीक है। विश्व निकाय के महासचिव ने यूक्रेन में युद्ध का जिक्र करते हुए कहा , जलवायु तबाही, बढ़ते एटमी खतरे, दुनिया के अमीरों तथा वंचित वर्ग के बीच बढ़ती खाई और भू-राजनीतिक विभाजनज्वैश्विक एकजुटता व विश्वास को कम कर रहे हैं। गुटेरस ने 193 सदस्य देशों की महासभा से निकट भविष्य में फैसले करने के अपने नजरिए को बदलने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी कदम का कल हम पर क्या असर होगा उसे देखते हुए कार्रवाई करना गैर जिम्मेदाराना व अनैतिक है। उन्होंने कहा, दुनिया आंख बंद करके एक बड़े युद्ध की ओर नहीं बढ़ रही। बल्कि पूरी तरह स्थिति से सजग होकर उसकी ओर बढ़ रही है। संयुक्त राष्ट्र की अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएनडीपी) की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि हिंसक इस्लामी चरमपंथ का नया वैश्विक उपरिकेंद्र (एपिसेंटर) उप-सहारा अफ्रीका है। यहां लोग धार्मिक कारणों के बजाय आर्थिक कारकों के चलते इसमें तेजी से शामिल हो रहे हैं। मंगलवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, अफ्रीका में धार्मिक कारणों से चरमपंथी समूहों में शामिल होने वाले लोगों की संख्या में 57प्रतिशत की कमी आई है।

यूक्रेन, इस्राइल-फलस्तीन साहेल और अफगानिस्तान पर चिंतित

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा कि इस साल 'यूनिवर्सल डिक्लेरेशन ऑफ ह्यूमन राइट्स' (मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा) की 75वीं वर्षगांठ यह याद दिलाने वाली होनी चाहिए कि सभी लोगों के अपरिहार्य अधिकारों की नींव 'स्वतंत्रता, न्याय और शांति' है। गुटेरस ने कहा कि आज जिस बदलाव की जरूरत है, उसकी शुरुआत शांति से होनी चाहिए। इसकी शुरुआत यूक्रेन में होनी चाहि, जहां दुर्भाग्य से शांति की संभावनाएं कम होती जा रही हैं और तनाव तथा खून-खराबे की आशंका बढ़ रही है। इनके अलावा इस्राइल-फलस्तीन संघर्ष, अफगानिस्तान, अफ्रीका का साहेल क्षेत्र चिंताजनक स्थिति में हैं। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने अपनी सेना को युद्धाभ्यास का विस्तार करने और जंग की तैयारियों को मजबूत करने का आदेश दिया है। इसे उत्तर कोरिया के बढ़ते मिसाइल एवं हथियार परीक्षण कार्यक्रम से कोरियाई प्रायद्वीप में बढ़ते तनाव के बीच प्योंगयांग द्वारा शक्ति प्रदर्शन की एक और कवायद के रूप में देखा जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

प्रधानमंत्री गुणवर्धने बोले- संकट के समय भारत ने निभाई सच्ची दोस्ती; श्रीलंकाई पुलिस ने गोतबाया से की पूछताछ

कोलंबो । श्रीलंका के प्रधानमंत्री दिनेश गुणवर्धने ने भारत को संकट के समय श्रीलंका का सबसे बड़ा मित्र बताया है। उधर, अदालत के आदेश पर श्रीलंका पुलिस ने राष्ट्रपति कार्यालय से बड़ी मात्रा में नकदी मिलने के मामले में गोतबाया राजपक्षे का बयान दर्ज किया। कोलंबो में टाटा टिस्कॉन डीलर कन्वेंशन 2023 को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री गुणवर्धने ने भारतीय कंपनियों से श्रीलंका में और निवेश करने का आह्वान किया। श्रीलंका में भारतीय निवेश के बारे में प्रधानमंत्री गुणवर्धन ने कहा कि श्रीलंका में अशोक लेलैंड द्वारा उपयोग किए जाने वाले 90 प्रतिशत घटक स्वदेशी थे। टिस्कॉन डीलर कन्वेंशन 2023 कार्यक्रम में बोलते हुए उच्चायुक्त गोपाल बागले ने कहा कि भारत सरकार और भारतीय कॉर्पोरेट दोनों ऐसे संबंध बनाने के लिए काम कर रहे हैं जो प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की पड़ोस पहले नीति के तहत भारत के भीतर और बाहर के लोगों, विशेष रूप से पड़ोसियों के लिए फायदेमंद हैं। उच्चायुक्त ने कहा कि दोनों सरकारें लोगों से लोगों और व्यापार से व्यापार संबंधों को बढ़ावा दे रही हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार और वाणिज्यिक संबंधों में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। भारत 2021 में श्रीलंका के लिए सबसे बड़ा निवेशक और सबसे बड़ा निर्यातक भी रहा। इसके अलावा भारतीय कंपनियां आर्थिक गतिविधियों, उत्पादों के अलावा श्रीलंका के नागरिकों के लिए रोजगार के माध्यम से आर्थिक सुधार का समर्थन कर रही हैं। हालांकि, आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका की हरसंभव मदद करने में भारत ने अहम महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे से उनके कार्यालय से बड़ी मात्रा में नकदी मिलने के मामले में पुलिस ने पूछताछ की। पुलिस प्रवक्ता निहाल थलडुवा ने संवाददाताओं से कहा, अदालत के निर्देश पर सोमवार को उनके निजी घर में तीन घंटे तक बयान दर्ज किया गया।

तुर्किये ने रद्द की पाकिस्तानी प्रधानमंत्री की यात्रा, भूकंप से हुई तबाही को बताया वजह

तुर्किये । विनाशकारी भूकंप से हुई भारी तबाही से निपटने में जुटे तुर्किये ने पाकिस्तानी प्रधानमंत्री की तुर्किये यात्रा को रद्द कर दिया है। बता दें कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ बुधवार को तुर्किये का दौरा करने वाले थे लेकिन तुर्किये की सरकार ने अभी राहत और बचाव कार्यों में व्यस्त रहने का हवाला देते हुए पाकिस्तानी प्रधानमंत्री का दौरा रद्द कर दिया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने भी इसकी पुष्टि की है। तुर्किये के साथ सहानुभूति दिखाने के लिए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो तुर्किये जाने वाले थे। पाकिस्तान की सूचना मंत्री मरियम औरंगजेब ने बताया था कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ बुधवार को तुर्किये का दौरा करेंगे। इसके चलते गुरुवार को पाकिस्तान में होने वाली ऑल पार्टी मीटिंग भी रद्द कर दी गई और सभी पार्टियों के साथ चर्चा के बाद बैठक की नई तारीख का एलान किया जाएगा। हालांकि ऐसे समय जब पाकिस्तान गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है, तब पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के विदेश दौरे को लेकर आलोचना भी हो रही थी। पाकिस्तानी आर्मी की मीडिया विंग आईएसपीआर ने बताया कि पाकिस्तान की सरकार ने तुर्किये को मेडिकल सप्लाई, मेडिकल स्कवॉड, सर्च और रेस्क्यू टीमें भी भेजी हैं। इसके अलावा एक पैसेंजर प्लेन भी तुर्किये भेजा गया है ताकि भूकंप प्रभावितों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया जा सके। तुर्किये और सीरिया में सोमवार आए भूकंप के झटकों से हुए विनाश से अब तक आठ हजार लोगों की मौत हो चुकी है।

पाकिस्तान ने सिंध के 190 हिंदुओं को भारत आने से रोका, वाघा बॉर्डर पहुंचे कई हिंदू परिवार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में हिंदुओं की हालत लगातार खराब होती जा रही है। हिंदू बच्चियों को अगवा करके उनके साथ दुष्कर्म करना और जबरन धर्म परिवर्तन कराना पाकिस्तान में अब आम हो गया है। हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ की भी कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इस बीच, पाकिस्तान सरकार ने भी हिंदुओं के साथ दोहरा रवैया अपनाना शुरू कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बड़ी संख्या में पाकिस्तानी हिंदू भारत आना चाहते हैं, लेकिन पाकिस्तान सरकार उन्हें रोक रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 190 हिंदुओं को पाकिस्तान सरकार ने वाघा बॉर्डर पर रोक लिया है। इन्हें भारत आने ही मंजूरी नहीं दी जा रही है।

चीन के जासूसी गुब्बारे पर बड़ा खुलासा, भारत-यूएस ही नहीं, कई देशों में भेजा गया था

वॉशिंगटन।

चीन के जासूसी गुब्बारा को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। अमेरिकी अधिकारियों का दावा है कि चीन ने केवल अमेरिका और भारत ही नहीं बल्कि कई अन्य देशों में भी अपने जासूसी गुब्बारे छोड़े थे। अमेरिका की उप सचिव वेंडी शर्मन ने भारत समेत दुनिया के 40 सहयोगी देशों के दूतावास को इस मामले से जुड़ी जानकारी दी है। बता दें कि शनिवार चार फरवरी को ही एक संदिग्ध जासूसी गुब्बारे को अमेरिका ने मार गिराया था। अमेरिका ने इसके लिए फाइटर जेट की मदद ली थी। आइए जानते हैं कि अमेरिकी अधिकारियों ने चीन के जासूसी गुब्बारे को लेकर क्या-क्या खुलासे किए

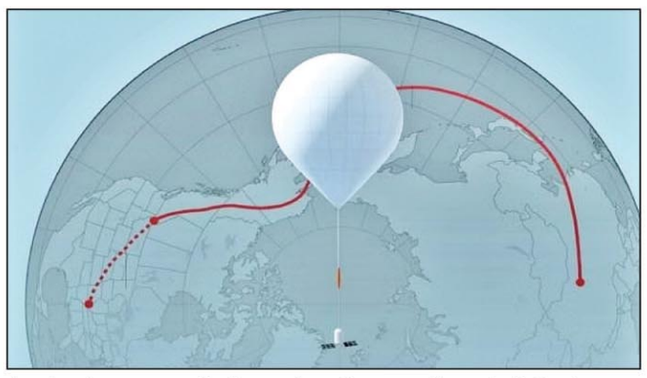

पिछले कई साल से गुब्बारे के जरिए जासूसी कर रहा चीन - एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन गुब्बारे के जरिए कई साल से जापान, भारत, वियतनाम, ताइवान, फिलीपींस सहित उन तमाम देशों की जासूसी कर रहा है, जो तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और जिनका चीन से विवाद है। इसके जरिए चीन इन देशों की सैन्य संपत्ति की जानकारी जुटा रहा था। रिपोर्ट में रक्षा और खुफिया अधिकारियों का हवाला दिया गया है।

और क्या-क्या खुलासे हुए - रिपोर्ट के अनुसार, चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी और एयरफोर्स इन जासूसी गुब्बारों का संचालन कर रही है। इन गुब्बारों को पांच महाद्वीपों में देखा गया है। एक वरिष्ठ रक्षा अधिकारी के हवाले से कहा गया है, ये गुब्बारे पीआरसी (पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना) के गुब्बारों के बेड़े का हिस्सा हैं, जिन्हें निगरानी अभियान चलाने के लिए विकसित किया गया है, जिसने अन्य देशों की संप्रभुता का भी उल्लंघन किया है। पिछले कुछ सालों में हवाई, फ्लोरिडा, टेक्सास और गुआम में कम से कम चार गुब्बारे देखे गए हैं। इसके अलावा पिछले हफ्ते भी एक गुब्बारे को ट्रैक किया गया था। ट्रंप प्रशासन के दौरान चार में से तीन घटनाएं हुईं, लेकिन हाल ही में चीनी निगरानी एयरशिप के रूप में पहचान की गई थी। पेंटागन ने मंगलवार को उच्च ऊंचाई वाले निगरानी गुब्बारे की तस्वीरों की एक श्रृंखला जारी की।

भारत में जासूसी गुब्बारे को लेकर क्या दावे हो रहे - अमेरिका के डिफेंस एक्सपर्ट एचआई सटन के हवाले से कई मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दिसंबर-2021 से जनवरी 2022 के बीच चीन के जासूसी गुब्बारे ने भारत के सैन्य बेस की जासूसी की थी। इस दौरान चीन के जासूसी गुब्बारे ने अंडमान निकोबार द्वीप समूह की राजधानी पोर्ट ब्लेयर के ऊपर से उड़ान भरी थी। उस दौरान सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीर भी वायरल हुई थी। चिंता की बात ये है कि दिसंबर 2021 के अंतिम हफ्ते में ही भारतीय सेना की तीनों विंग (थल सेना, वायु सेना और नेवी) के जवान अंडमान निकोबार में एक साथ ड्रिल करने के लिए जुटे थे। ट्राई सर्विस कमांड के दौरान ही चीन के इस जासूसी गुब्बारे को अंडमान निकोबार में देखा गया था। हालांकि, उस वक्त भारत सरकार की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया था। उस दौरान कुछ स्थानीय वेबसाइट्स में इसको लेकर खबर भी चलाई गई थी। जो तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं, वो काफी हद तक अमेरिका में मिले चीन के जासूसी गुब्बारे की तरह थे।

क्या है ये जासूसी गुब्बारा - भारत और अमेरिका में जिस जासूसी गुब्बारे के होने का दावा किया जा रहा है, उसका इतिहास दूसरे विश्व युद्ध से जुड़ा है। दरअसल, कैप्सूल के आकार के यह बैलून कई वर्ग फीट बड़े होते हैं। यह आमतौर पर जमीन से काफी ऊंचाई पर उड़ने की क्षमता रखते हैं, जिसकी वजह से ज्यादातर इनका इस्तेमाल मौसम से जुड़ी जानकारी जुटाने के लिए किया जाता रहा है। खासकर किसी एक तय क्षेत्र के मौसम को जानने के लिए। हालांकि, आसमान में जबरदस्त ऊंचाई पर उड़ने की अपनी इन्हीं क्षमताओं की वजह से इनका इस्तेमाल जासूसी के लिए भी किया जाने लगा। यह गुब्बारे जमीन से 24 हजार से 37 हजार फीट की ऊंचाई पर आसानी से उड़ सकते हैं, जबकि चीन का यह गुब्बारा अमेरिका के ऊपर 60 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था। इसके चलते जमीन से इनकी निगरानी कर पाना काफी मुश्किल है। इनके उड़ने की यह रेंज कमर्शियल विमानों से काफी ज्यादा है। अधिकतर वाणिज्यिक एयरक्राफ्ट्स 40 हजार फीट की ऊंचाई तक नहीं जाते। इतनी रेंज पर उड़ान भरने की क्षमता फाइटर जेट्स की ही होती है, जो कि 65 हजार फीट तक जा सकते हैं। हालांकि, यू-2 जैसे कुछ और जासूसी विमान 80 हजार फीट की ऊंचाई तक उड़ान भर सकते हैं।

सैटेलाइट से ज्यादा बेहतर जासूसी यंत्र हैं ऐसे गुब्बारे - अमेरिकी वायुसेना के एयर कमांड और स्टाफ कॉलेज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह जासूसी गुब्बारे कई बार सैटेलाइट्स से भी ज्यादा बेहतर खुफिया यंत्र साबित होते हैं। दरअसल, यह सैटेलाइट के मुकाबले ज्यादा आसानी से और समय लेकर किसी क्षेत्र को स्कैन कर सकते हैं। इनके जरिए इन्हें भेजने वाले देश दुश्मन के खिलाफ ऐसी संवेदनशील खुफिया जानकारी जुटा सकते हैं, जो कि सैटेलाइट की दूरी की वजह से स्कैन करना मुश्किल है। इतना ही नहीं सैटेलाइट्स के जरिए किसी एक क्षेत्र पर नजर रखना काफी महंगा भी साबित हो सकता है, क्योंकि इसके लिए काफी कीमत वाले स्पेस लॉन्चर्स की जरूरत होती है। दूसरी तरफ जासूसी गुब्बारे सैटेलाइट से काफी कीमत में यही काम कर सकते हैं।

पेरू में बर्ड फ्लू से 585 समुद्री शेरों और 55,000 जंगली पक्षियों की मौत , जांच में वायरस की हुई पुष्टि

पेरू।

पेरू में पिछले कुछ समय में एच5एन1 बर्ड फ्लू वायरस के कारण 585 समुद्री शेरों और 55,000 जंगली पक्षियों की मौत हो गई। सर्नप प्राकृतिक क्षेत्र संरक्षण एजेंसी ने कहा कि रेंजरों को आठ संरक्षित तटीय क्षेत्रों में 55 हजार पक्षी मृत पाए गए। रेंजरों की जांच में सामने आया कि इनकी मौत बर्ड फ्लू से हुई। सात संरक्षित क्षेत्रों में 585 समुद्री शेरों के करने का भी दावा किया था। सर्नप ने एक बयान में कहा कि मृत पक्षियों में पेलिकन, विभिन्न प्रकार की गल और पेंगुइन शामिल हैं।

जांच में बर्ड फ्लू से हुई मौत

प्रयोगशाला परीक्षणों ने भी मृत समुद्री शेरों में एच5एच1 की उपस्थिति की पुष्टि की। पेरू की राष्ट्रीय वन और वन्यजीव सेवा (एसईआरएफओआर) ने समुद्र तट पर समुद्री शेरों और समुद्री पक्षियों के संपर्क से बचने के लिए लोगों से अपील की है। साथ ही उनके पालतू जानवरों को भी वहां से दूर रखने का आग्रह किया गया। 2021 के अंत से यूरोप बर्ड फ्लू के अब तक के सबसे बुरे प्रकोप की चपेट में आ गया है, जबकि उत्तर और दक्षिण अमेरिका भी गंभीर प्रकोप का सामना कर रहे हैं। नवंबर में पेलिकन में एच3एन1 वायरस के तीन मामले सामने आए। जिसके बाद देश ने 180 दिनों के स्वास्थ्य अलर्ट की घोषणा की। सेनासा कृषि स्वास्थ्य एजेंसी के अनुसार, यह रोग उत्तरी अमेरिका से प्रवासी पक्षियों द्वारा फैलता है।

स्तनपायी प्रजातियों में 110 मामले आए सामने

मिनेसोटा विश्वविद्यालय की सीआईडीआरएपी रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका ने अब तक स्तनपायी प्रजातियों में 110 मामले बर्ड फ्लू के मामले मिले है। पक्षियों, पोल्ट्री, और स्तनधारियों की बढ़ती संख्या में घूमते हुए एच5एन1 क्लैड में एक उत्परिवर्तन होता है जो स्तनधारी वायुमार्ग कोशिकाओं द्वारा वायरस को अधिक पहचानने योग्य बनाता है।

वर्ल्ड ओर्गेनाइजेशन फॉर एनिमल हेल्थ(डब्ल्यूओएएच) ने पिछले सप्ताह न केवल मध्य और दक्षिण अमेरिका में नए देशों में अत्यधिक रोगजनक एवियन फ्लू के प्रसार के बारे में चिंता जताई, बल्कि 4 महीने की अवधि में फैलने की गति के बारे में भी चिंता जताई। हाल ही में इक्वाडोर की एक 9 वर्षीय लड़की में भी संक्रमण मिला। नए प्रभावित देशों में बोलीविया, कोलंबिया, कोस्टा रिका, इक्वाडोर, होंडुरास, पनामा, पेरू और वेनेजुएला शामिल हैं।

अमेरिकी अधिकारियों ने भारतीय नौसेना के अहम अड्डे का किया दौरा, हिंद महासागर में निगरानी होगी मजबूत

वॉशिंगटन।

अमेरिकी दूतावास के अधिकारियों ने भारतीय नौसेना के एक अहम नेवल बेस का दौरा किया। अमेरिकी अधिकारियों ने जिस नेवल बेस का दौरा किया, उस पर अमेरिका की कंपनी जनरल एटोमिक्स एयरोनॉटिकल सिस्टम्स द्वारा निर्मित प्रीडेटर ड्रोन्स तैनात हैं, जिन्हें भारत ने लीज पर लिया हुआ है। दौरे के दौरान भारतीय नौसेना के अधिकारियों ने अमेरिकी दूतावास के अधिकारियों को प्रीडेटर ड्रोन्स की क्षमताओं, सर्विलांस और मेंटिनेंस , लॉजिस्टिक सपोर्ट आदि क्षमताओं के बारे में जानकारी दी।

जनरल एटोमिक्स एयरोनॉटिकल सिस्टम के सीईओ विवेक लाल ने एक बयान जारी कर बताया कि अमेरिकी दूतावास के अधिकारियों ने भारतीय नेवल बेस पर एमक्यू-9 ऑपरेशन के गवाह बने, जो भारत और अमेरिका के बीच बढते भरोसेमंद रक्षा सहयोग संबंधों को दिखाता है। बता दें कि भारत ने जनरल एटोमिक्स एयरोनॉटिकल सिस्टम्स से एमक्यू-9 रिमोटली पायलेटेड एयरक्राफ्ट सिस्ट्मस को दो साल के लिए लीज पर लिया है। एमक्यू-9 ड्रोन्स कंपनी द्वारा भारत को कंपनी ओनड, कंपनी ऑपरेटिड लीज एग्रीमेंट के तहत दिए गए हैं। हालांकि कितने ड्रोन्स दिए गए हैं, कंपनी द्वारा इसका खुलासा नहीं किया गया है। अमेरिकी दूतावास

के अधिकारियों ने बताया कि हम भारतीय नौसेना और जीए-एएसआई के बीच के सहयोग से प्रभावित हैं। भारतीय नौसेना ने एमक्यू-9 को पूरी क्षमता के साथ तैनात किया हुआ है। बता दें कि भारत और अमेरिका के बीच 3 बिलियन डॉलर की डिफेंस डील भी जल्द अंतिम चरण में पहुंच सकती है। इस डील के तहत भारत को अमेरिका से 30 एमक्यू-9बी प्रीडएटर ड्रोन्स मिलेंगे। इनमें से 10-10 ड्रोन्स तीनों सेनाओं थल सेना, वायुसेना और नौसेना को मिलेंगे। इन ड्रोन्स के आने से हिंद महासागर में चीन की बढ़ती चुनौती से निपटा जा सकेगा। एमक्यू-9बी प्रीडेटर ड्रोन्स की खासियत ये है कि ये ड्रोन्स दिन-रात निगरानी कर सकते हैं और पेलोड लेकर भी उड़ान भर सकते हैं। इन ड्रोन्स में 360 डिग्री कैमरे से समुद्र, आकाश और जमीन पर निगाह रखी जा सकती है।

अमेरिका में 'एयरफोर्स वन' के बेस तक पहुंचा घुसपैठिया, रेजिटेंड ने गोली चलाकर भगाया

वाशिंगटन।

अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष विमान 'एयरफोर्स वन' की मौजूदगी वाले बेहद संवेदनशील सैन्य अड्डे पर एक बार फिर घुसपैठिया प्रवेश कर गया। हालांकि इस बार एक 'रेजिडेंट' ने घुसपैठिए पर गोली चला दी। 'ज्वाइंट बेस एंड्रयूज' ने कहा, घटना पूर्वाह्न करीब साढ़े 11 बजे हुई, तभी एक स्थानीय निवासी ने गोली चला दी। सुरक्षा कर्मी घुसपैठिए को पकड़ने के लिए मौके पर पहुंचे और जांच अधिकारी मामले में जांच कर रहे हैं। यहां राष्ट्रपति के बेड़े के कई नीले एवं सफेद विमान होते हैं। इनमें एयरफोर्स वन, मरीन वन और डूम्सडे-747 विमान शामिल है, जो हवाई परमाणु कमान व नियंत्रण केंद्र के रूप में काम कर सकते हैं। इससे पहले फरवरी 2021 में भी एक व्यक्ति सुरक्षा घेरों को पार करते हुए सी-40 विमान में चढ़ गया था।

अफगानिस्तान में रची गई पेशावर धमाके की साजिश

पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की राजधानी पेशावर स्थित मस्जिद को निशाना बनाने की साजिश अफगानिस्तान में रची गई थी और उनकी खुफिया एजेंसी ने इसका वित्त पोषण किया था। यह जानकारी इस आत्मघाती हमले की जांच करने वाली पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसी के अधिकारियों ने मंगलवार को दी। इस हमले में 101 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 200 से ज्यादा अन्य लोग घायल हो गए थे। जांच अधिकारियों ने बताया कि यह साजिश काबुल स्थित खुफिया एजेंसी द्वारा वित्त पोषित की गई थी। धमाके में इस्तेमाल मोटरसाइकिल को पेशावर के भीड़भाड़ वाले सरकी गेट बाजार में दो बार बेचा गया था। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के पुलिस प्रमुख मोअज्जम जाह अंसारी ने कहा कि आत्मघाती की पहचान उसके डीएनए नमूनों के जरिये की गई है।

गिलगित-बाल्टिस्तान में बिजली संकट पर पाक विरोधी प्रदर्शन

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान में बिजली संकट गहरा गया है। गिलगित में हालात इतने खराब हैं कि शहर के कई इलाकों में बिजली न होने के कारण पिछले एक हफ्ते से लोग अंधेरे में ही रह रहे हैं। बिजली कटौती के हालात सरकार के काबू से बाहर निकलने के कारण स्थानीय नागरिक सरकार के विरोध में सड़कों पर उतर आए हैं।

बिजली आपूर्ति बहाल न होने तक प्रदर्शनकारियों ने कड़ी चेतावनी जारी करते हुए प्रदर्शनों के दौरान राजमार्गों को पूरी तरह जाम करने का एलान किया है। इसके अलावा लोग तेजी से बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ भी विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। ये प्रदर्शनकारी पिछले कई माह से सेना की मनमानी का भी विरोध कर रहे हैं।

कश्मीर का राग अलापा, भारत की तारीफ भी की और अपनी ही सेना पर लगा दिया गंभीर आरोप

इस्लामाबाद।

एक-एक रोटी के लिए तरस रहा पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। पूरा देश आर्थिक संकट से जूझ रहा है। एक तरह से कंगाली के कगार पर है। देश में एक-एक किलो के आटे के लिए लोग एक-दूसरे का खून कर रहे। पेट्रोल-डीजल के दाम सातवें आसमान पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा लगभग खत्म ही है।

अगर कर्ज नहीं मिला तो पूरा पाकिस्तान दिवालिया हो जाएगा। ऐसे में भी पाकिस्तान के नेता अपने देश को सुधारने की बजाय कश्मीर का राग अलापने में जुटे हैं। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का कश्मीर को लेकर एक बयान आया है। इसमें उन्होंने पीएम मोदी से कहा है कि भारत से रिश्ते तभी आगे बढ़ेंगे जब पीएम मोदी कश्मीर का विशेष दर्जा बहाल कर देंगे। हालांकि, इस बीच इमरान भारत की तारीफ करना नहीं भूले।

और क्या-क्या बोले इमरान

इमरान खान मंगलवार की शाम लाहौर स्थित अपने आवास पर विदेशी मीडिया से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा, भारत ने कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म कर दिया था। अब भारत के साथ बातचीत करने का एकमात्र तरीका यह है कि पहले मोदी प्रशासन इसे फिर से बहाल करे।

भारत की तारीफ की

मीडिया ने सवाल पूछा कि पाकिस्तान में कानून व्यवस्था खराब है। कैसे देश आगे बढ़ेगा

इसका जवाब देते हुए पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के नेता इमरान ने कहा, कानून का राज नहीं होने पर पाकिस्तान का कोई भविष्य नहीं होगा। आगे उन्होंने भारत का उदाहरण दिया। बोले, भारत आज तरक्की कर रहा है, क्योंकि वहां कानून का राज है।

खुद के अयोग्य घोषित होने के पीछे बताई साजिश

इमरान खान ने कहा कि देश में संविधान की रक्षा करना न्यायपालिका की जिम्मेदारी है। उन्होंने आगे खुद के अयोग्य घोषित किए जाने को लेकर भी सरकार, न्यायपालिका और सेना प्रमुख पर निशाना साधा। खान ने कहा, मुझे राजनीति से दूर रखने के लिए बड़े स्तर पर साजिश की गई। देश के सभी ताकतवर लोगों ने मिलकर ये खेल किया। अयोग्य घोषित किए जाने में सेना प्रमुख असीम मुनीर के हाथ होने के सवाल पर इमरान ने कहा, वह दो महीने से पद पर हैं और मैं उन्हें संदेह का लाभ देता हूं। खान ने यह भी आरोप लगाया कि उनके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी और तीन बार के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ उन्हें अयोग्य घोषित करना चाहते थे। इमरान ने दावा किया कि नवाज ने यूके से लौटने के लिए शर्त रखी थी कि मुझे अयोग्य घोषित किया जाए।

इमरान ने और क्या-क्या कहा

पीएमएल (एन) और उसके सहयोगियों ने भी उनकी पार्टी के नेताओं को निशाना बनाने और चुनावों में धांधली करने की योजना बनाई है।

खान ने नवाज शरीफ पर संसद में अपने विस्तार वोट के दौरान पूर्व सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा के साथ सौदा करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, जनरल बाजवा को एक्सटेंशन देना मेरी सबसे बड़ी गलती थी। यह बहुत बड़ी गलती थी। नवाज के साथ डील के बाद बाजवा ने यह सुनिश्चित किया कि नवाज, उनके परिवार के सदस्यों और पार्टी के लोगों को करोड़ों के भ्रष्टाचार के मामलों में राहत मिले।

इमरान खान ने कहा कि वह यह समझने में विफल हैं कि सैन्य प्रतिष्ठान कैसे शरीफ और जरदारी जैसे भ्रष्ट अपराधियों का पक्ष ले सकते हैं।

खान ने कहा, पाकिस्तानी सेना और लोगों के बीच एक स्पष्ट खाई है। वे इस देश को लूटने वालों को सेना के समर्थन से नाराज हैं और मैं आपको बता दूं कि यह देश के लिए बहुत खतरनाक है।

इमरान खान ने कहा कि पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में 90 दिनों में चुनाव कराने की मांग को लेकर जेल भरो विरोध के दौरान गिरफ्तारी देने वाले वह पहले व्यक्ति होंगे।

कांग्रेस में जिलाध्यक्ष पद के लिए अहम रहेगा जातिगत फैक्टर और कांग्रेस का डीएनए : रंधावा

जयपुर, (हि.स.)। राजस्थान में कांग्रेस पार्टी जल्द ही जिलाध्यक्षों की नियुक्ति करेगी। राजस्थान से कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने इसके संकेत दिए हैं। उन्होंने साफ कर दिया है कि राजस्थान में जातिगत समीकरण काफी अहम है, इसलिए जिलाध्यक्षों की नियुक्ति में स्थानीय तथा जातिगत फैक्टर पर खरे उतरने वाले कांग्रेस के डीएनए वाले नेताओं को तरजीह दी जाएगी। रंधावा फिलहाल राजस्थान में कोटा के दौरे पर हैं। उन्होंने कहा कि अगले दो दिन में इस पर फाइनल एक्सरसाइज शुरू हो जाएगी। इसके बाद कांग्रेस के रायपुर में होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन से पहले ही जिलाध्यक्षों की नियुक्तियों की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। रंधावा ने साफ किया है कि जिलाध्यक्षों की नियुक्ति के लिए कई आधार पर एक्सरसाइज हो रही है। उन्होंने इस बात से इनकार किया कि लिस्ट तैयार है और नामों की घोषणा बाकी है। रंधावा ने कहा कि नामों पर एक्सरसाइज अलग से चल रही है। इसे लेकर यह तय है कि किसी भी बाहरी व्यक्ति को जिलाध्यक्ष नहीं बनाया जाएगा। जिलाध्यक्ष बनाते समय हम ये देखेंगे कि व्यक्ति का डीएनए कम से कम कांग्रेस का होना चाहिए। संगठन बनाते समय हम इन बातों का ध्यान रखेंगे। रंधावा ने साफ तौर पर कहा कि दूसरी पार्टी से आकर बाहरी व्यक्ति विधायक बन सकता है। मगर संगठन में हम कांग्रेस के ही पुराने लोगों को मौका देंगे। रंधावा ने कहा कि जिलाध्यक्षों के नाम तय करने को लेकर हम जातिगत समीकरण को भी ध्यान में रख रहे हैं। राजस्थान में जातिगत समीकरण काफी मायने रखता है। इसलिए जिलाध्यक्षों की नियुक्ति जातिगत फैक्टर को देखते हुए होगी। इसके लिए हम अलग से कवायद करेंगे। रंधावा ने कहा कि जातिगत फैक्टर और कांग्रेस का डीएनए हमारे लिए सबसे बड़ा फैक्टर होगा। रंधावा कह चुके हैं कि रायपुर अधिवेशन शुरू होने से पहले नियुक्तियां करेंगे। कांग्रेस अब राजस्थान में 42 जिलाध्यक्षों के पैटर्न पर चल रही है। इसमें से लगभग 35 जिलाध्यक्ष कांग्रेस नए नियुक्त कर सकती है। कांग्रेस ने उदयपुर में हुए चिंतन शिविर में यह तय किया था कि 180 दिनों के भीतर तमाम नियुक्तियां होंगी। राजस्थान में यह मियाद पूरी हो गई। ऐसे में कांग्रेस कोशिश करेगी कि रायपुर अधिवेशन से पहले कम से कम जिलाध्यक्षों की एक लिस्ट बाहर आ जाए। राजस्थान में कांग्रेस ने संगठनात्मक नियुक्तियों की शुरूआत 4 जनवरी से कर दी थी। कांग्रेस ने सबसे पहले 100 ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्ति किए। तब से अब तक 5 लिस्ट जारी कर कांग्रेस 339 ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त कर चुकी है। अब जो 61 ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त होना बाकी है ये वो ब्लॉक हैं जहां गुटबाजी, खींचतान सहित कई समीकरणों के चलते नामों पर विवाद है। राजस्थान में जिलाध्यक्षों की नियुक्ति कांग्रेस के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। राजस्थान में खींचतान और गुटबाजी चरम पर है। सीएम अशोक गहलोत और सचिन पायलट एक-दूसरे पर अप्रत्यक्ष रूप से हमलावर हैं। ऐसे में इन नियुक्तियों में भी इस खींचतान के चलते सियासी बवाल होने की संभावना है। यही वजह है कि कांग्रेस ने लम्बे समय से ये नियुक्तियां पूरी नहीं की हैं। जबकि 2.5 साल से ज्यादा समय से निवर्तमान पदाधिकारियों के बूते ही कांग्रेस चल रही है। जुलाई 2020 में पायलट खेमा सरकार से बगावत कर मानेसर चला गया था। उसके ठीक बाद कांग्रेस ने राजस्थान में पूरी कार्यकारिणी को भंग कर दिया था। उसके बाद सिर्फ पीसीसी अध्यक्ष और कुछ पदाधिकारी नियुक्त किए गए। जिलास्तर पर पुरानी टीमें ही काम करती रही। दिसम्बर 2021 में जरूर कांग्रेस ने 13 जिलाध्यक्ष नियुक्त किए थे। मगर इनमें से भी 5 लोगों से इस्तीफे ले लिए गए। ऐसे में राजस्थान कांग्रेस कार्यकर्ता संगठन में नए बदलाव के इंतजार में हैं।

जालोर और सिरोही के दो सांसद जिला प्रथम स्तरीय समितियों में सदस्य मनोनीत

जयपुर, (हि.स.)। राज्य सरकार ने बीस सूत्री कार्यक्रम के आयोजन, क्रियान्वयन और समन्वयन के लिए गठित जिला प्रथम स्तरीय समितियों में लोकसभा सांसद देवजी पटेल और राज्य सभा सांसद नीरज डांगी को मनोनीत किया है। आयोजना (बीस सूत्री कार्यक्रम) विभाग के संयुक्त शासन सचिव सुशील कुमार कुलहरी ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। उन्होंने आदेश में बताया कि लोक सभा सचिवालय की स्वीकृति के पश्चात सांसद पटेल को जालोर जिले तथा डांगी को सिरोही जिले की जिला प्रथम स्तरीय समितियों में सदस्य मनोनीत किया गया है। गौरतलब है कि देवजी पटेल दूसरी बार भाजपा से जालोर सिरोही लोकसभा क्षेत्र के सांसद है और डांगी कांग्रेस से राज्यसभा सांसद है।

राजस्थान में हर जिले में एक बीस सूत्री कार्यक्रम के आयोजन, क्रियान्वयन और समन्वयन के लिए समिति बनी हुई है। इसमें कांग्रेस नेताओं को अध्यक्ष और उपाध्यक्ष बनाया हुआ है। इसी तरह राज्य स्तरीय बीस सूत्री कार्यक्रम के आयोजन, क्रियान्वयन और समन्वयन समिति भी बनी हुई है। इसमें डॉ चन्द्रभान को जिम्मेदारी दी हुई है।

जैसलमेर के बाद अब नागौर में एक और शाही शादी, दुल्हन बनेगी स्मृति ईरानी की बेटी शर्लिन

जयपुर, (हि.स.)। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की बेटी शेनेल ईरानी जल्द ही शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। राजस्थान के खींवसर फोर्ट (नागौर) में शेनेल ईरानी की शादी के कार्यक्रम होंगे। शेनेल का विवाह अर्जुन भल्ला के साथ होने जा रहा है। उनकी शादी के लिए फोर्ट को 7 से 9 फरवरी तक तीन दिन के लिए बुक किया गया है। खींवसर फोर्ट में कई बड़ी शादियां हो चुकी हैं। बताया जा रहा है कि अगले दो दिनों में कई नामी गिरामी हस्तियां रिसोर्ट एवं फोर्ट में पहुंचेगी। शादी की तैयारियों के चलते स्मृति ईरानी मंगलवार को पहुंचने वाली थी, लेकिन बाद में उनका आना कैंसिल हो गया। वो बुधवार को यहां पहुंचेगी। बुधवार को ही मेहंदी और हल्दी की रस्म होगी। रात में म्यूजिकल नाइट इवेंट होगा। नौ फरवरी गुरुवार को रीति-रिवाज के साथ शादी होगी। वहीं उनके पति जुबिन ईरानी मंगलवार को आ गए हैं। समारोह में करीब चार दर्जन विशेष मेहमान शामिल होंगे। इस शाही शादी को लेकर खींवसर फोर्ट एवं आकला स्थित डेजर्ट रिसोर्ट को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। आयोजन की पूरी देखरेख स्वयं पूर्व मंत्री गजेन्द्रसिंह खींवसर कर रहे हैं। यह फोर्ट पूर्व कैबिनेट मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर का है। ईरानी और खींवसर परिवार के बीच करीबी संबंध हैं। अर्जुन भल्ला प्रवासी भारतीय हैं। वे कनाडा में रहते हैं। भल्ला लीगल एक्सपर्ट हैं और कनाडा की कई बड़ी कंपनियों में लीगल कंसल्टेंट के तौर पर काम करते हैं, वहीं शनेल एडवोकेट हैं। काफी समय पहले, स्मृति ईरानी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से बेटी शेनेल और होने वाले दामाद अर्जुन भल्ला की तस्वीरें शेयर करते हुए खुशी जाहिर की थी। उन्होंने लिखा कि, 'अर्जुन भल्ला अब हमारे दिल में बसते हैं। हमारे परिवार में आपका स्वागत है।' मजाक करते हुए स्मृति ईरानी ने आगे लिखा था कि, 'आपको एक ससुर के रूप में एक पागल आदमी से निपटना होगा और इससे भी बुरा... एक सास के लिए आपको मैं मिल रही हूं। (आपको आधिकारिक तौर पर चेतावनी दी गई है). भगवान भला करें।' शेनेल ईरानी एक एडवोकेट हैं और मुंबई से ही उनकी स्कूलिंग हुई है। हायर स्टडीज के लिए शेनेल अमेरीका गईं और जॉर्ज टाउन यूनिवर्सिटी से लॉ की डिग्री हासिल की। शेनेल ईरानी जुबिन और उनकी पहली पत्नी मोना ईरानी की बेटी हैं। वहीं, स्मृति और जुबिन ईरानी के दो बच्चे हैं- बेटा जोर और बेटी जोइश।

बिजली चोरी पकड़ने गए कर्मचारियों पर ग्रामीणों का पथराव

अलवर, (हि.स.)। राजगढ़ विद्युत सतर्कता दल के संयुक्त टीम पर ग्रामीणों ने की लाठी-पत्थरों से हमला कर दिया। जिससे विभाग के आधा दर्जन वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। साथ ही कई कर्मचारी घायल हो गए। गनीमत यह रही की गंभीर चोट किसी को नहीं लगी। घटना के बाद अधिकारी और कर्मचारी जान बचाकर वहां से भागे। दरअसल टीम अवैध विद्युत कनेक्शन और अवेध चोरी की कार्रवाई करने के लिए धमरड-अनावडा सड़क मार्ग स्थित छतरी का बास में गई थी। सतर्कता दल के टीम ने चार हस्तनिर्मित अवैध ट्रांसफॉर्मर (डिम्मे) व कैपीसीटर वहा से जप्त कर लिए। जिससे ग्रामीण भड़क गए। इसके बाद ग्रामीणों ने विभाग के कर्मचारियों पर पथराव शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने जप्त किये सामान को छुड़ाने का किया प्रयास लेकिन सामान छुड़ा नहीं पाए। इसके बाद तुरंत टीम जान बचाकर मौके से वापस आ गई। बिजली विभाग ने आरोपियों के विरुद्ध बिजली चोरी की विभिन्न धाराओं में राजगढ़ थाने में मामला दर्ज कराया है। वही घटना से कर्मचारियों में हड़कंप मच गया और इस घटना की कर्मचारियों ने निंदा करते हुए पुलिस से तुरंत आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की। विद्युत सतर्कता दल की टीमों ने देर रात किशनगढ़बास में की कार्रवाई। किशनगढ़बास एक्सईएन रामरतन और अलवर एम्सईएन के नेतृत्व में बहरोड़, किशनगढ़बास, भिवाड़ी, बानसूर लक्ष्मणगढ़ सहित अनेक सतर्कता सहायक अभियंताओं ने की कार्रवाई। 3 दर्जन से अधिक गांवों में बिजली चोरी को लेकर टीम ने दी थी दबिश। इस दौरान 9 लाख 70 हजार रुपये की बिजली चोरी के 34 मामले पकड़े। अचानक हुई कार्रवाई से बिजली चोरों में हड़कंप मच गया था।

6 माह रहे नहीं चुकाया था होटल का बिल, गाड़ियों की बिक्री कर वसूली करेगा होटल

चंडीगढ़ (ईएमएस)। पंजाब और हरियाणा की राजधानी चंडीगढ़ में होटल बिल रिकवरी का अजब मामला सामने आया है। पिछले दिनों एक गेस्ट बिना बिल अदा किए ही होटल से चला गया था, लेकिन उसकी गाड़ियां होटल में ही छूट गई थीं। इसके बाद होटल प्रबंधन ने गेस्ट की गाड़ियां जब्त कर ली थी। अब होटल इन गाड़ियों की नीलामी के जरिए अपना पैसा वसूल करेगा। जानकारी के अनुसार, यह सन 2018 का मामला है। दो गेस्ट गाड़ियों में चंडीगढ़ के होटल शिवालिक पहुंचे। यहां पर खूब मौज मस्ती की और छह महीने तक डेरा डाले रहे। बिल देने की बारी आई तो रफ्फूचक्कर हो गए। बाद में होटल ने गाड़ियां जब्त कर ली और अब सेक्टर-17 स्थित यह फाइव स्टार होटल वेलेटाइन डे यानी 14 फरवरी के दिन दोनों कारों को नीलाम करेगा। दरअसल, होटल प्रबंधन ने कोर्ट में अर्जी दी थी। अब कोर्ट की मंजूरी के बाद गाड़ियां नीलाम की जा रही हैं। जिन कारों की नीलामी होगी, उनमें ऑडी क्यू-3 और शेवरले क्रूज शामिल है। 2 गेस्ट का 6 महीने का करीब 19 लाख रुपये बिल बना था। यह दोनों गाड़ियां पंजाब नंबर की हैं। ऑडी का रिजर्व प्राइज 10 लाख रुपये और शेवरले गाड़ी का रिजर्व प्राइज डेढ़ लाख रुपये रखा गया है। शिवालिक होटल से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, गेस्ट ने 18.96 लाख रुपए का बिल नहीं चुकाया था। यह होटल चंडीगढ़ टूरिज्म के अंतर्गत आता है और पैसा निकलवाने के लिए होटल ने कोर्ट का रुख किया था।

डिस्कॉम का कनिष्ठ अभियंता 4000 रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर, (हि.स.)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की जालोर टीम ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए वृत-सांकड़ सांचौर जोधपुर डिस्कॉम जालोर के कनिष्ठ अभियंता को परिवादी से चार हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक हेमन्त प्रियदर्शी ने बताया कि एसीबी की जालोर टीम को परिवादी ने शिकायत दी गई कि विद्युत ट्रांसफार्मर बदलने की एवज में कनिष्ठ अभियंता विनोद कुमार दस हजार रुपये की रिश्वत राशि की मांग कर रहा है। एसीबी जालोर टीम के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महावीर सिंह राणावत के निर्देशन में द्वारा शिकायत का सत्यापन कर ट्रेप की कार्रवाई करते हुए कनिष्ठ अभियंता विनोद कुमार को चार हजार रुपए की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही सुचारू रूप से जारी

जम्मू, (हि.स.)। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर दोनों ओर से वाहनों की आवाजाही सुचारू रूप से जारी है। बुधवार सुबह से छोटे वाहनों को राजमार्ग के दोनों तरफ से आवाजाही की अनुमति दी गई है। भारी वाहनों को हल्के वाहनों के गुजरने के बाद रवाना किया जाएगा। सभी छोटे और बड़े वाहनों के निकलने के बाद ही सुरक्षाबलों के वाहनों को जाने की इजाजत दी जाएगी। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार को दोनों ओर से हल्के यात्री व निजी वाहनों के गुजरने के बाद अधिकारियों द्वारा भारी वाहनों को जखैनी उधमपुर से श्रीनगर की तरफ रवाना किया जाएगा। अधिकारियों ने सुरक्षाबलों से अपील की है कि वह यातायात नियमों का पालन करते हुए मालवाहक व अन्य वाहनों के गुजरने और राजमार्ग की ताजा स्थिति का जायजा लेने के बाद अपने वाहनों को जम्मू से श्रीनगर की ओर ले जा सकते हैं। इसी बीच श्रीनगर-सोनमर्ग-गुमरी राजमार्ग पर हुई फिसलन के चलते वाहनों की आवाजाही के लिए दोनों तरफ से बंद है। इस दौरान राजौरी व पुंछ जिलों को दक्षिण कश्मीर के शोपियां से जोड़ने वाला मुगल रोड आज भी बर्फबारी के चलते बंद है। हल्के वाहनों के निकलने के बाद ही भारी वाहनों को जाने की अनुमति दी जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि तय समय के बाद किसी भी वाहन को राष्ट्रीय राजमार्ग तथा अन्य मार्गों पर आवाजाही की अनुमति नहीं दी जाएगी।

कुपवाड़ा में दम घुटने से एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत

कुपवाड़ा, (हि.स.)। कुपवाड़ा जिले के क्रालपोरा इलाके में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मंगलवार और बुधवार की दरम्यानी रात दम घुटने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान माजिद अंसारी (35) पुत्र अहमद हुसैन उसकी पत्नी सोहाना खातून (30), उनके बच्चे फैजान अंसारी (4), अबू जर (3) और एक दुधमुंहे बच्चे के रूप में हुई है। ये सभी मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बिजनौर के रहने वाले थे। माजिद अंसारी का परिवार कुपवाड़ा के क्रालपोरा में किराए के मकान में रह रहा था। मंगलवार और बुधवार की मध्य रात्रि के दरम्यान परिवार के सभी सदस्य एक कमरे में बेहोश पाए गए। लोगों ने एक स्थानीय डॉक्टर को इनके घर पर बुलाया। डाक्टरों ने जांच की और सभी सदस्यों को मृत घोषित कर दिया। बीएमओ क्रालपोरा ने परिवार के सदस्यों की मौत की पुष्टि करते हुए कहा कि इन सभी की मौत दम घुटने के कारण हुई है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि शवों का पोस्टमार्टम करने के बाद ही असली मौत के कारणों का पता चल पाएगा। उन्होंने कहा कि शवों को अस्पताल लाने के लिए दो एंबुलेंस भेजी गई हैं।

शिवसेना का प्रदर्शन, स्मार्ट सिटी में मिनटों का सफर घंटों में, सड़कों पर वाहन दौड़ते नहीं रेंगते है

जम्मू (हि.स.)। स्मार्ट सिटी जम्मू में बद्तर यातायात व्यवस्था से मिंटो का सफर घंटों में तय हो रहा है। सड़कों पर तैनात यातायात कर्मी व्यवस्था को सुधारने की जगह मूक दर्शक बन चालान काटने में व्यस्त रहते हैं यह कहना है शिवसेना जम्मू कश्मीर ईकाई प्रमुख मनीश साहनी का । पार्टी प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी की अध्यक्षता में एकत्रित शिव सैनिकों ने बुधवार को यातायात व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर पार्टी मध्यवर्ती कार्यालय के समीप छन्नी चौक पर जोरदार प्रदर्शन किया। साहनी ने कहा कि जम्मू में ट्रैफिक जाम जनता के लिए आफत बन चुका है। शहर का कोई भी चौराहा एवं सड़क ऐसी नहीं है जहां जाम की स्थिति नहीं हो, स्मार्ट सिटी कहे जाने वाले जम्मू में बिजलीए पानी सप्लाई की किल्लत के बाद यातायात व्यवस्था पूरी तरह से पस्त हो चुकी है। ट्रैफिक सिग्नल लगने के बाद तो यातायात कर्मी सड़कों से नरादर रहते हैंए सड़कों पर दिखने वाले इक्का दुक्का कर्मी मूक दर्शक बन मात्र चालान काटते हुए देखे जाते हैं। अधिकतर चौराहों पर लगी सिग्नल लाइटें खराब पड़ी है या बंद कर दी गई है । स्मार्ट सिटी के नाम पर जम्मू शहर की सुकड़ी सड़कों को बेच पार्किंग स्थल बना दिए गए हैं। सड़कों पर रेंगते वाहनों के कारण महंगे डीजल पैट्रोल की भी जमकर बबार्दी से जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। आपात स्थिति में लोगों को जाम के कारण भारी परेशानियों से जूझना पड़ रहा है। जम्मू रेलवे स्टेशन से छन्नी पर जाने वाली सड़क पर ट्यूशन सैंटर के बाहर खड़ी गाड़ियों से दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। वहीं जम्मू के सुपर स्पैशलिसट अस्पताल एवं उसके समीप बने सिनेमाघर के बाहर की सड़क पर स्मार्ट पार्किंग बनने से दिनभर जाम से जनता परेशान है। साहनी ने यातायात विभाग के उच्चाधिकारियों से यातायात व्यवस्था में सुधार की तरफ ध्यान देने तथा पीक आवर्स में शिव सैनिकों की स्वैच्छिक सेवा की पेशकश की है इस मौके पर अध्यक्ष महिला विंग मिनाक्षी छिब्बर, महासचिव विकास बख्शी, अध्यक्ष कामगर विंग राज सिंह, प्रभारी अश्विनी प्रभाकर, शशिपाल, अंशु, मुहमद समेत कई नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शिक्षा विभाग कर्मियों का वेतन बार-बार लटकाने पर जताया एतराज

भिवानी, (हि.स.)। प्रदेश के शिक्षा विभाग में कार्यरत लगभग डेढ़ लाख कर्मचारियों को विभागीय लापरवाही से तीन महीने से वेतन में देरी होने पर स्कूल लेक्चरर एसोसिएशन हरियाणा-सलाह ने कड़ा एतराज जताया है। वेतन में देरी होने की वजह से कर्मियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सलाह के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक शर्मा व जिला भिवानी प्रधान राजबीर धारेडू ने कहा कि निदेशालय द्वारा जनवरी मास का भी ई-पोस्ट पर वित्त विभाग को डाटा नहीं भेजा, जिससे लाखों कर्मियों को वेतन अभी तक नहीं मिला है। ई पोस्ट पर शिक्षा निदेशालय द्वारा दिसंबर माह का डाटा भी समय पर नहीं भेजा गया था। इसके चलते कर्मियों को महीने के अंतिम सप्ताह तक वेतन प्राप्त हुआ था। निदेशालय ने जनवरी माह का डाटा समय पर ई-पोस्ट पर वित्त विभाग को भेजने का आश्वासन दिया था। बावजूद इसके निदेशालय द्वारा समय पर डाटा नहीं भेजा गया। सलाह पदाधिकारियों ने कहा शिक्षा निदेशालय की देरी या लापरवाही का खामियाजा लाखों शिक्षकों व गैर शिक्षक कर्मियों को भुगतना पड़ रहा है, जबकि इसके लिए सीधे शिक्षा निदेशालय जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि ई पोस्ट पर डाटा नहीं भेजने के बारे में संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए ना लाखों कर्मियों का वेतन रोका जाए। एसोएिशन ने कहा शिक्षा निदेशालय तत्काल वित्त विभाग को ई पोस्ट पर डाटा भेजे जिससे कर्मियों को वेतन प्राप्त हो। निदेशालय यह सुनिश्चित करे कि भविष्य में वित्त विभाग को ई पोस्ट के माध्यम से समय पर डाटा उपलब्ध कराया जाएगा। यदि भविष्य में ऐसा होता है तो शिक्षा विभाग कर्मचारियों का वेतन रोकने की अपेक्षा ई-पोस्ट पर डाटा भेजने से संबंधित अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

अतिक्रमण पर सख्त भिवानी पुलिस, चलाया अभियान

भिवानी, (हि.स.)। नगरपरिषद व भिवानी पुलिस की टीम ने संयुक्त रूप भिवानी के मुख्य बाजारों में बढ़ते अतिक्रमण व राहगीरों की परेशानियों को देखते हुए मुख्य बाजार, बिचला बाजार में बुधवार को अतिक्रमण अभियान चलाया। इस दौरान नो पार्किंग में खड़े वाहनों का भी चालान किया गया तथा कुछ वाहनों को जब्त भी किया गया। टीम की अगुवाई कर रहे इंस्पेक्टर बलदेव सिंह ने बताया कि शहर में बढ़ते अतिक्रमण को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार भिवानी शहर के मुख्य बाजार व बिचला बाजार में नगर परिषद व पुलिस प्रशासन की मदद से अतिक्रमण हटाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अतिक्रमण के साथ-साथ नो पार्किंग में खड़े वाहनों का चालान काटा जा रहा है और दुकानदारों से अपील करते हैं कि दुकान से बाहर सामान न रखें। उन्होंने कहा कि यदि फिर भी कोई दुकानदार नियमों की उल्लंघना करता है तो नियमानुसार मुकदमा भी दर्ज होगा।

मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण देश आर्थिक रूप से मजबूत हो रहा: कैप्टन अभिमन्यु

हिसार, (हि.स.)। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा है कि मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण ही देश आर्थिक रूप से मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान कंगाली के कगार पर है, दुनिया के बड़े-बड़े देश आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं लेकिन विश्व बैंक आईएमएफ व दुनिया की सभी रेटिंग एजेंसियों की रिपोर्ट के अनुसार भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में एक चमकते हुए सूर्य व आशा की किरण के समान है। कैप्टन अभिमन्यु बुधवार को नारनौंद हलके के गांवों में आयोजित कार्यक्रमों के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने आजादी के अमृतकाल का पहला ऐसा बजट पेश किया है, जो हर वर्ग को भाया है। बजट में गरीब, किसान, मजदूर, छोटे उद्यमी व हर आम करदाता को लाभ देने वाला बजट है जो मील का पत्थर साबित होगा। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि राखी गढ़ी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमकाने, नारनौंद में रेलवे लाइन शुरू करवाने व हिसार में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पूर्ण होने का सपना भी अवश्य पूरा होगा और इसका समय आ रहा है। पत्रकारों द्वारा खेड़ी चौपटा के किसानों द्वारा मुआवजे की मांग पर दिए जा रहे धरने बारे पूछे जाने पर कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि हो सकता है, इस मामले में अधिकारी स्तर पर कोई कमी रही हो। जब वे खुद मंत्री थे तो उस समय किसानों को मुआवजा देने में किसी तरह की देरी नहीं की गई लेकिन अब देरी क्यों हो रही है, सरकार को इसका संज्ञान लेना चाहिए। प्राकृतिक आपदा आने पर विशेष गिरदावरी व मुआवजा देने की एक नीति बनी हुई है, उसी अनुसार तुरंत राहत किसानों को दी जानी चाहिए। अधिकारियों को किसानों के प्रति हमदर्दी पूर्ण रवैये के साथ एक सवाल के जवाब में उन्होंने उम्मीद जताई कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल अपने अनुभव के चलते विकासोन्मुखी व प्रदेश जनता को राहत देने वाला बजट पेश करेंगे।

डीसी ने दिलाई जिला परिषद के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष को शपथ

हिसार, (हि.स.)। उपायुक्त उत्तम सिंह ने जिला परिषद के नवनिर्वाचित अध्यक्ष व उपाध्यक्ष को लघु सचिवालय परिसर स्थित जिला सभागार में बुधवार को पद एवं कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। हिसार जिला परिषद चुनाव में वार्ड नंबर-22 से पार्षद सोनू सिहाग डाटा को अध्यक्ष तथा वार्ड नंबर-21 की पार्षद रीना बधावड़ उपाध्यक्ष पद के लिए चुनी गई थीं। नवनिर्वाचित अध्यक्ष व उपाध्यक्ष को पद एवं कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाते हुए उपायुक्त उत्तम सिंह ने उन्हें शुभकामनाएं दी और कहा कि विकास से संबंधित सभी कार्यों में प्रशासन द्वारा पूरा सहयोग दिया जाएगा। सरकार द्वारा विकास कार्यों में पारदर्शिता लाने के लिए गांवों में ग्राम दर्शन पोर्टल बनाया गया है। इसके माध्यम से आम आदमी को भी अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अपनी बात रखने व उसके समाधान करवाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इन पोर्टल पर आम लोग अपनी मांग, शिकायत और सुझाव भी दे सकेंगे। हर गांव में आमजन की मूलभूत सुविधाओं को बढ़ाने की दिशा में निरंतर काम किया जा रहा है। उपायुक्त ने जिला परिषद के सभी सदस्यों के लिए ग्राम दर्शन पोर्टल तथा जिला परिषद की कार्य प्रणाली को लेकर प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने के निर्देश भी दिए। इससे सभी सदस्य अपने कर्तव्यों, शक्तियों तथा सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रक्रिया के बारे में जान पाएंगे और बेहतर तरीके से अपना कार्य कर सकेंगे। जिला परिषद के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सोनू डाटा व नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष रीना बधावड़ ने कहा उनकी पहली प्राथमिकता सभी गांवों में एक समान विकास कार्य करवाना है और इसी दृष्टि से ही सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना है। शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निवारण किया जाएगा। इस दौरान बैठक में उपस्थित पार्षदों व गणमान्य व्यक्तियों के सुझाव भी लिए गए।

विधायक नीरज शर्मा ने की केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात

फरीदाबाद, (हि.स.)। एनआईटी फरीदाबाद से विधायक नीरज शर्मा ने बुधवार को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से नई दिल्ली में संसद भवन परिसर में मुलाकात की। विधायक शर्मा ने केंद्रीय मंत्री से एन.एच-44 दिल्ली से आगरा जाने वाले हाई-वे को गांव पाली धौज होते हुए सोहना हाई-वे से जोड़ने का मांगपत्र सौंपा। विधायक शर्मा ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि एनएच-44 अंबाला से दिल्ली से आगरा को जाता है। विधायक ने केंद्रीय मंत्री से अनुरोध किया एनएच-44 को फरीदाबाद से वाया गांव पाली, धौज रोड से होकर नेशनल हाई-वे सोहना से जोड़ा जाए इससे दोनों हाई-वे एक दूसरे से कनेक्ट हो जाएंगे और फरीदाबाद-गुड़गांव-सोहना के लाखों लोगों को इसका फायदा मिलेगा।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक सेक्टर में नौकरी जाने की बड़ी वजह: एचआर लीडर छंटनी के लिए भी ले रहे सॉफ्टवेयर और एल्गोरिदम का सहारा

बेथ कोविट।

दुनियाभर में तेजी से बढ़ते ऑटोमेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रयोग के चलते इनसानी नौकरियां घट रही हैं। लागत घटाने और मंदी की आशंका के नाम पर सबसे ज्यादा छंटनियां टेक्नोलॉजी से जुड़ी कंपनियों में ही हो रही हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस न केवल इनसानों की जगह ले रहा है, बल्कि छंटनी करने के लिए भी एचआर अधिकारी इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। यह बहुत आश्चर्य की बात नहीं है कि टेक्नोलॉजी सेक्टर में फैसले लेने में आसानी और तेजी के लिए इस्तेमाल होने वाला अब छंटनी के लिए लिस्ट बनाने में भी उपयोग किया जा रहा है। आउटप्लेसमेंट कंपनी चैलेंजर, ग्रे एंड क्रिसमस के मुताबिक बीते महीने अमेरिका में टेक कंपनियों में लगभग 42,000 छंटनियां हुईं जो अभी तक का दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। टेक रिसर्च फर्म गार्टनर की शाखा कैप्टेरा की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सर्वे किए गए 98प्रतिशत एचआर लीडर ने माना कि 2023 में अगर मंदी आती है तो लेबर कॉस्ट में कमी करने के लिए वे किसी न किसी सॉफ्टवेयर और एल्गोरिदम पर निर्भर रहेंगे। दिहाड़ी कामगारों का प्रबंधन एल्गोरिदम के जरिए करना कोई नई बात नहीं है। 2021 में ब्लूमबर्ग न्यूज ने बताया था कि अमेजन अपने फ्लेक्स डिलीवरी ड्राइवर को ट्रैक कर रही थी, जिनमें से कुछ को ऑटोमेटेड ईमेल के जरिए नौकरी से हटाया गया क्योंकि एल्गोरिदम ने तय किया कि वे अपने निर्धारित लक्ष्य को पूरा नहीं कर पा रहे थे। हालांकि, ऑफिस वर्कर फिलहाल इस तरह की जांच से बच गए हैं क्योंकि उन्हें इसी तरह ट्रैक करने के लिए डेटा मौजूद नहीं है। लेकिन वर्कफोर्स प्रोडक्टिविटी स्कोर की बढ़ती लोकप्रियता के साथ उनकी ट्रैकिंग भी संभव हो रही है। उनके की-बोर्ड के हर स्ट्रोक और माउस की क्लिक पर नजर रखने के लिए सक्रिय हो रहे हैं और उनकी प्रोडक्टिविटी के आधार पर छंटनी की लिस्ट में उन्हें शामिल कर सकते हैं। कुछ एक्सपर्ट के मुताबिक अमेजन ने नौकरी के आवेदकों की छंटनी के लिए एक ऑटोमेटेड टूल बनाया था। सिस्टम को उन लोगों के पुराने डेटा को देखने के लिए प्रशिक्षित किया गया, जिन्होंने अतीत में रिज्यूमे जमा किया था। लेकिन क्योंकि टेक इंडस्ट्री पुरुष-प्रधान है और अधिकांश पिछले उम्मीदवार पुरुष थे, इसलिए आवेदन करने वाली महिलाओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि बाद में अमेजन ने इस प्रोग्राम को बंद कर दिया था।

न्यूज ब्रीफ

अब एटीएम से निकलेंगे सिक्के: यूपीआई ऐप से QR कोड स्कैन करके निकाल सकेंगे पैसे, इसको लेकर पायलट प्रोजेक्ट शुरू करेगा भारतीय रिजर्व बैंक

नई दिल्ली। अब आप यूपीआई के जरिए एटीएम से सिक्के निकाल सकेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक ने मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग के बाद सिक्कों के लिए वेंडिंग मशीन लगाने की घोषणा की। भारतीय रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास ने बताया कि उसकी योजना क्कककोड पर आधारित कॉइन वेंडिंग मशीन लगाने की है। वो इसके लिए पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने जा रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि इसका उद्देश्य सिक्कों की उपलब्धता को बढ़ाना है। उन्होंने बताया कि रिजर्व बैंक शुरुआती चरण में इसे देश के 12 शहरों में शुरू करने जा रहा है। QR कोड बेस्ड वेंडिंग मशीनों का इस्तेमाल यूपीआई के जरिए किया जाएगा और इनसे नोट की जगह सिक्के बाहर निकलेंगे। इन कॉइन वेंडिंग मशीन से कोई भी ग्राहक अपने यूपीआई ऐप के जरिए मशीन के ऊपर लगे कोड स्कैन करके सिक्के निकाल सकेंगे। जितनी कीमत के सिक्के ग्राहक निकालेगा, उसके रजिस्टर्ड बैंक अकाउंट से वो पैसा कट जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग खत्म होने के बाद बुधवार को रेपो रेट में 0.25प्रतिशत का इजाफा किया है। इससे रेपो रेट 6.25प्रतिशत से बढ़कर 6.50प्रतिशत हो गया है। यानी होम लोन से लेकर ऑटो और पर्सनल लोन सब कुछ महंगा हो जाएगा और आपको ज्यादा इएमआई चुकानी होगी। हालांकि एफडी पर अब ज्यादा ब्याज दरें मिलेंगी। 1 अगस्त 2018 के बाद रेपो रेट की सबसे ऊंची दर है। तब रेपो रेट 6.50प्रतिशत थी। मॉनेटरी पॉलिसी की मीटिंग हर दो महीने में होती है। इस वित्त वर्ष की पहली मीटिंग अप्रैल में हुई थी। तब भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो रेट की सबसे ऊंची दर है। तब रेपो रेट 6.50प्रतिशत थी। मॉनेटरी पॉलिसी की मीटिंग हर दो महीने में होती है। इस वित्त वर्ष की पहली मीटिंग अप्रैल में हुई थी। तब भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो रेट को 4प्रतिशत पर स्थिर रखा था, लेकिन भारतीय रिजर्व बैंक ने 2 और 3 मई को इमरजेंसी मीटिंग बुलाकर रेपो रेट को 0.40प्रतिशत बढ़ाकर 4.40प्रतिशत कर दिया था। 22 मई 2020 के बाद रेपो रेट में ये बदलाव हुआ था। इसके बाद 6 से 8 जून को हुई मीटिंग में रेपो रेट में 0.50प्रतिशत इजाफा किया। इससे रेपो रेट 4.40प्रतिशत से बढ़कर 4.90प्रतिशत हो गई। फिर अगस्त में इसे 0.50प्रतिशत बढ़ाया गया, जिससे ये 5.40प्रतिशत पर पहुंच गई। सितंबर में ब्याज दरें 5.90प्रतिशत हो गई। फिर दिसंबर में ब्याज दरें 6.25प्रतिशत पर पहुंच गई। अब ब्याज दरें 6.50प्रतिशत पर पहुंच गई है।

वनप्लस ने भारत में उतारा अपना सबसे पावरफुल स्मार्टफोन: 57 हजार की शुरूआती कीमत में मिलेगा वनप्लस 11 5जी, टैबलेट, ईयर बड्स और टीवी भी पेश की

नई दिल्ली। स्मार्टफोन ब्रांड वनप्लस ने फ्लैगशिप सीरीज में अपने सबसे पावरफुल समार्टफोन वनप्लस 11 5जी को भारत में लॉन्च कर दिया है। दिल्ली में हुए इवेंट में कंपनी ने वनप्लस 11, वनप्लस बड्स प्रो 2, वनप्लस पेड और वनप्लस टीवी प्रो को भी लॉन्च किया है। भारत में वनप्लस के इन प्रोडक्ट्स की प्री-बुकिंग शुरू हो चुकी है। ये प्रोडक्ट अमेजन इंडिया, वनप्लस एक्सपीरियंस स्टोर और चुनिंदा पार्टनर स्टोर्स पर अवेलेबल रहेंगे।

सरकारी बैंकों को तीसरी तिमाही में रिकॉर्ड 28719 करोड़ लाभ, मुनाफे में अकेले एसबीआई की 50 फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली। एनपीए में कमी और कर्ज की मांग में तेजी से 11 सरकारी बैंकों ने चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्तूबर-दिसंबर) में रिकॉर्ड 28,719 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है। इसमें अकेले एसबीआई की हिस्सेदारी 50 फीसदी है, जिसने 14,205 करोड़ का मुनाफा कमाया है। इस दौरान इन बैंकों का एनपीए भी 4 फीसदी से नीचे आ गया है। तमाम बैंकों की बैलेंसशीट से पता चलता है कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने 458 करोड़ मुनाफा कमाया है, जो एक साल पहले इसी अवधि में 278 करोड़ था। बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने 325 करोड़ की तुलना में 775 करोड़, इंडियन बैंक ने 1,396 करोड़ और पंजाब एंड सिंध बैंक ने 373 करोड़ का मुनाफा कमाया है। हालांकि, पंजाब नेशनल बैंक का लाभ 1,127 करोड़ से घटकर 629 करोड़ रह गया है। आंकड़े बताते हैं कि 2015-16 से 2019-20 तक के बीच यानी पांच साल इन बैंकों ने लगातार घाटा दिया। 2017-18 में सबसे अधिक 85,370 करोड़ का घाटा था। 2018-19 में 66,636 करोड़ का घाटा था। 2009-10 से 2014-15 तक ये सरकारी बैंक फायदे में थे।

भारतीय रिजर्व बैंक ने लगातार छठी बार बढ़ाई ब्याज दरें

20 साल वाले 30 लाख के लोन पर करीब 1 लाख रु. ज्यादा चुकाने होंगे; लेकिन एफडी पर ज्यादा ब्याज

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक यानी भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को रेपो रेट में 0.25प्रतिशत का इजाफा किया है। इससे रेपो रेट 6.25प्रतिशत से बढ़कर 6.50प्रतिशत हो गया है। यानी होम लोन से लेकर ऑटो और पर्सनल लोन सब कुछ महंगा हो जाएगा और आपको ज्यादा चुकानी होगी। हालांकि एफडी पर अब ज्यादा ब्याज दरें मिलेंगी। 1 अगस्त 2018 के बाद रेपो रेट की सबसे ऊंची दर है। तब रेपो रेट 6.50प्रतिशत थी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के 1 फरवरी को बजट पेश करने के बाद यह पहली बैठक है। ब्याज दरों पर फैसले के लिए 6 फरवरी से मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग चल रही थी। भारतीय रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास आज बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में ब्याज दरों से जुड़ी घोषणा की। इससे पहले दिसंबर में हुई मीटिंग में ब्याज दरों को 5.90प्रतिशत से बढ़कर 6.25प्रतिशत किया गया था।

6 बार में 2.50प्रतिशत की बढ़ोतरी - मॉनेटरी पॉलिसी की मीटिंग हर दो महीने में होती है। इस वित्त वर्ष की पहली मीटिंग अप्रैल में हुई थी। तब भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो रेट को 4प्रतिशत पर स्थिर रखा था, लेकिन भारतीय रिजर्व बैंक ने 2 और 3 मई को इमरजेंसी मीटिंग बुलाकर रेपो रेट को 0.40प्रतिशत बढ़ाकर 4.40प्रतिशत कर दिया था। 22 मई 2020 के बाद रेपो रेट में ये बदलाव हुआ था। इसके बाद 6 से 8 जून को हुई मीटिंग में रेपो रेट में 0.50प्रतिशत इजाफा किया। इससे रेपो रेट 4.40प्रतिशत से बढ़कर 4.90प्रतिशत हो गई। फिर अगस्त में इसे 0.50प्रतिशत बढ़ाया गया, जिससे ये 5.40प्रतिशत पर पहुंच गई। सितंबर में ब्याज दरें 5.90प्रतिशत हो गई। फिर दिसंबर में ब्याज दरें 6.25प्रतिशत पर पहुंच गई। अब ब्याज दरें 6.50प्रतिशत पर पहुंच गई है।

एक साल में करीब 2988 रुपए बढ़ी इएमआई - ब्याज दरों के बढ़ने के बाद मई से पहले जो होम लोन आपको 5.65प्रतिशत रेट ऑफ इंटरेस्ट पर मिल रहा था वो अब 8.15प्रतिशत पर पहुंच गया है। यानी 20 साल के लिए 20 लाख के लोन पर आपको हर महीने करीब 2,988 ज्यादा की इएमआई देनी होगी।

0.25प्रतिशत रेट बढ़ने से कितना फर्क पड़ेगा - मान लीजिए रोहित नाम के एक व्यक्ति ने 7.90प्रतिशत के फिक्स्ड रेट पर 20 साल के लिए 30 लाख का लोन लिया है। उसकी इएमआई 24,907 रुपए है। 20 साल में उसे इस दर से 29.77 लाख रुपए का ब्याज देना होगा। यानी, उसे 30 लाख के बदले कुल 59.77 लाख रुपए चुकाने होंगे। रोहित के लोन लेने के बाद भारतीय रिजर्व बैंक रेपो रेट में 0.25प्रतिशत का इजाफा कर देता है। इस कारण बैंक भी 0.25प्रतिशत ब्याज दर बढ़ा देते हैं। अब जब रोहित का एक दोस्त उसी बैंक में लोन लेने के लिए पहुंचता है तो बैंक उसे 7.90प्रतिशत की जगह 8.15प्रतिशत रेट ऑफ इंटरेस्ट बताता है। रोहित का दोस्त भी 30 लाख का ही लोन 20 साल के लिए लेता है, लेकिन उसकी इएमआई 25,374 रुपए की बनती है। यानी रोहित की इएमआई से 467 रुपए ज्यादा। इस वजह से रोहित के दोस्त को 20 साल में कुल 60.90 लाख रुपए चुकाने होंगे। ये रोहित से 1.13 लाख ज्यादा है।

क्या पहले से चल रहे लोन पर भी बढ़ेगी इएमआई - लोन की ब्याज दरें 2 तरह से होती हैं फिक्स्ड और फ्लोटर। फिक्स्ड में आपके लोन कि ब्याज दर शुरू से आखिर तक एक जैसी रहती है। इस पर रेपो रेट में बदलाव का कोई फर्क नहीं पड़ता। वहीं फ्लोटर में रेपो रेट में बदलाव का आपके लोन की ब्याज दर पर भी फर्क पड़ता है। ऐसे में अगर आपने फ्लोटर ब्याज दर पर लोन लिया है तो इएमआई भी बढ़ जाएगी।

भारतीय रिजर्व बैंक रेपो रेट क्यों बढ़ाता या घटाता है - भारतीय रिजर्व बैंक के पास रेपो रेट के रूप में महंगाई से लड़ने का एक शक्तिशाली टूल है। जब महंगाई बहुत ज्यादा होती है तो, भारतीय रिजर्व बैंक रेपो रेट बढ़ाकर इकोनॉमी में मनी फ्लो को कम करने की कोशिश करता है। रेपो रेट ज्यादा होगा तो बैंकों को भारतीय रिजर्व बैंक से मिलेने वाला कर्ज महंगा होगा। बदले में बैंक अपने ग्राहकों के लिए लोन महंगा कर देंगे। इससे इकोनॉमी में मनी फ्लो कम होगा। मनी फ्लो कम होगा तो डिमांड में कमी आएगी और महंगाई घटेगी। इसी तरह जब इकोनॉमी बुरे दौर से गुजरती है तो रिकवरी के लिए मनी फ्लो बढ़ाने की जरूरत पड़ती है। ऐसे में भारतीय रिजर्व बैंक रेपो रेट कम कर देता है। इससे बैंकों को भारतीय रिजर्व बैंक से मिलने वाला कर्ज सस्ता हो जाता है और ग्राहकों को भी सस्ती दर पर लोन मिलता है। इस उदाहरण से समझते है। कोरोना काल में जब इकोनॉमिक एक्टिविटी ठप हो गई थी तो डिमांड में कमी आई थी। ऐसे में भारतीय रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों को कम करके इकोनॉमी में मनी फ्लो को बढ़ाया था।

रिवर्स रेपो रेट के बढ़ने-घटने से क्या होता है - रिवर्स रेपो रेट उस दर को कहते है जिस दर पर बैंकों को भारतीय रिजर्व बैंक पैसा रखने पर ब्याज देता है। जब भारतीय रिजर्व बैंक को मार्केट से लिक्विडिटी को कम करना होता है तो वो रिवर्स रेपो रेट में इजाफा करता है। भारतीय रिजर्व बैंक के पास अपनी होल्डिंग के लिए ब्याज प्राप्त करके बैंक इसका फायदा उठाते हैं। इकोनॉमी में हाई इंफ्लेशन के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक रिवर्स रेपो रेट बढ़ाता है। इससे बैंकों के पास ग्राहकों को लोन देने के लिए फंड कम हो जाता है।

गडकरी ने उन्नत ड्रोन हवाई यातायात प्रबंधन प्रणाली स्काई यूटीएम का अनावरण किया

नई दिल्ली।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को स्काई यूटीएम का अनावरण किया। इसे दुनिया में सबसे अत्याधुनिक मानव रहित यातायात प्रबंधन प्रणाली के रूप में जाना जाता है, जो प्रति घंटे 4,000 उड़ानें और प्रति दिन 96,000 उड़ानें संभालने में सक्षम है। स्काई यूटीएम एक क्लाउड-आधारित हवाई यातायात प्रबंधन प्रणाली है जो मानवयुक्त विमानन हवाई क्षेत्र के साथ मानव रहित हवाई यातायात को एकीकृत करती है। स्काई यूटीएम को हवाई क्षेत्र में सभी ड्रोन/अन्य हवाई गतिशीलता ऑपरेटरों को स्थिति के अनुसार जागरूकता, स्वायत्त नेविगेशन, जोखिम मूल्यांकन और यातायात प्रबंधन प्रदान करने के लिए बनाया गया है। मंत्री नितिन गडकरी ने निर्माण, बुनियादी ढांचा और राजमार्ग क्षेत्र में नई तकनीकों पर जोर देते हुए कहा कि यह भारतीय ड्रोन स्टार्टअप्स के लिए उद्योग का नेतृत्व करने का सही समय है। उन्होंने अगे कहा कि निर्माण, कृषि, स्वास्थ्य सेवा, रक्षा, बुनियादी ढांचा, सर्वेक्षण, रियल एस्टेट और परिवहन जैसे क्षेत्रों में ड्रोन का उपयोग किया जा रहा है। ड्रोन कंपनियां राजमार्गों और सड़क निर्माण की निगरानी भी करेंगी। बहुत सारे शोध हो रहे हैं जो निश्चित रूप से इसके उपयोग को बढ़ाने में मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि मंत्रालय जल्द ही वास्तविक समय की निगरानी और राजमार्ग निर्माण में तेजी लाने के लिए तैनात किए जाने वाले ड्रोन स्टार्टअप्स से भागीदारी आमंत्रित करेगा और सड़क दुर्घटनाओं पर भी नजर रखेगा। मंत्री ने बताया कि इस अभियान को अंजाम देने के लिए मंत्रालय द्वारा जल्द ही एक टेंडर जारी किया जाएगा। स्काई एयर के सीईओ अंकित कुमार के अनुसार, जागरूकता एक जरूरत बन गई है और ड्रोन पायलटों, नियामकों और नियंत्रकों को आकाश में ड्रोन के आसपास वास्तविक समय की जानकारी की आवश्यकता होती है। कुमार ने कहा, स्काई यूटीएम इस संबंध में एक गेम चेंजर है, जो ड्रोन के साथ डिजिटल रूप से संचार स्थापित कर और पूरे हवाई क्षेत्र में यातायात को जोड़कर नियामकों और पायलटों दोनों को स्थिति के अनुसार जागरूकता प्रदान करता है।

1300 कर्मचारियों को नौकरी से निकालेगी जूम, सीईओ बोले- मंदी के असर से निपटना होगा

नई दिल्ली।

पूरी दुनिया में मंदी का असर दिखने लगा है। यही वजह है कि दुनियाभर में कई कंपनियां अपने यहां स्टाफ की छंटनी करने में जुटी हैं। अब इस लिस्ट में नया नाम टेक कंपनी श्रश्रद्ध का भी जुड़ गया है। बता दें कि जूम ने 1300 कर्मचारियों को निकालने का फैसला किया है। यह कंपनी के कुल कार्यबल का 15 फीसदी है। कंपनी के सीईओ एरिक युआन ने कंपनी की वेबसाइट पर एक ब्लॉग पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है। एरिक युआन के इस एलान का असर भी दिखा और मंगलवार को नैस्डेक पर जूम के शेयरों में 8 फीसदी की तेजी आई है। कोरोना महामारी के दौरान कई तकनीकी कंपनियों को गजब की ग्रोथ मिली और जूम भी उनमें से एक थी। कोरोना वायरस संक्रमण के दौरान जब पूरी दुनिया घरों में कैद थी, तब जूम का बिजनेस पर चरम पर था और घरों-ऑफिस वगैरह में जूम का खूब इस्तेमाल हो रहा था। हालांकि अब जब हालात सामान्य हैं तो कंपनी को मंदी का सामना करना पड़ रहा है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सर्विस कंपनी जूम के सीईओ एरिक युआन ने ब्लॉग में लिखा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनियमितता और ग्राहकों के इस पर असर के चलते हमें कड़े लेकिन कदम उठाने पड़ रहे हैं। युआन ने लिखा कि

हम लगातार काम कर रहे हैं ताकि जूम को इसके ग्राहकों के लिए और बेहतर बनाया जा सके लेकिन हमसे भी गलतियां हुई हैं। हमने अपनी टीम की समीक्षा की और ज्यादा वक्त नहीं लिया। हम ये देख रहे हैं कि कारोबार को कैसे ज्यादा सस्टेनेबल बनाया जा सके। बता दें कि जूम जिन कर्मचारियों को निकाल रही है, उन्हें चार महीने की सैलरी और हेल्थ कवरेज देने की बात कही गई है। बता दें कि कंपनी के सीईओ एरिक युआन ने भी आने वाले वित्तीय वर्ष में अपनी सैलरी में 98 फीसदी की कटौती करने का फैसला किया है। साथ ही 2023 का कॉरपोरेट बोनस भी ना लेने की बात कही है। उल्लेखनीय है कि कोरोना महामारी के बाद अब दुनियाभर में मंदी का असर बढ़ रहा है।

लिंक्डइन ने भारत में 10 करोड़ सदस्यों के आंकड़े को किया पार

नई दिल्ली।

पेशेवर नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म लिंक्डइन ने बुधवार को कहा कि उसने भारत में 10 करोड़ सदस्यों का आंकड़ा पार कर लिया है, देश में पिछले तीन वर्षों में इसके सदस्य आधार में 56 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। भारत ने वैश्विक स्तर पर माइक्रोसॉफ्ट के स्वामित्व वाले लिंक्डइन के लिए दूसरे सबसे बड़े बाजार के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। कंपनी ने सूचित किया कि भारत में सदस्यों का सबसे बड़ा हिस्सा सॉफ्टवेयर और आईटी से है, इसके बाद विनिर्माण, कॉर्पोरेट सेवाएं (परामर्श, लेखा और मानव संसाधन) वित्त और शिक्षा उद्योग हैं। लिंक्डइन के इंडिया कंट्री मैनेजर आशुतोष गुप्ता ने

कहा, भारत में हमारा 100 मिलियन सदस्य समुदाय अब नौकरियों से अधिक के लिए बड़े पैमाने पर मंच का उपयोग कर रहा है। वे विश्व स्तर पर किसी भी अन्य क्षेत्र की तुलना में नेटवर्किंग, मैसेजिंग और सीखने पर अधिक अनुक्रमण कर रहे हैं। उन्होंने कहा, जैसा कि हम अगले 100 मिलियन पेशेवरों का स्वागत करना चाहते हैं, हमारा लक्ष्य पेशेवरों के जीवन में एक सच्चा भागीदार बनना है क्योंकि भारत कौशल-प्रथम श्रम बाजार का निर्माण जारी रखे हुए है। जैसे-जैसे नौकरियां और करियर के रास्ते तेजी से गैर-रैखिक होते जा रहे हैं, भारत में कंपनियां हायरिंग के लिए स्किल-फर्स्ट दृष्टिकोण अपना रही हैं, लिंक्डइन पर 50 प्रतिशत से अधिक रिक्रूटर्स अपनी भूमिकाओं को भरने के लिए स्पष्ट रूप से कौशल डेटा का उपयोग कर रहे हैं, जो वैश्विक औसत 45 प्रतिशत से अधिक है। अकेले 2022 में, भारत में पेशेवरों ने प्लेटफॉर्म पर सीखने में 4.6 मिलियन घंटे बिताए, जो कि अमेरिका में लिंक्डइन पर बिताए गए सीखने के घंटों का लगभग दो गुना है। प्लेटफॉर्म ने कहा, कठिन मैक्रोइकॉनॉमिक स्थितियों के बावजूद, किसी भी नौकरी के बाजार में अधिक रोजगार योग्य बनने और 2023 में अपने कैरियर के लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए मांग में कौशल सीखना महत्वपूर्ण होगा। भारत में लिंक्डइन के शीर्ष 10 सबसे अधिक मांग वाले कौशल की इस वर्ष की सूची में प्रबंधन (पहला स्थान), संचार (4) और बिक्री (10) शामिल हैं।

अदाणी समूह की 7 कंपनियों के शेयर 2019 से ही नियामकीय निगरानी में, सेबी-स्टॉक एक्सचेंज ने किए उपाय

नई दिल्ली।

हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के बाद अदाणी समूह के बड़ी गिरावट वाले शेयर नियामकीय निगरानी के दायरे में आ गए हैं। इससे पहले भी कीमतों में भारी तेजी के बाद समूह की कुछ कंपनियों के शेयरों पर नियामकीय निगरानी बढ़ाई गई थी। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, अदाणी समूह की सात कंपनियों के शेयर 2019 के बाद से विभिन्न अवधि के दौरान कीमतों में असामान्य उतार-चढ़ाव और प्रवर्तकों के अधिक संख्या में गिरवी रखे जाने के कारण नियामकीय निगरानी के दायरे में हैं। 3 फरवरी, 2023 की स्थिति के अनुसार, समूह की 6 सूचीबद्ध कंपनियों के शेयर अतिरिक्त निगरानी व्यवस्था (एएसएम) में हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) और शेयर बाजार ने संबंधित शेयरों में अत्यधिक उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए अतिरिक्त उपाय किए हैं। किसी शेयर की कीमतों में जब कभी अत्यधिक उतार-चढ़ाव होता है तो एएसएम अपने आप चालू हो जाती है। शेयर बाजार बीएसई और एनएसई ने हाल ही में अदाणी समूह की तीन कंपनियों अदाणी इंटरप्राइजेज, अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन और अंबुजा सीमेंट को अल्पकालीन अतिरिक्त निगरानी व्यवस्था (एएसएम) के दायरे में रखा है। इसका मकसद सट्टेबाजी और शॉर्ट सेलिंग पर अंकुश लगाना है।

ये शेयर एएसएम के दायरे में - अदाणी ग्रीन एनर्जी के पहली बार अतिरिक्त निगरानी व्यवस्था में आने के बाद से उसे कुल 1,208 दिनों में से 520 दिन (43 फीसदी) के लिए एएसएम प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा। अदाणी पावर जब पहली बार इस निगरानी दायरे में आई, उसके बाद से 780 दिनों में से 511 दिन के लिए अल्पकालीन या दीर्घकालीन एएसएम दायरे में रही। इसमें से 267 दिनों के लिए कंपनी कीमत में वृद्धि को लेकर कड़ी निगरानी में थी। अदाणी ट्रांसमिशन निगरानी दायरे में आने के बाद से कुल 1,618 दिनों में से 508 दिन के लिए अल्पकालीन या दीर्घकालीन एएसएम के दायरे में रही।

अदाणी टोटल गैस 774 में से 493 दिन के लिए एएसएम सूची में थी। अदाणी विल्मर 8 फरवरी, 2022 को सूचीबद्ध हुआ। कीमत वृद्धि के कारण पहली बार एएसएम दायरे में आने के बाद यह 151 दिन अतिरिक्त निगरानी में थी। अदाणी समूह के दो शेयर नकद और वायदा एवं विकल्प खंड में है, जहां दीर्घकालीन एएसएम लागू नहीं है। अदाणी इंटरप्राइजेज और अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन लि. प्रवर्तकों की ओर से अधिक मात्रा में शेयर गिरवी रखे जाने की वजह से एक साल से अल्पकालीन एएसएम निगरानी में हैं।

06 शेयरों पर अतिरिक्त निगरानी तीन फरवरी, 2023 की स्थिति के अनुसार। इन कंपनियों पर भी है नजर एनएसई में कुल 2,113 सूचीबद्ध शेयरों में 117 एएसएम सूची में हैं। बीएसई में 4,378 शेयरों में से 288 इस निगरानी उपाय के दायरे में हैं। क्या होती है अतिरिक्त निगरानी व्यवस्था एनएमआईएमएस इंदौर में स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट (एसबीएम) के एसोसिएट प्रोफेसर निरंजन शास्त्री के मुताबिक, एएसएम सबसे पहले 2018 में आई थी। उस समय सेबी और शेयर बाजारों ने मौजूदा उपायों के अलावा निगरानी की जरूरत महसूस की। इस व्यवस्था को बाजार में कीमतों में अत्यधिक उतार-चढ़ाव की स्थिति लागू किया जाता है। इसके अलावा, किसी खास शेयर में निवेशकों की अत्यधिक रुचि, बाजार पूंजीकरण, संख्या में उतार-चढ़ाव और डिलिवरी प्रतिशत की स्थिति में एएसएम व्यवस्था लागू की जाती है। ये उपाय निवेशकों को संबंधित शेयर के जोखिम भरे होने का संकेत देते हैं। निवेशकों को निवेश के बारे में फैसला करते समय इस पर ध्यान देना चाहिए। शॉर्ट सेलिंग कारोबार का एक तरीका है। इसके तहत कंपनी उन शेयरों या प्रतिभूतियों को दूसरे ब्रोकरों से उधार लेकर खुले बाजार में बेचती है, जिसके बारे में उनका मानना होता है कि उसकी कीमत घटेगी। बाद में कीमत जब घटती है तो फिर से उसे खरीदकर उधार शेयर लौटाकर मुनाफा कमाया जाता है। अदाणी ग्रीन एनर्जी का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ दोगुना से अधिक होकर 103 करोड़ रुपये पहुंच गया। कंपनी ने कहा कि आमदनी बढ़ने से उसका लाभ बढ़ा है। 2021-22 की समान तिमाही में 49 करोड़ का एकीकृत लाभ हुआ था। इस दौरान कंपनी की कुल आय बढ़कर 2,258 करोड़ रुपये पहुंच गई। अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 12.94 फीसदी घटकर 1,336.51 करोड़ रुपये रह गया। इस दौरान एकीकृत कुल आय 4,713.37 करोड़ से बढ़कर 5,051.17 करोड़ रुपये पहुंच गई। कंपनी का कुल खर्च बढ़कर 3,507.18 करोड़ रुपये पहुंच गया। वहीं, अंबुजा सीमेंट्स का एकीकृत शुद्ध लाभ 13.2 फीसदी बढ़ गया। रेटिंग एजेंसी मूडीज ने मंगलवार को कहा, अदाणी समूह की कंपनियों पर बैंकों का कर्ज इतना अधिक नहीं है कि उनकी ऋण गुणवत्ता प्रभावित हो सके।

सलमान दुनिया की नजरों में काफी बड़े स्टार : सलीम खान

-अरबाज के नये चैट शो पर बोले पिता सलीम

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड के सुपर स्टार सलमान खान के छोटे भाई अरबाज खान ने एक नया चैट शो लॉन्च किया है। पहले मेहमान के रूप में इस शो में उन्होंने अपने पिता सलीम खान को आमंत्रित किया। इस दौरान अरबाज खान ने अपने पिता सलीम खान से सलमान खान को लेकर पूछा कि सलमान की तुलना में वो और सोहेल ज्यादा सफल नहीं हो पाए, इस बारे में जब लोग बात करते हैं तो उन्हें कैसा लगता है। इस प्रश्न के जवाब में सलीम खान ने कहा कि सलमान के अलावा सभी बच्चे भी उतनी ही मेहनत करते हैं। आज भले ही वो सलमान जितने सफल नहीं हो पाए लेकिन कम से कम वो मेहनत करना जारी रखते हैं। अरबाज ने पिता सलीम से बात करते हुए कहा, सलमान एक अचीवर हैं और दुनिया की नजरों में काफी बड़े स्टार हैं। हम उनकी तुलना में उतने सफल नहीं हो पाए। जब आपके कान तक ये बात आती है तो क्या आप निराश होते हैं। जवाब में सलीम खान ने कहा, जब मैं सबकी मेहनत देखता हूं तो मुझे लगता है कि वो भी कोशिश तो कर ही रहे हैं। मैं बहुत आशावादी आदमी हूं, मुझे लगता है कि सबके लिए कुछ न कुछ अच्छा जरूर होगा ही। मुझे इस बात की तसल्ली होती है कि कम से कम वो अपना समय तो बर्बाद नहीं कर रहे हैं। सलीम ने इसके जवाब में कहा कि आप जितने विनम्र रहेंगे आपके सफल होने के उतने चांसेंस बनेंगे। एक व्यक्ति को कभी अपने जड़ो को नहीं भूलना चाहिए।अरबाज ने पिता सलीम से सफलता और असफलता को सम्भालने के बारे में सलाह मांगी। उन्होंने कहा कि जब लोग असफल हो जाते हैं तो इससे निकलने की राह ढूंढते हैं, लेकिन जब वो सफल होते हैं तो वो सफलता उनके सिर पर चढ़ जाती है जो आगे चलकर उनकी बबार्दी का कारण बनता है।

कनाडा से सिर्फ 5000 रुपए लेकर भारत आई थीं नोरा फतेही, आज एक परफॉर्मेंस के लेती हैं 40 से 50 लाख

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड अभिनेत्री और प्रख्यात नृत्यांगना नोरा फतेही ने सलमान खान के बिग बॉस रियलिटी शो से सुर्खियों में जगह बनाई थी। बिग बॉस सीजन 10 में नोरा ने वाइल्ड कार्ड एंट्री के द्वारा बिग बॉस के घर में प्रवेश किया था। वह भले ही वह इस शो की विनर नहीं बन सकीं, लेकिन बिग बास के घर में प्रवेश उनके जीवन का टर्निंग प्वाइंट बन गया। बिग बॉस के घर से बेघर होने के बाद बॉलीवुड इंडस्ट्री ने उनका बाहें खोलकर स्वागत किया। आज जब फिल्म इंडस्ट्री की टॉप डांसर की जब बात की जाती है तो नोरा का नाम सबसे पहले आता है। नोरा अब भारत की दिलबर गर्ल बन चुकी हैं। नोरा फतेही का आज बर्थडे है। उनका जन्म 6 फरवरी 1991 को कनाडा के क्यूबेक शहर में हुआ है।

आज वह 31 साल की हो गई हैं। यूं तो नोरा हिंदी सिनेमा के साथ 2014 से जुड़ी हुई हैं लेकिन सफलता उन्हें 2018 में आई फिल्म सत्यमेव जयते के गाने दिलबर दिलबर से मिली। इस गाने के बाद वह दर्शकों के दिलों दिमाग पर छा गईं। आपको जानकर हैरानी होगी कि नोरा जब कनाडा से भारत आई थीं तो उनके पास केवल 5 हजार रुपये थे लेकिन आज वह करोड़पति है। एक बार नोरा ने अपने इंटरव्यू में अपने स्ट्रगल वाले दिनों का खुलासा किया था। नोरा ने बताया था कि जब वह भारत आईं थी तो अपने साथ सिर्फ 5000 रुपए लेकर मुंबई पहुंचीं थीं। हालांकि, जिस एजेंसी के साथ वह काम कर रही थीं, उससे उन्हें हफ्ते के 3000 रुपए मिलते थे। उन्हें अपना दैनिक रूटीन उसी 3000 में मैनेज करना पड़ता था। मालूम हो कि भले ही नोरा की शुरूआती जर्नी दर्द और संघर्षमय रही, लेकिन आज नोरा करोड़ों की मालकिन हैं। 2022 में डांसिंग सेंसेशन नोरा के पास 39 करोड़ की संपत्ति है। नोरा एक परफॉर्मेंस के 40 से 50 लाख रुपये चार्ज करती हैं। वहीं सोशल मीडिया पर विज्ञापन शेयर करने के 5 से 7 लाख रुपए लेती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक नोरा ने गुरु रंधावा के गाने नाच मेरी रानी के लिए 45 लाख रुपए चार्ज किए थे। अटकलों की मानें तो नोरा भारत की सबसे ज्यादा फीस लेने वाली डांसर हैं। वह सबसे ज्यादा आयकर देने वाली अभिनेत्रियों में से एक गिनी जाती हैं। उल्लेखनीय है कि नोरा फतेही आजकल 200 करोड़ की ठगी के आरोपी सुकेश चंद्रशेखर की वजह से खबरों में हैं। नोरा फतेही का नाम सुकेश साथ जोड़ा गया है। कहा जा रहा है कि सुकेश ने नोरा को कई महंगे गिफ्ट दिये हैं।

आयशा जुल्का ने गुजरात के 2 गांवों को गोद लिया, पति समीर के साथ उठा रही 160 बच्चों के खाने-पढ़ाई का खर्च

मुंबई (ईएमएस)। श्रीनगर में जन्मी बॉलीवुड अभिनेत्री आयशा जुल्का ने बचपन में ही हीरोइन बनने की ठान ली थी। जब एक्ट्रेस ने अपने इस सपने के बारे में अपने परिवार को बताया तो सभी लोगों ने इसका विरोध किया। बाद में उन्होंने परिजनों को राजी कर लिया। वह बालीवुड में आईं और लगभग तीन दशक सफलतापूर्वक ग्लैमर की दुनिया में बिताए। आयशा जुल्का ग्लैमर की दुनिया से दूर इन दिनों अपने कपड़ों के बिजनेस को संभाल रही हैं। इसके अलावा उन्होंने हाल ही में एक-दो शॉर्ट फिल्में भी बनाई हैं। आयशा जुल्का ने साल 1991 में आई कुर्बान फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म में आयशा जुल्का के हीरो सलमान खान थे। हालांकि आमिर खान की फिल्म जो जीता वही सिकंदर से रातों-रात स्टार बन गई थीं। मगर अफसोस उनका स्टारडम ज्यादा दिनों तक कायम नहीं रहा। फिल्म दलाल ने उनके बढ़ते करियर के ग्राफ को गिरा दिया। बाकी जो कसर थी वह फिल्म आंच ने पूरी कर दी। आयशा ने 27 साल के फिल्मी करियर में मिथुन चक्रवर्ती, नाना पाटेकर से लेकर आमिर खान, अक्षय कुमार और सलमान खान तक के साथ काम किया। उन्होंने करीब 52 फिल्में की। कहा जाता है कि आयशा जुल्का ने जिन-जिन अभिनेताओं के साथ काम किया, उन सभी के साथ डेट भी किया। उनका नाम नाना पाटेकर, सलमान, मिथुन, अक्षय कुमार के संग जोड़ा गया था। हालांकि किसी के साथ उनका रिश्ता विवाह तक नहीं पहुंच पाया। 2003 में आयशा जुल्का ने बिजनेसमैन समीर वाशी से विवाह कर लिया। शादी के बाद आयशा ने फिल्मों से किनारा कर लिया। आयशा और समीर को शादी के 30 साल बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक उनका कोई बच्चा नहीं है। एक बार एक इंटरव्यू में आयशा ने अपनी फैमिली प्लानिंग के बारे में बताया था और कहा था कि भले ही उनके पास अपना कोई बच्चा नहीं है, लेकिन वह 160 बच्चों को पालती हैं। आयशा ने बताया मैं जीवन में कई भावनात्मक उतार-चढ़ाव से गुजरी हूं। जब मैंने पति को बताया कि बच्चों को लेकर मैं क्या सोचती हूं तो वह भी मान गए। शादी के बाद मैंने और समीर ने गुजरात के 2 गांव गोद ले लिए। हम वहां के 160 बच्चों के खाने और पढ़ाई का खर्च उठा रहे हैं। जहां तक मदरहुड की बात है तो उन 160 बच्चों को मैं मुंबई लाकर उनकी परवरिश तो नहीं कर सकती, लेकिन हां उस फीलिंग को मैं वहां गांव में जाकर एंजॉय करती हूं। हमने बच्चे न होने का फैसला अपनी मर्जी से किया है और हम इसमें खुश हैं। एक्ट्रेस को आखिरी बार 2018 में आई फिल्म जीनियस में मां के रूप में देखा गया था। इसके अलावा वह सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। वह आज भी इंटरनेट के जरिए अपने फैन्स से जुड़ी हुई हैं। इतने समय के बाद अब सब कुछ बदल गया है। लेकिन एक चीज जो आज भी नहीं बदली है वो है आयशा जुल्का की मासूमियत। आयशा आज भी उनती ही प्यारी दिखती हैं, जितनी वह अपने डेब्यू के टाइम पर दिखा करती हैं।

काइली जेनर फिर उड़ाए फैंस के होश

हाल ही हॉलीवुड एक्ट्रेस काइली जेनर ने अपनी कुछ हॉट तस्वीरें शेयर की हैं, जो खूब वायरल हो रही हैं। तस्वीरों में काइली ब्लैक क्रॉप टॉप और ग्रीन स्कर्ट में नजर आ रही है। लाइट मेकअप और ओपन हेयर्स से एक्ट्रेस ने अपने लुक को कम्पलीट किया हुआ है। इस लुक में काइली बेहद हॉट लग रही है। काइली छत पर खड़े होकर कातिलाना अंदाज में पोज दे रही है। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को देख कर फैंस आहें भर रहे हैं। फैंस इन तस्वीरों को खूब लाइक कर रहे हैं।

बता दें कि काइली अपने हॉट और बोल्ड लुक के लिए जानी जाती है। काइली फैंस के साथ भी हॉट और बोल्ड तस्वीरें शेयर करती रहती है।

एमीली अपने न्यू लुक को लेकर फिर चर्चा में

हॉलीवुड एक्ट्रेस एमीली राताजकोवस्की एक बार फिर अपने न्यू लुक को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने बालों की कटिंग करवाई है। उनकी ये तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। सामने आई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि अपने लंबे बालों को शॉर्ट करवा लिया है। आगे से बेबी कटिंग में एक्ट्रेस शानदार लग रही हैं। डीप नेक टॉप के साथ ब्राउन पैंट और ओपन जैकेट में एमिली काफी स्टाइलिश लग रही हैं और कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज दे रही हैं।

बता दें, 31 साल की एमीली राताजकोवस्की सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर फैंस के साथ अपनी स्टनिंग तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती रहती है। मालूम हो कि एमीली राताजकोवस्की हॉलीवुड की एक शानदार एक्ट्रेस और मॉडल हैं, जो अक्सर अपने लुक्स को लेकर चर्चा में रहती हैं।

अमिताभ बच्चन ने शेयर की पुरानी फोटो

अपने सोशल मीडिया पर बालीवुड के बिगबी यानि अमिताभ बच्चन ने एक पुरानी फोटो शेयर किया है। बच्चन ने साथ ही फैंस को इस फोटो से जुड़ी खास यादें भी ताजा कराई। अमिताभ के मुताबिक उनका यह फोटो उनकी दूसरी फिल्म रेशमा और शेरा की है। इस ब्लैक एंड व्हाइट फोटो में अमिताभ ऊंट के ऊपर बैठे नजर आ रहे हैं।

सफेद कुर्ता और मैचिंग धोती पहने अमिताभ ने कैमरे की तरफ देखते हुए पोज दिया। रेशमा और शेरा (1971) सुनील दत्त द्वारा निर्मित और निर्देशित है। फिल्म में अमिताभ के अलावा सुनील, वहीदा रहमान, विनोद खन्ना, राखी, रंजीत और अमरीश पुरी भी हैं। रेशमा और शेरा को 44वें अकादमी अवार्ड में बेस्ट फॉरेन लैंग्वेज फिल्म के लिए भारत की प्रविष्टि के रूप में चुना गया था, लेकिन नामांकित के रूप में स्वीकार नहीं किया गया था। फिल्म ने नेशनल फिल्म अवार्ड में तीन अवार्ड जीते थे। अमिताभ को हाल ही में अनुपम खेर, परिणीति चोपड़ा, बोमन ईरानी के साथ फैमिली एंटरटेनर फिल्म उंचाई में देखा गया था। फिल्म में डैनी डेन्जोंगपा, नीना गुप्ता और सारिका ने भी अभिनय किया। सूरज बड़जात्या द्वारा अभिनीत, फिल्म को दर्शकों से पॉजीटिव फीडबैक मिला।

लता को पहली पुण्यतिथि पर किया याद

स्वर कोकिला लता मंगेशवर की पहली पुण्यतिथि के मौके पर इंडस्ट्री के कई लोगों ने एक साथ भारत रत्न पुरस्कार विजेता को याद किया। सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें सामने आई हैं कि जहां लता मंगेशवर के सम्मान में रवीना टंडन, हेमा मालिनी, आशा पारेख और काजोल इक्टठे नजर आएं। इन फोटोज को शेयर करते हुए रवीना टंडन ने लिखा कि आज रात के बारे में! लता मंगेशकर जी के सम्मान में आशा पारेख जी और हेमा जी। बता दें कि साल 2022, 6 फरवरी को लता जी नें अंतिम सांस ली थी। लता जी ने अपनी जिंदगी में 50 हजार से भी ज्यादा गाने गाए हैं। ऐसा कोई सम्मान नहीं था जो स्वर कोकिला को ना मिला हो। इतनी उपब्धियां हासिल करने के बाद भी वह दोबार लता मंगेशकर नहीं बनाना चाहती थीं। मालूम हो कि लता मंगेशकर भले ही इस दुनिया में नहीं है, पर अपनी सुरीली आवाज से वे हमेशा अपने चाहने वालों के दिलों में अमर रहेंगी।

हंसिका व सोहेल का शो लव शादी ड्रामा 10 से ओटीटी प्लेटफार्म पर होगा स्ट्रीम

हंसिका मोटवानी ने पिछले साल 4 दिसंबर को सोहेल कथूरिया से की थी शादी

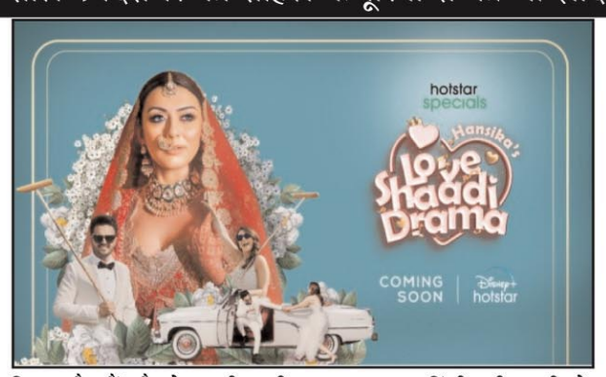

मुंबई (ईएमएस)। पिछले साल बॉलीवुड की कई एक्ट्रेसेज दुल्हनियां बनी थीं, जिनमें से एक कोई मिल गया फेम हंसिका मोटवानी भी थीं। हंसिका मोटवानी ने पिछले साल 4 दिसंबर को सोहेल कथूरिया संग राजस्थान में शादी की थीं। इस एक्ट्रेस ने अपनी शादी से सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरी थीं। हंसिका मोटवानी ने जयपुर में स्थित 150 साल पुराने मुंडोता फोर्ट एंड पैलेस में अपने करीबी दोस्तों और परिवारवालों की मौजूदगी में सोहेल कथूरिया के साथ सात फेरे लिए थे। अब साउथ की इस मशहूर एक्ट्रेस की ड्रीम वेडिंग जल्द ही एक रियलिटी शो में बदलने जा रही है। एक्ट्रेस नयनतारा के बाद अब हंसिका मोटवानी ने अपनी शादी को रियलिटी शो का रूप देने का फैसला किया है। हंसिका मोटवानी और सोहेल कथूरिया की शादी पर आधारित शो लव शादी ड्रामा 10 फरवरी से ओटीटी प्लेटफार्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम करने जा रहा है। इस एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपने अपकमिंग शो का टीजर शेयर कर अपने फैन्स के साथ ये जानकारी साझा की है। शो के टीजर में हंसिका मोटवानी अपने पति के अतीत के बारे में बात करते नजर आ रही हैं। सोहेल कथूरिया की पहली शादी के बारे में बात करते हुए ये एक्ट्रेस काफी भावुक हो जाती हैं। हंसिका मोटवानी के पति सोहेल कथूरिया पेशे से एक बिजनसमैन हैं और ये उनकी दूसरी शादी है। इससे पहले सोहेल ने हंसिका की ही दोस्त रिंकी बजाज से शादी की थी। हंसिका और सोहेल की शादी के दौरान सोहेल और उनकी एक्स-वाइफ रिंकी की शादी के वीडियोज भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे थे। एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी ने नवंबर में सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर सोहेल और अपने रिलेशनशिप से पर्दा उठाया था। हंसिका को सोहेल संग शादी करने की वजह से सोशल मीडिया पर भी काफी ट्रोल होना पड़ा था. सोशल मीडिया यूजर्स इस एक्ट्रेस पर अपनी ही दोस्त का घर तोड़ने का आरोप लगा रहे थे। लव शादी ड्रामा के टीजर में ये एक्ट्रेस इन बातों का जिक्र करते नजर आ रही हैं। साथ ही हंसिका सोहेल के अतीत को लेकर अपनी मां से भी झगड़ते दिख रही हैं। हंसिका मोटवानी की ग्रैंड वेडिंग पर आधारित इस रियलिटी शो को लेकर ऑडियंस भी काफी उत्सुक नजर आ रही हैं। कई लोगों ने इस शो के टीजर वीडियो पर कमेंट कर एक्ट्रेस को शुभकामनाएं दी हैं।

ऋषभ शेट्टी ने किया कांतारा के प्रीक्वल का ऐलान

2022 में जब से ऋषभ शेट्टी की कांतारा रिलीज हुई है, तब से दर्शक फिल्म के सीक्वल के बारे में और जानने के लिए उतावले हो रहे हैं। यह 2022 में भारतीय फिल्म उद्योग की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक बन गई। हाल ही में पूरी टीम एक जश्न मनाने के लिए एक साथ आई थी, क्योंकि फिल्म ने जनवरी में सिनेमाघरों में 100 दिन पूरे कर लिये थे। इस खास मौके पर ऋषभ ने घोषणा की कि वह पहली फिल्म के प्रीक्वल पर काम कर रहे हैं। ऋषभ शेट्टी ने प्रीक्वल की अनाउंसमेंट करते हुए कहा, ह्लहम बहुत खुश हैं और दर्शकों के आभारी हैं जिन्होंने कांतारा को अपार प्यार और समर्थन दिखाया। सर्वशक्तिमान दैव के आशीर्वाद से, फिल्म ने सफलतापूर्वक 100 दिन पूरे कर लिए हैं और मैं इस खास मौके पर "कांतारा" के प्रीक्वल की घोषणा कर रहा हूं।" ऋषभ शेट्टी ने आगे कहा, "जो आपने देखा है वह वास्तव में भाग 2 है, भाग 1 अगले साल आएगा। कांतारा की शूटिंग के दौरान मेरे दिमाग में यह विचार आया क्योंकि कांतारा के इतिहास में और भी गहराई है। फिलहाल हम उस पर और ज्यादा काम कर रहे हैं। क्योंकि रिसर्च अब भी जारी है, इसलिए फिल्म की डिटेल के बारे में कुछ भी खुलासा करना बहुत जल्दबाजी होगी।"

सूडोकु नवताल- 6337

★★★☆☆ मध्यम

	9				4			
8	4			6		9		5
5		6	8	2		3		
	1	5	6	3			9	7
3	6			9	7	1	4	
		1		4	8	7		6
9		4		7			2	1
			2				8	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6336 का हल

8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6

शब्दजाल- 7084

अ	ज	प	रे	दा	अ	ज	ब	न	र	ट
दा	रा	अ	न	आ	नो	ग	द	इ	ह	वि
अ	व	नू	पू	ग	खा	थ	त	ग	क	ल
द्	जा	व	ते	र्व	ज	का	म	न	त	क्ष
भु	त	र	दा	री	लं	ग	गो	ग	व	ण
त	द	म	नि	य	अ	पू	न	ला	र	नी
ती	जं	म	रा	हि	प	नु	श	र	ज	ल
क	ल	ग	ला	वि	व	नी	प	ल	न	ण
ने	ब	म	बा	फा	चि	त्या	री	म	प	क
ज	ग	त	प	ज	ज	त्र	दा	जी	र्य	त
वि	शे	ष	त	त	ल	ज	र	वा	त	थ

शब्दजाल में 'असाधारण' के 10 पर्यायवाची शब्द ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

अजब, अद्भुत, अनूठा, अनोखा, अपूर्व, निराला, विचित्र, विलक्षण, विशेष, अनुपम.

शब्दजाल - 7083 का हल

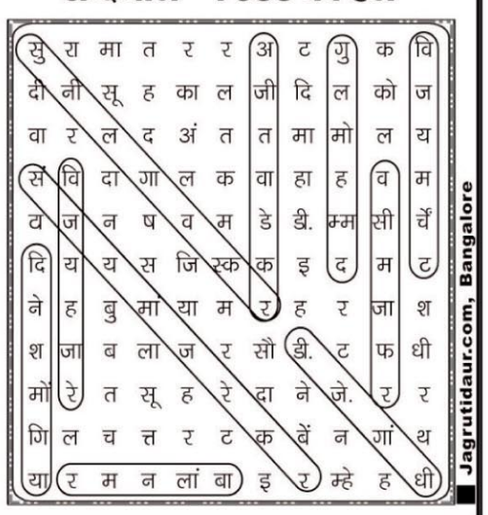

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6037

		5	6			4
	32		29	2	32	
3			2		6	5
	38		29	1	29	3
		4	3	7		
4	35	2	35		30	6
7		3			2	1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6036 का हल

4	5	3	6	1	2	7
2	31	7	31	4	28	2
7	2	1	6	3	5	4
3	34	6	31	6	33	5
6	5	4	3	2	7	1
5	31	5	32	7	38	3
1	3	2	4	5	7	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

विराट कोहली को नया मोबाइल खोने का दर्द : सोशल मीडिया पर पूछा- किसी ने देखा क्या फैंस ने दिए मजेदार जवाब

नई दिल्ली।
ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 4 टेस्ट की सीरीज से पहले भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली का नया मोबाइल खो गया। वो भी उसे अनबॉक्सिंग करने से पहले ही। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फैंस से पूछा, किसी ने मेरा नया फोन देखा है क्या इस पर फैंस ने कई मजेदार कमेंट्स किए।

विराट ने क्या ट्वीट किया

विराट कोहली ने मंगलवार सुबह करीब 10: 30 बजे एक ट्वीट किया। इसमें लिखा था, नया फोन खोने का दर्द ही अलग है। वो भी तब जब आपने उसे अनबॉक्स तक न किया हो। क्या किसी ने उसे देखा है विराट के इतना ट्वीट करते ही फूड डिलीवरी ऐप जोमैटो से लेकर फैंस ने भी मजेदार कमेंट्स किए।

भाभी के फोन से कर दें ऑर्डर

विराट के ट्वीट पर फूड डिलीवरी ऐप जोमैटो ने रिप्लाई किया। जोमैटो ने लिखा, अगर आप को ठीक लगे तो भाभी (अनुष्का शर्मा) के फोन से आईसक्रीम ऑर्डर कर दें। वहीं, एक फैन ने लिखा- शानदार, अच्छा है। अब आपकी 75वीं इंटरनेशनल सेंचुरी देखना है।

फोन कंपनी नथिंग ने भी किया ट्वीट

कोहली के इस ट्वीट पर मोबाइल स्मार्टफोन ब्रांड नथिंग ने भी कमेंट किया। नथिंग ने लिखा, हमें मैसेज करें, हमारे पास आपके लिए एक नया फोन है। कई यूजर्स कह रहे हैं कि ये ट्वीट कोहली ने नए विज्ञापन के लिए किया है। जो किसी मोबाइल फोन कंपनी से जुड़ा हुआ है।

प्यूमा को लेकर हुआ था कन्फ्यूजन

विराट कोहली प्यूमा समेत कई कंपनियों के ब्रांड एंबेसडर हैं। उन्होंने पिछले दिनों अपने जैसे दिखने वाले एक शख्स का वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया था। जिसमें विराट ने लिखा था, मेरा डुप्लिकेट प्यूमा कंपनी के जूते बेच रहा है। यूजर्स इस तरह के फ्रॉड से बचें। बाद में पता लगा कि यह पोस्ट भी प्यूमा इंडिया के विज्ञापन का ही हिस्सा थी।

ऑस्ट्रेलिया से सीरीज खेलेंगे विराट

विराट कोहली 9 फरवरी से नागपुर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच खेलेंगे। ऑस्ट्रेलिया की टीम करीब 6 साल बाद भारत में टेस्ट सीरीज खेलने आई है। पिछली सीरीज के 3 मैचों में विराट महज 46 रन बना सके थे, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ओवरऑल 20 टेस्ट मैचों में विराट के नाम 1700 से ज्यादा रन हैं। इन मैचों में उन्होंने 7 शतक भी जड़े हैं।

कोहली पिछले दिनों लिमिटेड ओवरों में 4 शतक मारकर अपने फॉर्म में होने का सबूत दे चुके हैं। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक बनाकर वे टेस्ट में भी अपना फॉर्म वापस पा सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

7-11 जून के बीच ओवल में खेला जाएगा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल: आईसीसी ने किया तारीखों का ऐलान, भारत-ऑस्ट्रेलिया प्रबल दावेदार

दुबई। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2021-23 के फाइनल की तारीखों का ऐलान हो गया है। इस महामुकाबले का आयोजन 7 से 11 जून के बीच ओवल के मैदान पर होगा। तारीखों का ऐलान करते हुए बताया है कि महामुकाबले के लिए एक दिन रिजर्व भी रखा गया है। 12 जून रिजर्व-डे रहेगा। यह वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का दूसरा सीजन है। पहले सीजन में केन विलियमसन की कप्तानी में न्यूजीलैंड की टीम चैंपियन बनी थी। कीवी टीम ने साउथैम्पटन में खेले गए फाइनल को भारत को 8 विकेट से हराया था। मौजूदा सीजन के फाइनल की रेस में ऑस्ट्रेलिया और भारत सबसे आगे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि इस सीजन का फाइनल इन दो टीमों के बीच खेला जाएगा। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2021-23 की पॉइंट टेबल में ऑस्ट्रेलियाई टीम 75.56 प्रतिशत पॉइंट के साथ नंबर-1 पर है। जबकि भारत 58.93 प्रतिशत पॉइंट के साथ दूसरे नंबर पर है। मौजूदा सीजन के फाइनलिस्ट की बात करें तो 9 फरवरी से शुरू हो रहे ऑस्ट्रेलिया के भारत दौरे से वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनलिस्ट मिल जाएंगे। वर्तमान स्थिति के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया की टीम लगभग फाइनल में प्रवेश कर चुकी है और भारत फाइनल से 2 जीत दूर है। 2 जीत और 2 ड्रॉ की स्थिति में वह फाइनल में पहुंच जाएगा।

पेरिस ओलंपिक : नॉर्डिक देशों ने रूसी, बेलारूसी एथलीटों की भागीदारी का किया विरोध

नई दिल्ली। नॉर्डिक ओलंपिक समितियों और खेल परिसंघों ने संयुक्त रूप से पेरिस 2024 ओलंपिक गेम्स में रूसी और बेलारूसी एथलीटों की भागीदारी का विरोध किया है और कहा है कि अब उनकी वापसी पर विचार करने का समय नहीं है। सात नॉर्डिक देशों - डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड, स्वीडन, नॉर्वे, ग्रीनलैंड, फरो आइलैंड्स, अलैंड के एक संयुक्त बयान में यूक्रेन में रूसी आक्रमण पर अपनी स्थिति दोहराई है। संयुक्त बयान में कहा गया, यूक्रेन में युद्ध के साथ स्थिति नहीं बदली है। इसलिए, हम अंतरराष्ट्रीय खेल भागीदारी में रूसी और बेलारूसी एथलीटों और अधिकारियों का विरोध कर रहे हैं। अब उनकी वापसी पर विचार करने का सही समय नहीं है। बयान में आगे कहा गया है, नॉर्डिक ओलंपिक और पैरालंपिक समितियां और खेल परिसंघ, इस अवसर पर यूक्रेनी लोगों और शांति की मांग के साथ एक बार फिर से हमारे दृढ़ समर्थन की पुष्टि करते हैं। अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) द्वारा इवेंट में प्रतिस्पर्धा करने के लिए रूसी और बेलारूसी एथलीटों को शामिल करने के बाद यूक्रेन ने पहले ही 2024 पेरिस ओलंपिक का बहिष्कार करने की धमकी दी है।

बाल-बाल बचा तुर्किये के क्लब के लिए खेलने वाला घाना का फुटबॉलर, मलबे से सुरक्षित निकाला गया

अंकारा। चेल्सी और न्यूकैसल की अग्रिम पंक्ति के पूर्व खिलाड़ी क्रिस्टियन अतसू को तुर्किये में आए

भयानक भूकंप के बाद मलबे के ढेर से सुरक्षित निकाल लिया गया है। घाना फुटबाल संघ ने ट्विटर पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। वह तुर्किये के क्लब हैतिसपोर के लिए खेलते हैं। एक दिन पहले क्लब के प्रवक्ता ने कहा था कि संभवत: अतसू उस आवासीय इमारत में थे, जो 7.8 स्तर के भूकंप के बाद भरभराकर गिर गई थी। घाना फुटबाल संघ के ट्वीट से पहले अतसू की कोई खैर खबर नहीं मिल रही थी। बाद में घाना फुटबाल संघ ने कहा कि हमें कुछ सकारात्मक खबर मिली है कि अतसु को सुरक्षित मलबे से बाहर निकाल लिया गया है। उनका इलाज चल रहा है लेकिन अभी यह पता नहीं चला कि उनके कितनी चोट आई है। 31 साल के खिलाड़ी अतसू पिछले साल हैतिसपोर क्लब में शामिल हुए थे। ये भूकंप इतना भयानक था कि तुर्किये में छह हजार से ज्यादा इमारतें गिर गईं और कड़ाके की सर्दी के बीच राहतकर्मी मलबे के ढेर से लोगों को बचाने में जुटे हुए हैं।

6 साल बाद भारत में टेस्ट खेलेगा ऑस्ट्रेलिया : नागपुर में पहला मुकाबला

जामथा (नागपुर)।
टीम इंडिया 2023 का पहला टेस्ट मैच कल से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी। नागपुर में ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का पहला शुरू होगा। दोनों टीमों के लिए यह महत्वपूर्ण होने वाला है। एक तरफ भारत पर टेस्ट रैंकिंग में पहले स्थान पर आने का दबाव है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया भी 19 साल बाद भारत में सीरीज जीतना चाहेगा। 28 नवंबर 1948 को दोनों टीमों के बीच पहली बार टेस्ट मैच खेला गया। तब से लेकर अब तक ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच कुल 102 टेस्ट मैच हुए। ऑस्ट्रेलिया ने 43, जबकि भारत ने 30 मैच जीते। ओवरऑल ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड बेहतर है, लेकिन अपने घर में भारतीय ने ऑस्ट्रेलिया को पूरी तरह डॉमिनेट किया है।

भारत में भारत की ताकत स्पिन - भारतीय टीम की ताकत स्पिन है। टीम का स्पिन अटैक रविचंद्रन अश्विन संभालेंगे। उनके साथ रविंद्र जडेजा और कुलदीप यादव या अक्षर पटेल में से एक होंगे। टीम के पास स्पिन में विकल्प की कमी नहीं है। इस वजह से नागपुर में स्पिन ट्रैक देखने को मिलेगा।

4 पेसर्स भी मौजूद - पेस बॉलिंग में टीम के पास मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव और जयदेव उनादकट हैं। जिनमें से किन्हीं 2 को ही पहले टेस्ट में मौका मिलने की संभावना है। अगर विकेट स्पिन के लिए मददगार रहा तो टीम इंडिया एक ही स्पिनर के साथ भी जा सकती है। पिछले प्रदर्शन पर नजर डालें तो शमी और सिराज ही पहले टेस्ट में खेलते नजर आएंगे। बैटिंग की ओर देखें तो टीम के दोनों प्रमुख के कप्तान रोहित

शर्मा पिछले 2 साल में फॉर्म और इंजरी से जूझते नजर आए हैं। वहीं, विराट कोहली ने अपना आखिरी टेस्ट शतक नवंबर 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ जमाया था। इसके बाद उनके बल्ले से 6 हाफ सेंचुरी आईं, लेकिन शतक नहीं। रोहित चोट के चलते ज्यादातर समय टीम से बाहर रहे, उन्होंने पिछले 10 में से भारत के लिए 2 ही खेले। चेतेश्वर पुजारा अच्छे फॉर्म में हैं, वे टीम को मजबूती देंगे। विकेटकीपिंग में ऋषभ पंत की गैरमौजूदगी में स्क्वॉड में पहली बार शामिल हुए ईशान किशन या डेढ़ साल से बेंच पर बैठे केएस भरत को मौका मिल सकता है। इनके अलावा टी-20 के आक्रामक बैटर सूर्यकुमार यादव के भी डेब्यू करने की संभावना है। वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सरप्राइज एलिमेंट हो सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया के लिए चुनौतियों से भरा भारत दौरा - ऑस्ट्रेलिया के लिए भारतीय परिस्थितियों में खेलना चुनौतीपूर्ण रहा है है। यहां के स्पिन ट्रैक में (साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया) देशों को खेलने में परेशानी होती है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने आखिरी बार 2004 में भारत में 2-1 से टेस्ट सीरीज पर जीती था। इसके बाद से ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए यहां टेस्ट सीरीज जीतना एक सपना ही है। पिछले दिनों टीम के उप कप्तान स्टीव स्मिथ ने कहा था कि भारत में टेस्ट सीरीज जीतना इंग्लैंड में एशेज जीतने से भी बड़ा है।

बैटर्स को भारत का अनुभव नहीं - बल्लेबाजी में डेविड वार्नर, स्टीव स्मिथ और मैट रैनशॉ के अलावा टीम में सभी बल्लेबाज पहली बार भारत में बल्लेबाजी करेंगे। टीम के स्टार बैटर मार्नस लाबुशेन के लिए भारत में बल्लेबाजी करना एक बड़ा चैलेंज होगा। स्टीव स्मिथ ने भारत में 60 की औसत से 660 रन बनाए हैं। 6 मैचों में उन्होंने 3 शतक और एक अर्धशतक भी बनाया है। वे भारतीय टीम के लिए कठिनाई पैदा कर सकते हैं।

गेंदबाजी में ऑस्ट्रेलिया का स्पिन अटैक नाथन लायन और फिंगर स्पिनर एश्टन एगर संभालेंगे। लायन बहुत अनुभवी गेंदबाज हैं। भारत में वे ऑस्ट्रेलिया के दूसरे सबसे सफल गेंदबाज हैं। इसके अलावा मैच में स्टीव स्मिथ भी गेंदबाजी कर सकते हैं। बेंगलुरु के अलुर में प्रैक्टिस के दौरान उन्हें गेंदबाजी करते हुए देखा गया था।

वेदर कंडीशन - नागपुर में अधिकतम तापमान 33 डिग्री तक रहेगा। बारिश आने की सम्भावना नहीं है। पांचों दिन लगभग एक जैसा मौसम देखने को मिलेगा। आधे घंटे के लिए हल्का कोहरा देखने को मिल सकता है।

पिच रिपोर्ट - इस बार टर्निंग ट्रैक की उम्मीद की जा रही है। यानी ऐसी पिच जहां पहले दिन से स्पिनर्स को मदद मिल सकती है। दोनों टीमों के बीच पहला टेस्ट जामथा स्टेडियम में खेला जाएगा। यहां 2008 से टेस्ट क्रिकेट खेला जा रहा है। अब तक हुए 6 टेस्ट में पहले बैटिंग करने वाली टीम को 3 बार जीत मिली। 2 बार पहले बॉलिंग करने वाली टीम को जीत मिली। वहीं, एक टेस्ट मैच ड्रॉ रहा।

दोनों टीमों का स्क्वॉड

भारत: रोहित शर्मा, केएल राहुल (उप-कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, केएस भरत/इशान किशन (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, आर अश्विन, कुलदीप यादव, मो. शमी, मो. सिराज, उमेश यादव, जयदेव उनादकट, सूर्यकुमार यादव।

ऑस्ट्रेलिया: पैट कमिंस (कप्तान), एश्टन एगर, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स केरी, कैमरन ग्रीन, पीटर हैंड्सकॉम्ब, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लायोन, लांस मॉरिस, टॉड मर्फी, मैथ्यू रेनशॉ, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, मिचेल स्वेप्सन और डेविड वॉर्नर।

ऋषभ पंत ने अपनी रिकवरी को लेकर दिया अपडेट

नई दिल्ली।
भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत 30 दिसंबर को एक भयानक कार दुर्घटना में बुरी तरह से घायल हो गए थे। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के माध्यम से अपनी रिकवरी को लेकर अपडेट साझा किया है। साझा की गई तस्वीर में, पंत अंधेरी वेस्ट, मुंबई में कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल की छत पर बाहर बैठे हुए और बाहर की ताजी हवा का आनंद ले रहे हैं, जो कि बेहतरी के लिए जीवन के बुनियादी तरीकों में से एक है। उन्होंने कहा कि कभी नहीं पता था कि ऐसे बाहर बैठने और ताजी हवा में सांस लेने में इतना मजा आएगा। 16 जनवरी को, पंत ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर एक बयान के माध्यम से, अपने शीघ्र स्वस्थ होने के लिए समर्थन और शुभकामनाओं के प्रति आभार जताया था। साथ ही कहा था कि वह इस यात्रा में आगे की चुनौतियों के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा था, मैं सभी समर्थन और शुभकामनाओं के लिए विनम्र और आभारी हूं। मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मेरी सर्जरी सफल रही। रिकवरी का रास्ता शुरू हो गया है और मैं आगे की चुनौतियों के लिए तैयार हूं। बीसीसीआई सचिव जय शाह और सरकारी अधिकारियों के अविश्वसनीय समर्थन के लिए धन्यवाद। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, दिल से, मैं अपने सभी प्रशंसकों, साथियों, डॉक्टरों और फिजियो को धन्यवाद देना चाहता हूं। आप सभी को मैदान पर देखने के लिए उत्सुक हूं। उन्होंने अपनी जान बचाने के लिए रजत कुमार और निशु कुमार का शुक्रिया भी अदा किया था। पंत ने फरवरी 2017 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। वहीं, वह उस भारतीय टेस्ट टीम का हिस्सा थे, जिसने दिसंबर 2022 में ढाका में बांग्लादेश पर 2-0 से श्रृंखला जीत दर्ज की थी। उन्होंने शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में दूसरे टेस्ट की पहली पारी में 93 रन की पारी खेली थी।

सानिया मिर्जा और बेथानी की जोड़ी हारी, अबुधाबी ओपन के पहले ही दौर में सीधे सेटों में मिली हार

अबुधाबी।
भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा और उनके अमेरिकी जोड़ीदार बेथानी माटेक सेंडस को अबुधाबी ओपन में क्रिस्टेन फिलपंकेस और एल सिगेमंड के हाथों पहले ही दौर में सीधे सेटों हार का सामना करना पड़ा। बेल्जियम और जर्मनी की जोड़ी ने सानिया-बेथानी को एक घंटे 13 मिनट चलते मुकाबले में 3-6, 4-6 से पराजित किया। छह बार की ग्रैंडस्लैम विजेता सानिया ने पहले ही एलान कर रखा है कि 19 फरवरी से होने वाली दुबई टेनिस चैंपियनशिप उनके करियर का अंतिम प्रतियोगिता होगी।

पिछले महीने सानिया और रोहन बोपन्ना की जोड़ी वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियाई ओपन के मिश्रित युगल के फाइनल में पहुंची थी। उन्हें खिताबी मुकाबले में ब्राजील के लुइसा स्टेफनी और राफेल मातोस से हार का सामना करना पड़ा था। यह सानिया का अंतिम ग्रैंडस्लैम रहा।

मिश्रित युगल के फाइनल में सानिया और रोहन

बोपन्ना की जोड़ी 6-7, 6-2 के अंतर से हार गई थी। ब्राजील की लुइसा स्टेफनी और राफेल माटोस की जोड़ी ने सानिया और रोहन को हराया था।

कैसा रहा सानिया का करियर

सानिया ने अपने करियर में 43 डबल्यूटीए खिताब जीते। उन्होंने महिला युगल श्रेणी में तीन ग्रैंड स्लैम भी अपने नाम किए। 2016 में वह ऑस्ट्रेलियन ओपन में भी महिला युगल चैंपियन बनीं थीं। सानिया ने मिश्रित युगल में भी तीन ग्रैंड स्लैम जीते हैं। 2009 में वह ऑस्ट्रेलियन ओपन में इस श्रेणी में खिताब जीती थीं। सानिया लंबे समय तक महिला युगल रैंकिंग में पहले स्थान पर रहीं। हालांकि, अपने करियर के आखिरी ग्रैंड स्लैम में वह जीत से एक कदम दूर रह गईं।

जेपी डुमिनी बोले, अगर भारत आक्रामक मानसिकता के साथ खेलना चाहता है तो सूर्यकुमार एक बेहतर विकल्प

नई दिल्ली।
दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर जेपी डुमिनी ने आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय लाइन-अप में संभावित बदलाव का सुझाव दिया है। साथ ही कहा है कि अगर वे आक्रामक क्रिकेट खेलना चाहते हैं तो मेजबान सूर्यकुमार यादव को मौका दे सकते हैं। एसए 20, दक्षिण अफ्रीका की नई टी20 क्रिकेट लीग में पार्ल रॉयल्स के मुख्य कोच डुमिनी ने कहा, मुझे लगता है कि टेस्ट क्रिकेट जैसे खेला जा रहा उसमें सूर्यकुमार यादव, शायद अब भारत में सबसे रोमांचक खिलाड़ियों में से एक हैं।

एक देश के रूप में आपको यह तय करने की आवश्यकता है कि आप किस तरह का क्रिकेट खेलने जा रहे हैं। अगर यह आक्रमणकारी मानसिकता है, तो मुझे लगता है कि सूर्यकुमार एक बेहतर विकल्प हैं।

उन्होंने आगे कहा कि शुभमन गिल के पास खेल के तीनों प्रारूपों को खेलने की तकनीक है। तो मुझे लगता है कि प्रशंसक आधार के दृष्टिकोण से, वे निश्चित रूप से शुभमन गिल में रुचि रखेंगे। आप निश्चित रूप से सभी प्रारूपों के लिए दावा करते हैं और मुझे लगता है कि उनके पास ऐसा करने की तकनीक और स्वभाव है।

केवल सफेद गेंद के क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करने की हार्दिक पांड्या की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए डुमिनी ने कहा कि वह उन्हें तीनों प्रारूपों में खेलने के लिए प्रोत्साहित करेंगे क्योंकि ऑलराउंडर में खेल को प्रभावित करने की क्षमता है।

उन्होंने कहा, मैं हमेशा सभी प्रारूपों में खेलने वालों की सोच में रहा हूं। मुझे लगता है कि अगर एक खिलाड़ी के पास खेल को प्रभावित करने की क्षमता है, तो आप स्पष्ट रूप से हार्दिक का जिक्र करते हैं। मैंने उनके साथ भी खेला है। मैं मुझे लगता है कि उसके पास वास्तव में सभी प्रारूपों में भारत के लिए एक महान खिलाड़ी बनने की क्षमता है।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी बहुप्रतीक्षित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में एक करीबी मुकाबले की उम्मीद कर रहे हैं और भविष्यवाणी की है कि कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के ना होने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया के पास एक अच्छा मौका है।

विमेंस प्रीमियर लीग ऑक्शन का हिस्सा होंगी 409 प्लेयर्स

15 देशों के खिलाड़ी शामिल, मंधाना-हरमनप्रीत समेत 24 खिलाड़ियों का बेस प्राइस 50 लाख

मुंबई।
विमेंस प्रीमियर लीग में 13 फरवरी को 409 खिलाड़ियों पर बोली लगेंगी। इसमें 15 देशों के खिलाड़ी शामिल है। बीसीसीआई के मुताबिक ऑक्शन के लिए दुनियाभर से 1525 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया था, जिसमें से 246 भारतीय और 163 विदेशी खिलाड़ियों को शामिल किया गया। हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, दीप्ति शर्मा, शैफाली वर्मा, एलिसा हीली और एलिसे पेरी समेत 24 खिलाड़ियों का बेस प्राइस सबसे ज्यादा 50 लाख रुपए है। इसमें 10 भारतीय और 14 विदेशी खिलाड़ी है। जबकि 30 खिलाड़ी ने अपना बेस प्राइज 40 लाख रखा है। इसके साथ ही भारत की अंडर-19 महिला टी-20 वर्ल्ड कप विनिंग टीम में से सभी खिलाड़ियों ने भी नीलामी के लिए रजिस्ट्रेशन करा लिया है।

इन 15 देशों से है खिलाड़ी भारत के अलावा, फाइनल लिस्ट में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका, वेस्ट इंडीज, श्रीलंका, बांग्लादेश, आयरलैंड और जिम्बाब्वे के खिलाड़ी शामिल है। इसके साथ एसोसिएट नेशंस से, हांगकांग, थाईलैंड, नीदरलैंड के 8 खिलाड़ियों पर ऑक्शन में बोली लगेंगी।

जियो वर्ल्ड कनवेंशन सेंटर में होगी नीलामी

मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में एक दिन का मेगा ऑक्शन होगा। पिछले दिनों खबरें आ रही थीं कि बीसीसीआई को ऑक्शन कराने के लिए होटल नहीं मिल रहे हैं। शादी का सीजन होने के कारण मुंबई और दिल्ली के ज्यादातर होटल बुक हो चुके थे। अब

जाकर बीसीसीआई को होटल मिला है।

हर टीम को मिलेंगे 12 करोड़ रुपए

एक विमेंस प्रीमियर लीग टीम को ऑक्शन में खिलाड़ी खरीदने के लिए 12 करोड़ रुपए का पर्स मिलेगा। हर साल पर्स में 1.5 करोड़ रुपए का इजाफा होगा। पुरुष आईपीएल के मुकाबले यह राशि बहुत कम है। मेंस आईपीएल में एक टीम के पास 95 करोड़ रुपए का पर्स रहता है। ऑक्शन में हर टीम 15 से 18 खिलाड़ी खरीद सकती है। हर टीम में अधिकतम 6 विदेशी खिलाडी ही शामिल हो सकते है। इस हिसाब से कुल 90 खिलाड़ियों को खरीदा जाएगा। टूर्नामेंट जीतने वाली टीम को 6 करोड़, रनर-अप को 3 करोड़ और तीसरे नंबर पर रहने वाली टीम को एक करोड़ रुपए दिए जाएंगे।

फ्रेंचाइजी मालिकों ने तय कराई तारीख

13 फरवरी की तारीख फ्रेंचाइजी मालिकों से बात कर तय की गई। क्योंकि फ्रेंचाइजी मैनेजमेंट इस वक्त की इंटरनेशनल लीग टी-20 और साउथ अफ्रीका की लीग में व्यस्त हैं। ऐसे में विमेंस प्रीमियर लीग के लिए उन्हें पर्याप्त समय चाहिए था। 12 तारीख तक दोनों लीग के फाइनल हो जाएंगे, ऐसे में 13 ही सबसे बेस्ट डेट थी।

इन 5 शहरों को मिलीं टीमें

विमेंस प्रीमियर लीग की 5 टीमों की नीलामी भी हो गई है। सबसे ज्यादा बोली अहमदाबाद फ्रेंचाइजी के लिए लगी है। इस फ्रेंचाइजी के एवज में अडाणी ग्रुप 1,289 करोड़ रुपए बोर्ड को देगा। अहमदाबाद के अलावा मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और लखनऊ की फ्रेंचाइजी पर बोली लगी है। यानी यही पांच टीमें विमेंस प्रीमियर लीग में शिरकत करेंगी।

एक टीम में कितनी खिलाड़ी शामिल हो सकती हैं, इस पर बीसीसीआई ने अभी तक कुछ नहीं कहा है। लेकिन, एक टीम में अगर 15 से 18 प्लेयर्स भी हुईं तो भी 5 टीमें करीब 75 से 90 खिलाड़ियों को खरीदेंगी। ऐसे में दुनिया भर की टॉप क्रिकेटर्स समेत भारत को अंडर-19 वर्ल्ड जिताने वालीं खिलाड़ियों पर भी बड़ी बोली लग सकती है।

पुडुचेरीः अब देश में ही पाएं विदेश घूमने का मज़ा

हर कोई विदेश घूमना चाहता है, लेकिन पैसे ना होने की वजह से लोगों का यह सपना कभी पूरा नहीं हो पाता। पर आपको निराश होने की कोई आवश्यकता नहीं है। आप भारत में रहकर ही विदेश की जगहों का आनंद उठा सकते हैं और आपके ज्यादा पैसे भी खर्च नहीं होंगे। अब आप सोच रहे होंगे कि हम मजाक कर रहे हैं, लेकिन यह बात एकदम सच है। दिल्ली से 2400 किलोमीटर दूर पुडुचेरी की कुछ ऐसी ही खासियत है।

पुडुचेरी भारत के सुंदरतम शहरों में से एक है। यहां पर आप बिना पासपोर्ट-वीजा के घूम सकते हैं और कहा जाता है कि यहां घूमना फ्रांस में घूमने जैसा ही लगता है। पुडुचेरी एक शांत जगह हैं यहां आपको हर जगह शांति मिलेगी। यह शहर समुद्र के किनारे बसा हुआ है। इस शहर को बेहतर टाउन प्लानिंग के तहत बसाया गया है। यहां पर फ्रांसीसियों के लिए व्हाइट टाउन नाम की कॉलोनी बनाई गई है। पुडुचेरी आने वाले पर्यटकों के लिए ये पूरी कॉलोनी ही एक टूरिस्ट डेस्टीनेशन है।

यदि आप यहां जाना चाहते हैं तो चेन्नई से 135 किलोमीटर दूरी पर पुडुचेरी का एयरपोर्ट है। इस पूरे शहर के कोने-कोने में फ्रांसीसी संस्कृति, कला और आर्किटेक्चर की छाप दिखती है। इस शहर में कई महापुरुषों की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। यहां पर प्रॉमिनाड बीच पर भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा लगी है। इसीलिए प्रॉमिनाड बीच को गांधी बीच के नाम से भी जाना जाता है। पुडुचेरी घूमने के लिए आप बाइक या स्कूटी भी किराए पर ले सकते हैं। यहां हेलमेट लगाने का नियम नहीं है। लिहाजा बिना हेलमेट लगाए आसपास के नजारों का भरपूर लुत्फ उठा सकते हैं। 1673 में जब फ्रांसीसियों ने यहां कदम रखा तो पुडुचेरी एक फिशिंग विलेज हुआ करता था। भारत से व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए फ्रांसीसियों ने यहां पोर्ट बनवाया।

तलवे पर मेंहदी लगाना है लेटेस्ट ट्रेंड

मेंहदी लगाना, सोलह श्रृंगार में से एक है। हाथ और पैर में मेंहदी लगते तो आपने कई बार देखा होगा, हो सकता है आपको मेंहदी का शौक हो तो आपने खुद भी कई बार मेंहदी लगवाई हो लेकिन आजकल तलवे में मेंहदी लगाने का ट्रेंड है।

आज कल कई मेंहदी डिजाइनर खासतौर पर तलवों में ही मेंहदी लगाने का काम कर रहे हैं। युवाओं में यह ट्रेंड खासा लोकप्रिय हो रहा है। तलवे में लगने वाली मेंहदी, हाथ में लगने वाली मेंहदी की तुलना में थोड़ी मोटी होती है।

लाउंज पर लेटकर, बेंच पर क्रॉस लेग बैठकर या सीधे लेटकर आप मेंहदी लगवा सकते हैं। ऐसे में अगर आप भी यह लेटेस्ट ट्रेंड आजमाना चाहती हैं तो अपनी पसंद की कोई डिजाइन चुन लीजिए और पहुंच जाइए मेंहदी डिजाइनर के पास और फिर सबको दिखाइए अपने खूबसूरत पैर...

हर पुरुष को पता होने चाहिए ये फैशन मंत्र

अमूमन फैशन को महिलाओं से जोड़कर ही देखा जाता है लेकिन ऐसा सोचना सही नहीं है। जिस तरह महिलाओं का फैशन है, ठीक उसी तरह पुरुषों का भी फैशन है। ज्यादातर पुरुष इस ओर ध्यान ही नहीं देते हैं और सिर्फ पैंट-शर्ट को एक सेट फॉर्मेट में पहनकर बाहर निकल जाते हैं लेकिन छोटी-छोटी बातें ध्यान में रखकर आप भी पहले से कहीं अधिक आकर्षक नजर आ सकते हैं...

1. फिटिंग की शर्ट पहनें लेकिन उसे खरीदने से पहले ट्राई जरूर करें। कहीं ऐसा न हो कि वह टाइट फिट हो और जब आप उसे पहनकर बैठें तो वह ऊपर उठ जाए।

2. अगर आप जैकेट पहनते हैं तो आपको इसे पहनने का सही तरीका पता होना चाहिए। जैकेट की टॉप बटन कुछ समय बंद होनी चाहिए। मिडिल बटन हमेशा बंद होने चाहिए और सबसे नीचे के बटन को कभी भी बंद नहीं करना चाहिए।

3. अगर आप शर्ट की बांह को फोल्ड करते हैं तो आपको इसे फोल्ड करने का सही तरीका पता होना चाहिए। शर्ट को कफ़ के आकार में ही फोल्ड करना चाहिए।

4. अगर आप सूट खरीद रहे हैं तो रेडिमेड लेने से बेहतर होगा कि आप टेलर से सिलवाएं। इससे फिटिंग अच्छी आएगी।

5. जूते हमेशा अच्छी क्वालिटी के और सही शेप के ही खरीदें।

6. अगर आपने सूट पहन रखा है तो बैठते समय कोट के सारे बटन्स खोलकर ही बैठें।

7. बहुत से लोग बेल्ट को मोड़कर रख देते हैं लेकिन इससे बेल्ट पर निशान आ जाएंगे। उन्हें हमेशा लटकाकर रखें।

8. टाई न तो छोटी हो और न ही बड़ी। टाई को हमेशा बेल्ट के बकल से टच करते हुए बांधें।

इन उपायों से जल्दी नजर नहीं आएंगे बढ़ती उम्र के लक्षण

बढ़ती उम्र में चेहरे पर झुर्रियां पड़ने लगती हैं। ऐसे में बहुत से लोग जवान दिखने की चाहत में कई ऐसे उपाय करने लगते हैं जिनका कोई ठोस आधार तक नहीं। ऑरिफ्लेम इंडिया की सौंदर्य एवं मेकअप विशेषज्ञ आकृति कोचर ने बढ़ती उम्र के लक्षणों को रोकने से जुड़े मिथकों के बारे में ये जानकारियां दी हैं :-

■ बढ़ती उम्र के लक्षणों से जुड़ी एक धारणा यह है कि रोजाना ग्रीन जूस के सेवन से खून साफ होता है और चेहरे पर चमक आती है। यह बात सच है लेकिन यह जरूरी नहीं कि सिर्फ एक उपाय से आपके चेहरे पर चमक आ जाए। इसके लिए अपनी दिनचर्या में क्लीजिंग, टोनिंग और मॉइश्चिराइजिंग को शामिल करना पड़ेगा। बाहर जाने पर सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें। व्यायाम और संतुलित आहार का सेवन करें। बढ़ती उम्र के असर को रोकने के लिए आपको अपनी जीवनशैली से जुड़े हर पहलू पर ध्यान देना होगा।

■ निखरी त्वचा के लिए खूब पानी पीना चाहिए क्योंकि इससे त्वचा में नमी बरकरार रहती है और शरीर से हानिकारक विषाक्त पदार्थ भी निकल जाते हैं।

■ आम धारणा है कि मॉइश्चराइजर के इस्तेमाल से झुर्रियां दूर हो जाती हैं। यह आपकी त्वचा को नमी प्रदान करता है और पोषित त्वचा लंबे समय तक निखरी रहती है लेकिन झुर्रियां दूर करने के लिए सही डे और नाइट क्रीम का ही इस्तेमाल करना चाहिए।

■ त्वचा का रंग काला पड़ जाना और रूखापन झुर्रियां पड़ने का पहला संकेत होते हैं। वैसे, 30 की उम्र के बाद ही झुर्रियां पड़ती हैं, लेकिन सही देखभाल और सही जीवनशैली के अभाव में और तनावपूर्ण जीवन से यह कम उम्र में नजर आ सकती हैं, इसलिए स्वास्थ्य पर खास ध्यान दें।

■ कुछ लोग एंटी-एजिंग को जीन से जोड़ते हैं, लेकिन सच तो यह है कि अगर आपके दादा-दादी, माता-पिता स्वस्थ जीवनशैली को अपनाते हैं और आप नहीं अपनाते हैं तो आपकी रंगत समय से पहले ही ढल जाएगी। जलवायु, प्रदूषण, तनाव, त्वचा की देखभाल और जीवनशैली भी आपकी त्वचा पर असर डालती हैं।

■ यह जरूरी नहीं कि महंगे उत्पाद के इस्तेमाल से आपकी त्वचा खिल जाए इसलिए सोच-समझकर ही किसी भी सौंदर्य उत्पाद का प्रयोग करें।

■ मुस्कुराना या त्योरी चढ़ाकर रखना एक प्रकार का व्यायाम ही है। धूम्रपान करने से, त्वचा में नमी की कमी से, तनाव लेने जैसे कारणों से भी झुर्रियां पड़ती हैं।

■ आपकी पूरी दिनचर्या, जीवनशैली का आपके शरीर और त्वचा पर काफी असर पड़ता है इसलिए खुश रहें और संतुलित व स्वस्थ आहार लें।

मुंह के छालों से हैं परेशान तो बर्फ का इस तरह करें इस्तेमाल

मुंह में छाले होने की वजह से काफी तकलीफ का सामना करना पड़ता है। ऐसे में खाने में मिर्च बहुत लगती है और ये दर्द भी करता है। पीरिड्स, हार्मोन का संतुलन बिगड़ना, पेट साफ ना होना आदि की वजह से मुंह में छाले हो जाते हैं। अगर आपको आए-दिन इस तकलीफ का सामना करना पड़ता है तो ये नुस्खे आपके लिए जरूर मददगार हो सकते हैं।

बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा से छालों को ठीक किया जा सकता है लेकिन इसे लगाते समय सावधानी बरतने की जरूरत होती है क्योंकि इससे जलन होती है। बेकिंग सोडा का इस्तेमाल करने के लिए इसे पानी में मिलाकर गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें। अब इस पेस्ट को छालों पर लगाएं। इससे छालों से राहत मिलेगी।

सूखा धनिया

सूखा धनिया छालों को दूर करने का आयुर्वेदिक तरीका है। इसके लिए एक चम्मच धनिये को पानी में उबाल लें और ठंडा होने पर इससे कुल्ला करें। दिन में तीन से चार बार ऐसा करने से आराम मिलता है।

बर्फ

छाले हो जाने पर यह काफी दर्द करते हैं और कभी-कभी इसकी वजह से सूजन भी आ जाती है। छालों पर बर्फ लगाने से वह ठीक हो जाते हैं। साथ ही दर्द और सूजन दूर करने में भी ये कारगर है।

एलोवेरा

छालों पर एलोवेरा लगाने से राहत मिलती है। प्रभावित हिस्सों पर इसे लगाएं। इससे छालों में होने वाले दर्द से भी निजात मिलती है।

तलाक लेते समय इन 3 गलतियों को करने से बचें

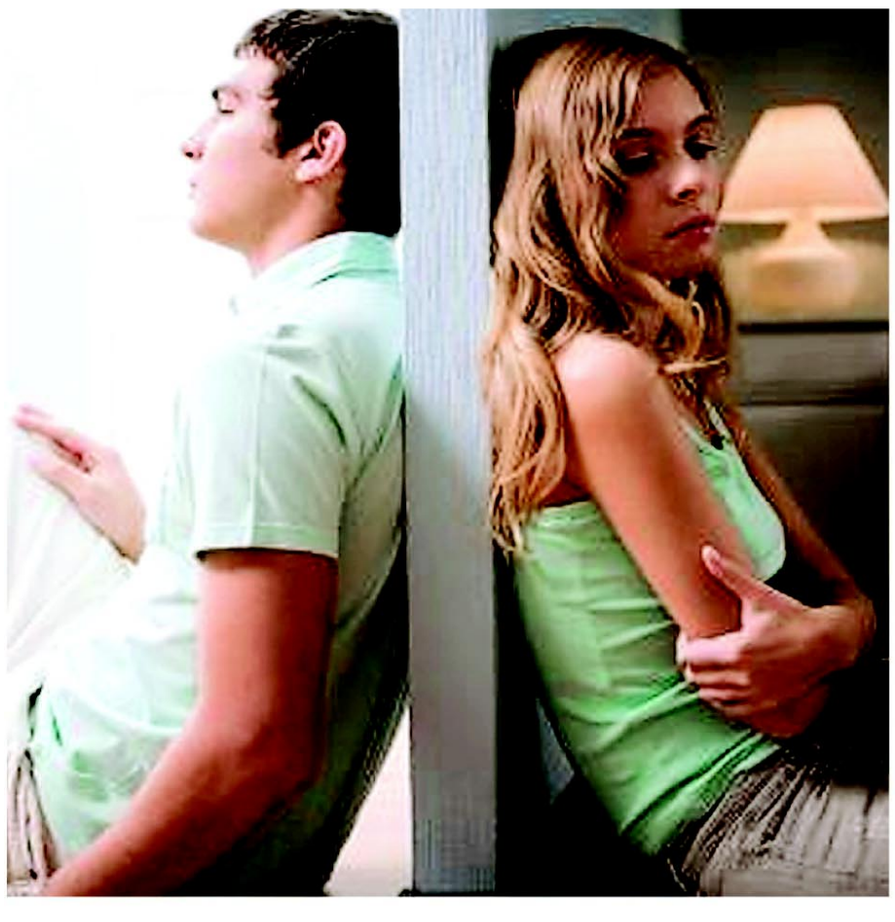

अगर आप दोनों ने हर कोशिश करने के बाद यह फैसला लिया है तो इसका सम्मान कीजिए। तलाक ले लेने का मतलब यह बिल्कुल भी नहीं है कि आप दोनों अब एक-दूसरे के दुश्मन हो गए हैं। तलाक के बाद भी आप दोनों अच्छे दोस्त बनकर रह सकते हैं लेकिन उसके लिए जरूरी है कि आप दोनों चीजों को समझदारी से लें।

अमूमन तलाक लेने के दौरान कुछ ऐसी गलतियां हो जाती हैं जिसकी वजह से आने वाले समय में रिश्ते हमेशा के लिए खराब हो जाते हैं। ऐसे में इन गलतियों को करने से बचें ताकि भविष्य में आप कम से कम एक-दूसरे के अच्छे दोस्त बनकर रहें...

1. साझा खर्चों का निपटारा

शादी खत्म होने के बाद एक लंबे समय तक कई तरह की आर्थिक मुसीबतों का सामना करना पड़ता है। हर चीज पर दोबारा से निवेश करना होता है और जो चीजें पहले निवेश के तहत ली गई थीं वे अचानक से बोझ बन जाती हैं। ऐसे में समझदारी यही होगी कि अगर आप दोनों ने साथ रहते हुए अगर कोई लोन लिया था तो उसे संयुक्त रूप से ही चुकाएं भी। या फिर इसका कोई दूसरा समाधान निकालें। जब यह सारी चीजें सुलझ जाएं, उसके बाद ही चीजों को नए सिरे से समेटना शुरू करें।

2. चीजों और कस्टडी को हथियार न बनाएं

अगर अलग होने का फैसला आप दोनों का है तो ऐसा करना आपको शोभा नहीं देता। पैसों के लिए और कस्टडी के लिए दूसरी पार्टी को परेशान करना या फिर इन चीजों का हथियार की तरह इस्तेमाल करना सही नहीं है। ऐसा करने से चीजें सिर्फ बिगड़ेंगी ही, जिसके बाद आप उस शख्स से कभी नजरें भी नहीं मिला पाएंगे।

3. दोस्तों को इसमें शामिल न करें

जिन दोस्तों ने आप दोनों को बतौर कपल देखा है और आपके साथ खुशियों के पल साझा किए हैं, उन्हें इस मामले में शामिल न करें। न ही उनसे किसी एक का पक्ष लेने को कहें। उनके लिए आप दोनों ही एक बराबर हैं, ऐसे में उन्हें इस स्थिति में डालकर आप उन्हें असहज ही कर देंगे।

सनस्क्रीन प्रयोग करना बेहतर विकल्प है लेकिन याद रखें कि सनस्क्रीन आपके स्किन टाइप के अनुसार हो।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**